3 राजधानी
केजरीवाल के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

6 अभिमत
भारत के विकास में शिक्षा की भूमिका

11 विदेश
संरा के कई निकायों में चुना गया भारत

12 स्पोर्ट्स
गुजरात टायटंस की जीत राजस्थान रायल्स पर

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 154
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 11 अप्रैल, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

शरणार्थी बेधड़क नागरिकता के लिए आवेदन करें

राष्ट्रीय-10

आप की मुश्किलें बढ़ी, मंत्री ने दिया इस्तीफा

राजेश कुमार। नई दिल्ली

इस्तीफा देने के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते राजकुमार आनंद। *फोटोः रंजन डिमरी*

पार्टी सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) बुधवार को उस समय नई मुसीबत में फंस गई जब उसके एक मंत्री राजकुमार आनंद ने पद और पार्टी से इस्तीफा दे दिया। आनंद के पास समाज कल्याण सहित कई विभाग थे। उन्होंने दावा किया कि आप का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से हुआ था, लेकिन आज यह पार्टी भ्रष्टाचार के उसी दलदल में फंस गई है। पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले आनंद ने आरोप लगाया कि पार्टी में दलितों को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। पार्टी महासचिव संदीप पाठक को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद अपने आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आनंद ने कहा, 'मैं राजनीति में तब आया था जब केजरीवाल ने कहा था कि अगर इसकी राजनीति बदल जाएगी, तो देश बदल जाएगा। लेकिन आज मैं बहुत अफसोस के साथ कहता हूं कि राजनीति तो नहीं बदली लेकिन नेता बदल गए। आप का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से हुआ था, लेकिन आज यह पार्टी उसी भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गई है। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भी कटाक्ष किया, जो आबकारी शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद तिहाड़ जेल में हैं और दिल्ली उच्च न्यायालय से कोई राहत पाने में विफल रहे हैं। पटेल नगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक आनंद ने कहा, जंतर मंतर से, केजरीवाल ने कहा था कि राजनीति बदलते ही देश बदल जाएगा। राजनीति नहीं बदली है, लेकिन राजनेता बदल गए हैं।

आप विधायक का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब केजरीवाल अब खत्म हो चुकी दिल्ली आबकारी शुल्क नीति के सिलसिले में न्यायिक हिरासत में हैं। इस बीच, आनंद 2023 में चीन को भेजे गए हवाला भुगतान में बेहिसाब व्यापार निवेश से संबंधित कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय और डीआरआई द्वारा जांच के दायरे में हैं। पिछले साल नवंबर में, आनंद के परिसरों सहित 13 स्थानों पर तलाशी लेने के बाद, ईडी आरोप लगाया कि उनके कुछ प्रमुख कर्मचारियों के पास से 2023 में चीन भेजे गए बेहिसाब व्यापारिक निवेश और हवाला भुगतान से संबंधित सबूत बरामद किए गए थे। एजेंसी के अनुसार, यह 74 लाख रुपये नकद के अलावा विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज/डिजिटल रिकॉर्ड भी बरामद किए गए थे।

उनके इस्तीफे के बाद आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर पलटवार करते हुए दावा किया कि दिल्ली के मंत्री राजकुमार आनंद के इस्तीफे ने उसके रुख की पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का उद्देश्य पार्टी को खत्म करना था। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा 'हमारे मंत्रियों और विधायकों को तोड़ने' के लिए ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा, यह आप के मंत्रियों और विधायकों की अग्निपरीक्षा है। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि आनंद को आप छोड़ने की धमकी दी गई होगी। भारद्वाज ने कहा, हमने बार-बार कहा कि अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने के पीछे का इरादा पार्टी और दिल्ली और पंजाब की सरकारों को तोड़ना था। हमारे कई सहयोगियों को लगेगा कि हम राजकुमार (आनंद) से नफरत करते हैं और उन्हें बेईमान और धोखेबाज कहेंगे। हम ऐसा नहीं करेंगे। हर कोई संजय सिंह नहीं होता। मेरा मानना है कि वह डरे हुए थे। समाज कल्याण मंत्री ने आप पर सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी के संगठन में दलितों और पिछड़े समुदायों के व्यक्तियों को उचित सम्मान नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह पार्टी दलित विधायकों, पार्षदों और मंत्रियों का सम्मान नहीं करती है। ऐसे में सभी दलित ठगा हुआ महसूस करते हैं। हम एक समावेशी समाज में रहते हैं, लेकिन अनुपात के बारे में बात करना गलत नहीं है। मेरे लिए पार्टी में बने रहना मुश्किल है। इन सभी चीजों के साथ, इसलिए मैं पद से इस्तीफा दे रहा हूं। (शेष पेज 9)

केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से अर्जी पर शीघ्र सुनवाई का किया अनुरोध

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को कहा कि वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ओर से उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखने के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में दाखिल याचिका को शीघ्र सूचीबद्ध करने संबंधी अनुरोध पर विचार करेंगे। प्रधान न्यायाधीश ने केजरीवाल के वकील को ईमेल भेजने को कहा। इससे पहले केजरीवाल ने उच्च न्यायालय के नौ अप्रैल के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। प्रधान न्यायाधीश ने केजरीवाल के वकील अभिषेक सिंघवी से कहा, मैं (याचिका को शीघ्र सूचीबद्ध करने संबंधी अनुरोध वाले) ईमेल पर गौर करूंगा। सिंघवी ने कहा, यह जरूरी है और दिल्ली के मुख्यमंत्री के संबंध में है। गिरफ्तारी एक ऐसे दस्तावेज के आधार पर की गई है (शेष पेज 9)

मेट्टूपलयम में बुधवार को एक चुनावी सभा में पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

दक्षिण में मोदी का तूफानी चुनाव अभियान जारी

कुमार चेलप्पन। चेन्नई

तमिलनाडु के वेल्लोर और मेट्टुपालयम में बुधवार को दिए गए भाषणों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्रमुक और पार्टी को नियंत्रित करने वाले परिवार द्वारा किए गए कथित भ्रष्टाचार की आलोचना की। प्रधानमंत्री ने द्रमुक और उसकी सहयोगी कांग्रेस को भ्रष्टाचार, अहंकार और कदाचार का अवतार बताया। पायनियर द्वारा प्रकाशित एक समाचार रिपोर्ट के स्पष्ट संदर्भ में कि तमिलनाडु को तीन भागों में विभाजित करने की मांग चुपचाप बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोंडगुनाडु क्षेत्र विकास के लिए रो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपको आश्वासन देता हूं कि एनडीए अपने तीसरे कार्यकाल के दौरान कोंगु क्षेत्र के विकास के लिए और अधिक जोश के साथ काम करेगा।

मोदी ने द्रमुक के एक नेता द्वारा एक टीवी चैनल को दिए गए साक्षात्कार का जिक्र किया जिसमें द्रविड़ पार्टी के नेता ने भाजपा के तमिलनाडु प्रमुख के अन्नामलाई को अपमानित किया था। हालांकि प्रधानमंत्री ने द्रमुक नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन यह स्पष्ट था कि उनका इशारा मनमोहन सिंह कैबिनेट के पूर्व आईटी मंत्री दयानिधि मारन की ओर था, जिन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले के बाद इस्तीफा देना पड़ा था। द्रमुक नेता से अन्नामलाई के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब दिया कि अन्नामलाई कौन? मैं किसी अन्नामलाई को नहीं जानता। मोदी ने कहा, इस तरह के अहंकार का जवाब तमिलनाडु के लोगों से मिलेगा जब वे द्रमुक के खिलाफ वोट करेंगे। हमारे अन्नामलाई देश के युवाओं (शेष पेज 9)

तृतीय चंद्रघंटा

पिण्डजप्रवरारूढ़ा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं चंद्रघण्टेति विश्रुता॥

नवरात्र में तीसरे दिन चंद्रघंटा देवी की पूजा-आराधना की जाती है। देवी का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें निरंतर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखकर साधना करना चाहिए। उनका ध्यान हमारे इहलोक और परलोक दोनों के लिए कल्याणकारी और सद्गति देने वाला है। इस देवी के मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्र है। इसीलिए इस देवी को चंद्रघंटा कहा गया है। इनके शरीर का रंग सोने के समान बहुत चमकीला है। इस देवी के दस हाथ हैं। वे खड्ग और अन्य अस्त्र-शस्त्र से विभूषित हैं।

अवकाश सूचना

ईद-उल-फितर के उपलक्ष्य में पायनियर कार्यालय एवं प्रेस में 11 अप्रैल 2024 को अवकाश रहेगा। अतः 12 अप्रैल 2024 का अंक प्रकाशित नहीं होगा।

पंद्रह दिन में टैटू हटाएं जवानः ओडिशा पुलिस

एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा पुलिस ने अपने विशेष सुरक्षा बटालियन कर्मियों को 15 दिनों के भीतर अपने शरीर पर टैटू हटाने के लिए कहा है क्योंकि ये त्वचा के निशान वर्दी के साथ आसानी से ध्यान देने योग्य हैं और इन्हें 'अश्लील और अपमानजनक' माना जाता है। पुलिस उपायुक्त (सुरक्षा), भुवनेश्वर ने मंगलवार को इस आशय का एक आदेश जारी किया और सभी संबंधित अधिकारियों को अपने शरीर पर आसानी से ध्यान देने योग्य टैटू वाले एसएसबी जवानों की एक सूची तैयार करने के लिए कहा। एसएसबी कर्मी मुख्यमंत्री आवास, राजभवन, राज्य सचिवालय, ओडिशा विधानसभा और उच्च न्यायालय जैसे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करते हैं। वे राज्य के भीतर वीवीआईपी और गणमान्य व्यक्तियों और शेष भारत से ओडिशा आने वाले लोगों को भी सुरक्षा प्रदान करते हैं। डीसीपी (सुरक्षा) ने आदेश में कहा, अच्छी संख्या में यूनिट के लोग अपने शरीर पर टैटू बनवाते हुए पाए जाते हैं जो बटालियन के साथ-साथ ओडिशा पुलिस की छवि को खराब करते हैं क्योंकि ये आक्रामक, अश्लील और अपमानजनक प्रकृति के होते हैं। इसलिए सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, यह निर्णय लिया गया कि, आज से, वर्दी पहनते समय दिखाई देने वाले टैटू की अनुमति नहीं है। एसएसबी कर्मियों के प्रभारी को उन पुरुषों की एक सूची बनाने का निर्देश दिया गया है जिनके शरीर के अंगों पर टैटू वर्दी पहने हुए आसानी से दिखाई दे सकते हैं और उन्हें आदेश प्राप्त होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर टैटू को स्थायी रूप से हटाने के लिए कहें। डीसीपी ने चेतावनी दी कि यदि आदेश लागू न किया गया, तो निर्देश का पालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाएगी। उन्होंने एसएसबी कर्मियों को पेशेवराना स्तर बनाए रखने के लिए चेहरे, गर्दन और हाथ पर स्याही लगवाने से बचने की सलाह दी।

राजीव चन्द्रशेखर ने थरूर को भेजा कानूनी नोटिस

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने सांसद शशि थरूर को कानूनी नोटिस भेजा है, जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेता पर हाल में एक टीवी चैनल पर उनके खिलाफ अपमानजनक बयान देने का आरोप लगाया है। लोकसभा चुनाव में चंद्रशेखर और थरूर तिरुवनंतपुरम सीट पर आमने-सामने हैं जहां 26 अप्रैल को मतदान होना है। चंद्रशेखर ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता ने प्रमुख मतदाताओं और पादरियों जैसे प्रभावशाली लोगों को भाजपा उम्मीदवार द्वारा रिश्वत दिए जाने की स्पष्ट रूप से गलत सूचना फैलाई। आरोप में कहा गया है कि थरूर ने ये बयान चंद्रशेखर की प्रतिष्ठा और छवि को नुकसान पहुंचाने के इरादे से दिए। इसमें कहा गया है कि थरूर की टिप्पणी ने तिरुवनंतपुरम के पूरे ईसाई समुदाय और उसके नेताओं का भी अनादर किया है, क्योंकि उन्होंने उन पर वोट के बदले नकदी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया। आरोप में कहा गया है कि कांग्रेस सांसद के बयान आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का भी उल्लंघन हैं। नोटिस में दावा किया गया कि इन बयानों का लक्ष्य भाजपा नेता के प्रचार अभियान को नुकसान पहुंचाना और चुनाव में थरूर को फायदा पहुंचाना भी था। इसमें थरूर से चंद्रशेखर के खिलाफ छह अप्रैल को लगाए गए सभी आरोपों को तुरंत वापस लेने और प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उनसे सार्वजनिक रूप से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की गई है। इसमें यह भी कहा गया है कि उन्हें भविष्य में मंत्री की बदनामी करने, उन्हें परेशान करने और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि बताई शर्तों का, नोटिस प्राप्त होने के 24 घंटे के भीतर पालन नहीं करने पर सक्षम अदालत में आपराधिक और दीवानी कार्यवाही शुरू की जाएगी।

भाजपा की 10वीं सूची जारी, किरण खेर व रीता बहुगुणा का टिकट कटा

राजेश कुमार। नई दिल्ली

कई दिनों की अटकलों के बाद भाजपा ने बुधवार को अपने उम्मीदवारों की 10वीं सूची जारी की, जिसमें मौजूदा सांसद किरण खेर, रीता बहुगुणा जोशी, वीरेंद्र सिंह मस्त को हटा दिया गया तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेंद्रजीत सिंह अहलूवालिया, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए मैदान में उतारा गया। भाजपा ने नौ लोकसभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। इसमें उत्तर प्रदेश में सात, पश्चिम बंगाल और चंडीगढ़ में एक एक सीट शामिल हैं। इनमें आठ नये चेहरे हैं।

अहलूवालिया का नाम बुधवार को भाजपा द्वारा घोषित दसवीं लोकसभा उम्मीदवारों की सूची में नौ में से एक था, जो बंगाल-झारखंड सीमा पर देश के सबसे पुराने कोयला क्षेत्र आसनसोल में अपने गृह नगर से तृणमूल कांग्रेस के नेता और बॉलीवुड अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा को टक्कर दे रहे हैं। इससे पहले, पार्टी ने पवन सिंह को आसनसोल से मैदान में उतारा था, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। हालाँकि भाजपा ने शुरुआत में आसनसोल से अपने उम्मीदवार के रूप में भोजपुरी गायक-अभिनेता पवन सिंह के नाम की घोषणा की थी, लेकिन सिंह के निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने से इनकार करने के बाद अब तक यह सीट पार्टी के पास नहीं है। अपने वीडियो और फिल्मों में कथित तौर पर बंगाली महिलाओं का मजाक उड़ाने और उन्हें निशाना बनाने के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं की नाराजगी झेलने के बाद पवन सिंह पिछले महीने लोकसभा की दौड़ से हट गए थे। अहलूवालिया राज्य के बर्धमान-दुर्गापुर निर्वाचन क्षेत्र से मौजूदा सांसद हैं।

पार्टी की ओर से जारी सूची के मुताबकि भाजपा ने मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार डिंपल यादव के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री जयवीर सिंह ठाकुर को उम्मीदवार बनाया है। इलाहाबाद की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के स्थान पर नीरज त्रिपाठी, बलिया से सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त के स्थान पर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर और चंडीगढ़ से किरण खेर के स्थान पर संजय टंडन को उम्मीदवार बनाया गया है। टंडन भाजपा की चंडीगढ़ इकाई के अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के सह-प्रभारी हैं। संजय टंडन छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल दिवंगत बलरामजी दास टंडन के बेटे हैं। किरण खेर पहली बार 2014 में चंडीगढ़ से सांसद बनी थीं। उन्होंने 2019 में चंडीगढ़ से फिर से जीत हासिल की। उत्तर प्रदेश के फूलपुर से मौजूदा सांसद केशरी देवी पटेल का टिकट काट कर उनके स्थान पर प्रवीण पटेल पर पार्टी ने भरोसा जताया है। कौशाम्बी से एक बार फिर विनोद सोनकर और मछलीशहर से बीपी सरोज को पार्टी ने टिकट दिया है।

पार्टी ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से पारस नाथ राय को समाजवादी पार्टी के अफजल अंसारी के खिलाफ मैदान में उतारा है, जो गैंगस्टर-राजनेता मुख्तार अंसारी के भाई हैं। मुख्तार का हाल ही में निधन हो गया था। 2019 के चुनाव में अंसारी ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के टिकट पर गाजीपुर से चुनाव लड़ा और भाजपा के मनोज सिन्हा को हराया था। सिन्हा वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल हैं। विशेष रूप से पारस नाथ राय, जिन्हें जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का सहयोगी माना जाता है, को समाजवादी पार्टी (सपा) के अफजाल अंसारी के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए मैदान में उतारा गया है।

उच्चतम न्यायालय के फैसले से डीएमआरसी को मिली बड़ी राहत

पीटीआई। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को अपने ही तीन साल पुराने उस फैसले को दरकिनार कर दिया जिसमें दिल्ली मेट्रो के साथ विवाद में अनिल अंबानी समूह की कंपनी को 8,000 करोड़ रुपए का भुगतान करने का आदेश दिया गया था। शीर्ष अदालत ने कंपनी को पहले ही प्राप्त हो चुके लगभग 2,500 करोड़ रुपए को वापस वसूल करने के लिए कहा और माना कि पिछले फैसले के कारण न्याय नहीं हो सका। वर्ष 2021 के फैसले के खिलाफ दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) की उपचारात्मक याचिका को अनुमति देते हुए प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली एक विशेष पीठ ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय की खंडपीठ का आदेश एक सुविचारित निर्णय था और सर्वोच्च न्यायालय के लिए इसमें हस्तक्षेप करने का कोई वैध आधार नहीं था। पीठ ने कहा, इस न्यायालय की दो-न्यायाधीशों की पीठ के फैसले, जिसने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के फैसले में हस्तक्षेप किया, के परिणामस्वरूप न्याय नहीं हो सका।

शीर्ष अदालत ने कहा, खंड पीठ के फैसले को रद्द करते हुए इस न्यायालय ने एक स्पष्ट रूप से अवैध आदेश को बहाल कर दिया, जिसने एक सार्वजनिक इकाई पर अत्यधिक दायित्व थोप दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की सदस्यता वाली पीठ ने कहा कि सुधारात्मक याचिका पर अनुच्छेद 142 के तहत शक्ति का प्रयोग का जरूर हो जाता है। मध्यस्थता न्यायाधिकरण के आदेश के अनुसरण में डीएमआरसी द्वारा रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म को भुगतान की गई राशि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी (पीएसयू) को वापस करनी होगी।

मध्यस्थता न्यायाधिकरण के आदेश के अनुसार, डीएएमईपीएल रियायत समझौते के संदर्भ में

2782.33 करोड़ रुपए और ब्याज का हकदार था। 14 फरवरी 2022 तक यह रकम बढ़कर 8,009.38 करोड़ रुपए हो गई। शीर्ष अदालत ने नौ सितंबर, 2021 को डीएमआरसी के खिलाफ लागू होने वाले 2017 के मध्यस्थता न्यायाधिकरण के आदेश को बरकरार रखा था और कहा था कि अदालतों द्वारा ऐसे आदेशों को रद्द करने की परेशान करने वाली प्रवृत्ति है। इसने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया था, जिसने डीएएमईपीएल के पक्ष में मध्यस्थता न्यायाधिकरण के आदेश को रद्द कर दिया था। दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमईपीएल) ने सुरक्षा मुद्दों पर एयरपोर्ट एक्सप्रेस मेट्रो लाइन चलाने के समझौते से हाथ खींच लिया था। इसके बाद 23 नवंबर, 2021 को शीर्ष अदालत ने अपने नौ सितंबर, 2021 के फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग करने वाली डीएमआरसी की याचिका खारिज कर दी थी और कहा था कि पुनर्विचार का कोई मामला नहीं बनता है। इस आदेश से व्यथित होकर डीएमआरसी ने 2022 में पुनर्विचार याचिका खारिज होने के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अंतिम कानूनी विकल्प के रूप में उपचारात्मक याचिका दायर की।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 11 अप्रैल, 2024

धर्म और जाति के नाम पर प्रत्याशी न मांगे वोटः डीएम

● जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में प्रत्याशियों की बैठक संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

चुनाव धर्मनिरपेक्ष प्रक्रिया है। इसमें धर्म की कोई भूमिका नही। व्यक्ति का भगवान से रिश्ता व्यक्तिगत होता है इन गतिविधियों में राज्य के शामिल होने की संविधान में मनाही है।

इस फैसले के बाद किसी भी प्रत्याशी का किसी भी धर्मगुरु से अपने पक्ष में वोट की अपील कराना गैरकानूनी होगा। उक्त बातें बुधवार को कलेक्ट्रेट महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता व प्रेक्षक (सामान्य) अरूण कुमार सिन्हा ने प्रत्याशियों/ प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान कहीं उन्होंने कहा आप लोगों को सर्वप्रथम यह पता होना चाहिए कि आपको क्या करना और क्या नहीं करना है। कहा कि धर्म, जाति, समुदाय के नाम पर वोट नहीं मांगना है। धर्मों, जाति, समुदाय के बीच मतभेद का माहौल बने ऐसा कोई भी कार्य नहीं करना है। मंदिर-मस्जिद आदि धार्मिक स्थलों के नाम पर वोट नहीं मांगना है। किसी भी प्रतिद्वंदी के व्यक्तिगत मामलों में बयानबाजी नहीं करनी है। बिना इजाजद के किसी की निजी सम्पत्ति व मकान आदि में पोस्टर, स्टीकर, झण्डा आदि नहीं लगाना है। आपको जिला निर्वाचन अधिकारी एवं प्रभारियों द्वारा पूर्व में ही जानकारी दी जा चुकी होगी कि आपको किस-किस चीज के लिए प्रशासन से ऑनलाईन व ऑफलाईन अनुमति लेनी है। अतः उक्त के क्रम में किसी भी कार्य बिना अनुमति के ना करें।

अपना व्यय रजिस्टर जरूर बनायें। आदर्श आचार संहिता के नियमों का पालन करते हुए चुनाव प्रचार करें। इसके साथ ही लोक सभा सामान्य निर्वाचन को शांति पूर्ण सफल बनाने में निर्वाचन टीम का सहयोग करें। बैठक में मुख्य रूप से कई प्रत्याशी/ प्रत्याशियों के प्रतिनिधि, सभी एमडीएम, कोषागार अधिकारी, सभी एसडीएम सहित अन्य निर्वाचन से सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विजय का मूल मंत्र बूथ जीतो, चुनाव जीतोः मोहित

गाजियाबाद। भाजपा ने मुरादनगर विधानसभा का बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन बुधवार को लोहिया नगर स्थित हिन्दी भवन सभागार में किया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष एमएलसी मोहित बेनीवाल पहुंचे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा ने की। कार्यक्रम में मंचासीन बलदेव राज शर्मा, लोकसभा प्रभारी विजय शुक्ला, लोकसभा संयोजक अजय शर्मा, पूर्व महापोर आशु वर्मा, विधायक अजीत पाल त्यागी, पूर्व अध्यक्ष विजय मोहन, अमर दत्त शर्मा, विधानसभा प्रभारी रकम भाटी, विधानसभा संयोजक अरविंद भारतीय, ब्लॉक प्रमुख राहुल चौधरी, राजीव त्यागी, राजेंद्र यादव, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, विस्तारक अंकित शर्मा उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

खराब ट्रैफिक सिग्नल की जानकारी लेती महापौर सुनीता दयाल।

सभी ट्रैफिक सिग्नल होंगे जल्द शुरूः महापौर

गाजियाबाद। कुछ समय पहले बीओटी पर दिए गए ट्रैफिक सिग्नल का कार्यकाल समाप्त हो गया था। जिसको लेकर नगर निगम ने नियमानुसार कार्यवाही की और फर्म से ट्रैफिक सिग्नल का कंट्रोल नगर निगम ने हस्तांतरण की बात की थी। लेकिन ज्ञात हुआ कि ट्रैफिक सिग्नल के उपकरण गायब कर दिए गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जान बूझकर ऐसा किया गया है। जिससे शहर में जाम की स्थिति अव्यवस्थित हो गयी है और नगर निगम द्वारा उपकरणों की व्यवस्था की जा रही है। कई स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल चालू करा दिए गए हैं, बाकी बचे हुए सिग्नल भी जल्द शुरू किए जाएंगे। जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया गया है ,जिसको कतई बर्दाश्त नही किया जाएगा और शहर की जनता को हो रही परेशान से मुझे बड़ी पीड़ा है। महापौर सुनीता दयाल ने अपील करते हुए हा कि इस अव्यवस्था को ठीक होने तक अपना सहयोग करें जल्द ही सभी ट्रैफिक सिग्नल दुरुस्त किये जाएंगे।

सपा-बसपा के नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

गाजियाबाद। भाजपा लोकसभा चुनाव कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के मुरादनगर क्षेत्र के नेता सभासद विकास चौधरी ने बुधवार को मुरादनगर विधानसभा के विधायक अजीत पाल त्यागी की अगुआई में भाजपा जॉइनिंग की। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, पूर्व महापौर आशा शर्मा, पूर्व अध्यक्ष अरविंद भारतीय, महामंत्री गोपाल अग्रवाल ने पटका पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया। इस दौरान उनके साथ अन्य सपा नेता वीरेंद्र, सागर, मोनू ,निशांत, धर्मेंद्र, निखिल, आरव व धमन चौधरी ने भी भाजपा का दामन थामा। सभी ने भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा के नेतृत्व में काम करने का संकल्प लिया। मुरादनगर नगर पालिका परिषद के बसपा सभासद धर्मवीर राठी ने भी भाजपा का दामन थामा।

गृहमंत्री अमित शाह की रैली को लेकर बैठक, बनाई रणनीति

● शनिवार को महेश शर्मा के लिए करेंगे प्रचार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में देश के गृहमंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की 13 अप्रैल को होने वाली जनसभा को लेकर व्यापक तैयारी शुरू हो गई है।

बता दें कि गृहमंत्री मंत्री अमित शाह नोएडा (गौतमबुद्धनगर) लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा के पक्ष में इस जनसभा में शामिल होंगे। भारतीय जनता पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने सेक्टर-27 स्थित कैलाश सभागार में भाजपा के सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करके रणनीति तय की है। बैठक में अमित शाह की रैली को लेकर पदाधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं कार्यकर्ताओं से इस रैली के व्यापक प्रचार प्रसार के अलावा अधिकाधिक भीड़ जुटाने का भी आह्वान किया गया। बैठक में नोएडा महानगर की टीम के अलावा सभी प्रकोष्ठों, मंडलों तथा बूथों के पदाधिकारी मौजूद थे। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की रैली 13 अप्रैल को सायं 5 बजे नोएडा के सेक्टर 33 ए स्थित शिल्पहॉट के करीब स्थित पार्क में होगी।

पंखुड़ी और डॉली ने जारी किया कांग्रेस न्याय गारंटी कार्ड

● बोली, भाजपा ने सामाजिक और आर्थिक ताने बाने को बर्बाद किया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी करती डॉली शर्मा व पंखुड़ी पाठक।

कांग्रेस के घोषणा पत्र को इस बार न्याय की गारंटी नाम दिया गया है। गठबंधन के चुनाव कार्यालय पर बुधवार को इस गारंटी पत्र से संबंधित कार्ड प्रत्याशी डॉली शर्मा और सोशल मीडिया की प्रदेश अध्यक्ष पंखुड़ी पाठक ने संयुक्त रूप से जारी किया।

दोनों महिला नेत्रियों ने दावा किया कि यह घोषणा मात्र नहीं कांग्रेस द्वारा जनता को दी जाने वाली गारंटी हैं, जिस पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी के हस्ताक्षर भी हैं। पंखुड़ी पाठक और डॉली शर्मा ने बताया कि कार्ड में नारी न्याय, श्रमिक न्याय, युवा न्याय समेत पांच न्याय की बात की गई है। इसमें न्याय देने की 25 गारंटी कांग्रेस की ओर से की गई हैं।

दोनों नेताओं ने कहा कि भाजपा से देश के सामाजिक और आर्थिक ताने बारे को तहस नहस कर दिया है। न्याय के माध्यम से कांग्रेस इसे सहेजने का प्रयास करेगी। भाजपा सरकार में देश भर में असमानता फैल रही है। चंद लोगों के हाथों में देश की अर्थव्यवस्था है।

न्याय पत्र में नौरी, जन संसाधन और जन कल्याण पर जोर दिया गया है। 45 पेज के इस न्याय पत्र में देश के हर वर्ग का ध्यान रखने का प्रयास किया गया है। प्रेसवार्ता में जिलाध्यक्ष विनीत त्यागी, महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी, मपूर्व मंत्री नरेन्द्र त्यागी, सतीश त्यागी, सतीश शर्मा समेत तमाम वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

गाजियाबाद में चुनाव प्रचार अभियान को तेज किया

गाजियाबाद। इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी डॉली शर्मा ने चुनावी प्रचार अभियान को और अधिक तेज कर दिया है। वे लगातार चुनावी सभाएं और नुक्कड़ बैठकें कर भाजपा को घेर रही हैं। अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत उन्होंने लोनी मे और मुरादनगर क्षेत्र में ताबड़तोड़ जनसंपर्क किया। दोनों विधानसभा क्षेत्रों के दुहाई, चिकनपुर, शाहपुर निजमोता, चिरौडी और सिरोली गांवों में उन्होंने ताबड़तोड़ दौरे किए। अपनी बैठकों के दौरान डॉली शर्मा कहा कि कांग्रेस द्वारा दी जा रही गारंटी अभी तक भाजपा के जुमलों पर भारी पड़ती नजर आ रही हैं। डॉली शर्मा ने लोगों से आग्रह किया कि वे उन्हें भारी बहुमत देकर सांसद बनवाएं, उनके गली मोहल्लों की समस्याएं भी संसद में गूंजती सुनाई देंगी। डॉली शर्मा ने कहा कि कोरोना महामारी के वक्त हम यह करके दिखा चुके हैं।

सेक्टर-104 में अवैध निर्माण को ध्वस्त करेंः डा. लोकेश

● चुनाव के दौरान कुछ भू-माफिया अवैध रूप से निर्माण कार्य कर रहे हैं

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ अतिक्रमण तथा अवैध निर्माण के खिलाफ गंभीर हैं। इसी कड़ी में सीईओ डा. लोकेश एम ने सेक्टर-104 में प्राधिकरण की अर्जित व कब्जा प्राप्त भूमि पर अविलंब हो रहे अवैध निर्माण रोकने तथा ध्वस्तीकरण के निर्देश दिये। उन्होंने कल निरीक्षण के दौरान उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय रावल को निर्देश दिये कि तत्काल निर्माण को रोकें तथा पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर उक्त बिल्डिंग का ध्वस्तीकरण करें।

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम ने डीजीएम सिविल और जन स्वास्थ्य के अधिकारियों के साथ शहर के बाजारों का निरीक्षण किया। वहां साफ-सफाई देखी और निर्देश दिया। सबसे पहले टीम सेक्टर-29 ब्रह्मपुत्र कांप्लेक्स गए। यहां मार्केट की दुकनों की ब्रांड साइनेज रेल कलर के लगाए जाने थे। लेकिन उनको ब्राउन कलर किया गया। जिसे बदलने के लिए कहा गया। इसके अलावा बाजार में एसोसिएशन की ओर से क्लीनिंग कराई जानी थी। जिसे नहीं कराया गया। युद्ध स्तर पर साफ करने के निर्देश दिए।

इसके बाद सेक्टर-37 गोदावरी बाजार, सेक्टर-110 बाजार व वीडीएस बाजार का निरीक्षण किया। वीडीएस और सेक्टर-110 के पास भंगेल से लगे हुए क्षेत्र में गंदगी और टाइल उखड़ी हुई मिली।

इसे दो दिनों में ठीक करने और साफ-सफाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। महर्षि आश्रम के के साथ बनी हुई ड्रेन में गंदा पानी जमा हुआ था। जिसको जन स्वास्थ्य और वर्क सर्किल-8 को समुचित समन्व्य बनाते हुए दो दिनों में साफ करने का निर्देश दिया। सेक्टर-98 की ड्रेन क्षतिग्रस्त मिली। इसको दोबारा से बनाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सेक्टर-98 में स्काई मॉर्क के सामने क्योसक लगाकर फूड जोन बनाया जाए साथ ही सेक्टर-98 के साथ निर्मित फुटपाथ के पास 300 वर्गमीटर में एक पार्किंग जोन विकसित किया जाए।

नवरात्रि व ईद पर जलापूर्ति के विशेष इंतजाम

गाजियाबाद। नगर निगम नवरात्र व ईद को लेकर तैयारियां पूरी कर ली है। नवरात्र व ईद को लेकर धार्मिक स्थलों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए टीमों को लगा दिया गया है। पेयजल, पथप्रकाश की व्यवस्था सुधारने के लिए अफसरों को जिम्मेदारी दी गई है।

नगर निगम सफाई व्यवस्था को बेहतर करेगा। धार्मिक स्थलों पर सफाई के साथ चूना, छिड़काव व एंटी लार्वा का छिड़काव करायी जा रहा है। नवरात्र को लेकर मंदिरों के आस-पास गंदगी नहीं फैले इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग व कूड़ा उठाने वाली टीमों को तैनात कर दिया गया है। नगर निगम के समस्त विभाग आगामी त्योहारों की तैयारी में शहर को सुसज्जित बनाने में लगे हुए हैं। मुख्य चौराहों, बजारों, धार्मिक स्थलों, सार्वजनिक स्थानो को अभियान चलाते हुए गंदगी मुक्त, सुसज्जित तथा सुव्यवस्थित बनाया जा रहा है। चल रहे रमजान एवं आने वाले नवरात्रों की तैयारी के लिए शहर हित में नगर निगम द्वारा मार्केट एरिया में सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया है।

अवैध पार्किंग वसूली पर लगाई रोक

गाजियाबाद। निगम द्वारा वसुंधरा जोन अंतर्गत अवैध पार्किंग वसूली पर रोक लगाते हुए बड़ी कार्यवाही की गई। वैशाली सेक्टर एक स्थित मैक्स हॉस्पिटल के पीछे अवैध रूप से पार्किंग चलाई जा रही थी तथा नियम विरुद्ध वसूली भी की जा रही थी। निगम के संबंध पार्किंग विभाग द्वारा मैक्स हॉस्पिटल को पत्र के माध्यम से नोटिस भी भेजा गया।

ICICI Bank
शाखा कार्यालयः आई सी आई सी आई बैंक लि.
तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

सार्वजनिक सूचनाः
बिल्डर निरस्तिकरण

आपके ध्यान में लाया जाता है कि **हरीश चंद्र वैला / दीपिका वैला (उधारकर्ता)** ने फ्लैट नं. जी 130 जीएफ, लिविन लाइफ प्लॉट नं. 5/कॉम 1 वसुंधरा योजना प्लॉट नं. 1 सेक्टर 5, गाजियाबाद, 201001 में स्थित, **सुविधा समझौता सं. LBDEL00002733915** के अंतर्गत गृह ऋण सुविधा का लाभ उठाया है। उधारकर्ता समझौते के नियमों और शर्तों के अनुसार बिल्डर को संविदागत राशि का भुगतान करने में विफल रहा है।
बैंक उसकी सूचना कर्जदार को पत्र दिनांकित **07 मार्च, 2024** के माध्यम से दे चुका है, जिसमें सूचित किया गया है कि **मास कॉन (इंडिया) प्रा. लि.** ने उपरिवर्णित सम्पत्ति का आबंटन निरस्त कर दिया है। अतः आपसे अनुरोध किया जाता है कि बिल्डर के साथ यह मामला इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के भीतर सुलझा लें।
कृपया यह भी ध्यान दे कि उक्त संपत्ति के आबंटन निरस्त करने के पश्चात आईसीआईसीआई बैंक बिल्डर द्वारा किए गए किसी भी अन्य आवंटन के लिए बाध्य और/या उत्तरदायी नहीं होगा।
दिनांक : अप्रैल 11, 2024
स्थानः दिल्ली/एनसीआर
कृते आई सी आई सी आई बैंक लि.
हस्ता/-

J&K Bank
Serving To Empower
जम्मू एंड कश्मीर बैंक लिमिटेड
स्पेशल एसेट पोर्टफोलियो प्रबंधन विभाग
आंचलिक कार्यालय (दिल्ली) प्लॉट नं. 132-134 सेक्टर 44, गुड़गांव
(फोन) 0124-4715800, ई मेलः lapmd.del@jkbmail.com

ई-नीलामी सूचना
(सरफैसी अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु)
[परिशिष्ट IV-A, नियम 8(6) परंतुक देखें]

एतद्द्वारा जनसाधारण को एवं विशेष रूप से कर्जदारों एवं गारंटरों को सूचित किया जाता है, कि नीचे वर्णित सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक है, का **कब्जा, प्रतिभूति लेनदार (जम्मू एंड कश्मीर बैंक लि.)** के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सरफेसी अधिनियम की धारा 13(4) के तहत लिया गया है, **के कर्जदारों, बंधककर्ताओं और गारंटरों से** सुरक्षित लेनदार की नीचे उल्लिखित राशि की वसूली हेतु नीचे उल्लिखित तिथियों पर "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर ई-नीलामी के माध्यम से बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य और जमा धरोहर राशि क्रमशः नीचे वर्णित है।

उधारकर्ता / गारंटर का नाम एवं पता	1. मैसर्स श्री पार्श्वनाथ पेपर प्रोप. श्री पारस जैन यूनिट का पता 127/6, एफएफ वार्ड नं. IX, गली बताशान, बरशाबुल्ला चौक, चावड़ी बाजार, दिल्ली-110006 2. श्री पारस जैन पुत्र स्व. श्री. वी.के. जैन निवासी एफएफ, 2181 गली हनुमान प्रसाद, मस्जिद खजूर, चावड़ी बाजार, दिल्ली-110006 (उधारकर्ता / बंधककर्ता) 3. श्रीमती रंजना जैन पत्नी श्री पारस जैन निवासी मकान नं. 2181, गली हनुमान प्रसाद, मस्जिद खजूर, चावड़ी बाजार, दिल्ली-110006 (गारंटर)
सुरक्षित प्रभारित सम्पत्ति का विवरण	साम्यिक बंधक दुकान नं. 127/6, प्रथम तल, म्युनिसिपल सं. 127 के संपत्ति का हिस्सा, वार्ड क्रमांक IX, जोकि गली बताशान, बरशाहबुल्ला चौक, चावड़ी बाजार दिल्ली 110006 में स्थित, संपत्ति सं. 118 से सामान्य प्रवेश द्वार के साथ, मुख्य चौक बरशाहबुल्ला चौक, चावड़ी बाजार, प्लिंथ क्षेत्रफल 6.90 वर्ग मी. लगभग, 78.23 वर्ग मीटर में से, नीचे की भूमि में आनुपातिक अधिकार के साथ, छत के अधिकार, स्वामित्व, हित, दावे, सुख-सुविधाएं, विशेषाधिकार और अनुलग्नक आदि को छोड़कर
आरक्षित मूल्य	रु. 35.00 लाख
ईएमडी राशि	रु. 3.50 लाख
बोली वृद्धि राशि	रु. 0.35 लाख
बकाया राशि	रु. 30.79 लाख दिनांक 31.03.2024 तक
सम्पर्क व्यक्ति और शाखा का नाम व पता	श्री मोहम्मद अशरफ नजर 9906965793 शाखाः जे एंड के बैंक, चावड़ी बाजार, दिल्ली
ई-नीलामी की तिथि एवं समय	15-05-2024 को प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक

ई-नीलामी के नियम एवं शर्तें इस प्रकार हैं:
1. ई-नीलामी "जैसा है जहां है" "जैसा है जो है" और "जो कुछ है" के आधार पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। बोली दस्तावेज/प्रारूप जिसमें संपत्ति का पूरा विवरण हो और सभी नियम और शर्तें वेबसाइट "http://sarfaesi.auctiontiger.net" से प्राप्त और प्रस्तुत की जा सकती हैं (संपर्क व्यक्ति राम शर्मा 9978591888, संपर्क नं.- 079-68136880/68136837 मो. +91 9265562821/18 ईमेलः support@auctiontiger.net)
2. प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, यहां विशेष रूप से बताए गए को छोड़कर, संपत्तियों पर कोई बाधा नहीं है। हालाँकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले, नीलामी में रखी गई संपत्तियों/संपत्तियों के टाइटल और संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/बकाया के संबंध में अपनी स्वतंत्र पूछताछ करनी चाहिए। अधिकृत अधिकारी/सुरक्षित ऋणदाता किसी भी तीसरे पक्ष के दावे/अधिकार/बकाया के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। बोलीदाताओं को यहां ऊपर दिए गए संपत्ति/संपत्तियों के विवरण की स्थिति या सटीकता के बारे में स्वयं को संतुष्ट करना होगा। ई-नीलामी विज्ञापन बैंक की किसी प्रतिबद्धता या किसी प्रतिनिधित्व का गठन नहीं करता है और न ही इसे माना जाएगा। संपत्ति सभी मौजूदा और भविष्य की बाधाओं के साथ बेची जा रही है, चाहे बैंक को ज्ञात हो या अज्ञात।
3. इच्छुक बोलीदाताओं को अपना प्रस्ताव ईएमडी के साथ वेबसाइट https://sarfaesi.auctiontiger.net के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा (उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड "http://sarfaesi.auctiontiger.net" के साथ नाम पंजीकृत करके निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है) उनके लॉगिन आईडी और पासवर्ड के माध्यम से। आरक्षित मूल्य का 10% ईएमडी 14-05-2024 को शाम 5.00 बजे या उससे पहले एनईएफटी/आरटीजीएस (ईएमडी प्रेषण विवरण ऊपर दिया गया है) के माध्यम से देय होगा। कृपया ध्यान दें कि चेक/डिमांड ड्राफ्ट ईएमडी राशि के रूप में स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
4. बिक्री वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्तन के तहत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी।
5. प्राधिकृत अधिकारी उच्चतम प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है और प्राधिकृत अधिकारी को किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने या बिना कोई कारण बताए ई-नीलामी को स्थगित/निरस्त/रद्द करने का पूर्ण अधिकार है।
6. ई-नीलामी के अन्य नियम और शर्तें वेबसाइट https://www.auctiontiger.net पर उपलब्ध हैं
दिनांकः 10.04.2024,
स्थान : नई दिल्ली
ह/- प्राधिकृत अधिकारी
जम्मू एंड कशमीर बैंक लि.
पंजीकृत कार्यालयः कॉर्पोरेट मुख्यालय एम.ए. रोड श्रीनगर-190001, जम्मू-कश्मीर, भारत
सीआईएनः L65110JK1938SGC000048; फोनः +91(0)194 2481 930-35,
फैक्सः +91(0)194 248 1928, ईमेल- info@jkbmail.com वेबसाइटः www.jkbank.com

पिरामिड ड्रीम होम्स एलएलपी
प्रोजेक्ट - इन्फिनिटी, सैक्टर-70 गुड़गांव

नीचे लिखित आवेदकों को अपने आबंटन के निरस्तीकरण को रोकने के लिए इस विज्ञापन के जारी होने से 15 दिनों के भीतर अपनी बकाया राशि जमा करने के लिए सूचित किया जाता है। सभी आवेदकों जिनके भुगतान निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर प्राप्त नहीं होंगे उन्हें किफायती आवास नीति 2013 के नियमानुसार आत्मसमर्पित समझा जाएगा।
*अगर भुगतान कर दिया है तो नजरअंदाज करें

प्रोजेक्ट- इन्फिनिटी सेक्टर-70, गुड़गांव

क्रम सं.	आवेदन संख्या	टॉवर संख्या	यूनिट संख्या	क्रम सं.	आवेदन संख्या	टॉवर संख्या	यूनिट संख्या
1	2449	Tower-1	1401	37	3158	Tower-3	1404
2	2568	Tower-1	606	38	2119	Tower-4	202
3	1031	Tower-1	1007	39	1228	Tower-4	101
4	1210	Tower-1	1506	40	1515	Tower-4	1101
5	1551	Tower-1	402	41	3162	Tower-4	501
6	1104	Tower-1	1508	42	2126	Tower-4	008
7	1388	Tower-1	903	43	1583	Tower-4	908
8	2669	Tower-1	1008	44	2266	Tower-4	306
9	3178	Tower-2	1007	45	1197	Tower-4	303
10	2682	Tower-2	303	46	2078	Tower-4	504
11	3072	Tower-2	103	47	2272	Tower-4	007
12	2063	Tower-2	702	48	2805	Tower-4	1506
13	2508	Tower-2	905	49	1229	Tower-5	001
14	2009	Tower-2	1102	50	1831	Tower-5	806
15	2245	Tower-2	306	51	1033	Tower-5	1403
16	2271	Tower-2	906	52	1242	Tower-5	1504
17	3146	Tower-2	706	53	2606	Tower-5	603
18	1470	Tower-2	508	54	1742	Tower-5	705
19	3039	Tower-2	1106	55	1230	Tower-5	006
20	1183	Tower-2	604	56	1778	Tower-5	005
21	1879	Tower-3	1103	57	2687	Tower-5	408
22	3042	Tower-3	1402	58	1731	Tower-5	1408
23	2667	Tower-3	503	59	3124	Tower-5	1008
24	3069	Tower-3	004	60	2039	Tower-5	1505
25	2904	Tower-3	502	61	2615	Tower-5	601
26	1042	Tower-3	1207	62	1963	Tower-5	502
27	2810	Tower-3	807	63	1777	Tower-5	907
28	1085	Tower-3	1108	64	1101	Tower-6	805
29	2366	Tower-3	008	65	2038	Tower-6	901
30	2227	Tower-3	305	66	1405	Tower-6	304
31	1585	Tower-3	907	67	2852	Tower-6	204
32	1550	Tower-3	402	68	1962	Tower-6	007
33	2069	Tower-3	1508	69	2405	Tower-6	803
34	3119	Tower-3	1107	70	3126	Tower-6	203
35	1821	Tower-3	202	71	2694	Tower-6	207
36	2683	Tower-3	204				

अधिक जानकारी के लिए कॉरपोरेट कार्यालय में सम्पर्क करें:-
पिरामिड ड्रीम होम्स एलएलपी
यूनिट नंबर- 501 - 508, पांचवीं मंजिल, यूनिटेक ट्रेड सेंटर, सेक्टर-43, सामने पार्क प्लाजा होटल, हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास, गुरुग्राम, हरियाणा-122002

सार्वजनिक सूचना
मैसर्स मॉडर्न स्ट्रक्चर्स, रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स, डिस्ट्रिक्ट वेस्ट, दिल्ली के साथ पंजीकृत एक पार्टनरशिप फर्म है, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर फर्म/वेस्ट/2024/1724 है।
आम जनता को सूचित किया जाता है कि **मैसर्स मॉडर्न स्ट्रक्चर्स** का पंजीकृत कार्यालय 59, बेसमेंट, इंदु हाउस, राम रोड औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली-110015 में स्थित है, यह एक साझेदारी फर्म है जिसे श्रीमती रीता तंवर, श्री पवन कुमार और श्री दीपक कुमार तंवर नामक भगीदारों की सेवानिवृत्ति के कारण 29.03.2024 को पुनर्गठित किया गया था। सेवानिवृत्त होने वाले भागीदारों ने अपनी स्वतंत्र सहमति और इच्छा से साझेदारी फर्म से सेवानिवृत्ति ले ली है और निरंतर भागीदार, अर्थात, श्री प्रदीप कुमार सैनी और श्री वीरेंद्र सैनी सेवानिवृत्त होने वाले भागीदारों के किसी और दावे और हस्तक्षेप के बिना सभी अधिकारों, स्वत्व, ग्रहणाधिकार, सुखभोग, लाभ और उपांगों के साथ साझेदारी फर्म **मैसर्स मॉडर्न स्ट्रक्चर्स** के व्यवसाय को आगे बढ़ाएंगे।
कृते एवं उनकी ओर से
मैसर्स मॉडर्न स्ट्रक्चर्स
हस्ता./-
दिनांक : 05.04.2024
स्थान : दिल्ली
वीरेंद्र सैनी
साझेदार

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that Mr. Jai Pal Sing is the GPA Holder of land area measuring 450 sq ft., ie 50 sq yards, out of Total area 460 sq. yards, out of Khasra no 29/7 situated in the colony known as Sainik Enclave, Vikas Nagar, Uttam Nagar, New Delhi, He acquired the above property through notarized GPS, ATS and will dated 17.05.2000 executed by Mr. Kailash Nath Aggarwal in favour of Mr. Jai Pal Singh intends to transfer the ownership by way of sale deed of aforementioned property to Mr, Rajesh Kumar Subsequently, Mr. Rajesh Kumar is in the process of mortgaging the said property Aditya Biral Housing Finance Limited Any objections, or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice.
Any objections submitted after the completion of this 07 days period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07 day period by contacting.
North (Advocates & Legal Consultants)
Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector- 16, Noida, UP-201301
+910120-3101683, accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE
It is to inform to the public at large that Mr. Shashikant Suman who is purchasing the Flat No - 103 on First Floor, Front Middle/ northern Portion with Common Roof/ Terrace Rights, of Built On Property Bearing No -3& 4, Area Measuring 74 Sq Yds, Situated At Khasra no 30/3, Village - Hastal, Delhi abadi knows As Kanhiya Enclave, Vikas Nagar, New Delhi, From Mr, Manoj Prakash Barla & Mr. Ram Nath Saini & Mr. Deepak Sharma, who is owner through 1. Authorization slip dated 13.09.2022, vide doc No. 23100, SR-II-B, Jankpuri, 2. Authrization Slip dated 13.09.2022 Vide doc No.23126 SR-II-B, Jankpuri & Authorization slip dated 13.09.2022 vide doc No. 23127SR-II-B, Jankpuri, and same to be financed & mortgaged By Aditya Birla Housing Finance Ltd. If any Person having any type of claim/ right/ title/Interst over the said property, may inform in Writing, at the address mentioned below, about His objections, within 7 days from today, failing which it shall be presumed that the said Property is free all type of Encumbrances, Lien etc.
Lucem Legal LLP
B-93B, 2nd Floor, Sector 2, Noida UP-201301

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री सिद्धांत शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री सचिन शर्मा 'डीडीए निर्मित फ्रीहोल्ड संपत्ति फ्लैट नंबर 146, भूतल, श्रेणी-III, पॉकेट-बी और सी, सेक्टर-ए, किशनगढ़ आवासीय योजना, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070, के कब्जा का 'स्वामित्व धारक' है।' इसके बाद 'अनुसूची संपत्ति' के रूप में संदर्भित किया गया है। अनुसूची संपत्ति डीडीए द्वारा फ़ाइल सं. F.94(55) 86/SFS/KG/III के माध्यम से सुश्री रीता गुलाटी को आवंटित की गई थी, जिन्होंने इसे श्री सलिल शर्मा को विक्रय अनुबंध दिनांक 28.07.2000 के माध्यम से बेच दिया, श्री सलिल शर्मा के पक्ष में एक कन्वेन्स डीड 27.02.2003 को निष्पादित किया गया। पंजीकरण सं. 9596-ए, अतिरिक्त पुस्तक सं. 1, खंड सं. 897, पृ. 43-44 दिनांक 27.02.2003 को उप रजिस्ट्रार कार्यालय-VII, विकास सदन, नई दिल्ली में विधिवत पंजीकृत है। श्री सलिल शर्मा के मृत्यु दिनांक 15.12.18 को होने से एवं जीवित सदस्य प्रमाण पत्र दिनांक 11.03.19, के आधार पर श्री सचिन शर्मा (भाई) अनुसूचित संपत्ति के कानूनी हकदार बन गये। उसके बाद श्री सचिन शर्मा के मृत्यु 08.02.23 एवं जीवित सदस्य प्रमाण पत्र दिनांक 19.04.23, के आधार पर श्री सिद्धांत शर्मा अनुसूचित संपत्ति के कानूनी हकदार बन गये है। अनुसूची संपत्ति से संबंधित मूल दस्तावेज (i) आवंटन पत्र दिनांक 29.09.1986 और (ii) स्वर्गीय श्री जी.पी शर्मा (टाइटल धारक के दादा), का मृत्यु प्रमाण पत्र, सभी खो गए हैं/गुम हो गए है और आज की तारीख में अप्राप्य है। जिसके एवज में सूचना रिपोर्ट दिनांक 09.04.2024 एलआर नंबर 1625843/2024 दिल्ली पुलिस में भर दी गई है। इसलिए, यह आम जनता को बड़े पैमाने पर सूचित किया जाता है, यानी किसी भी व्यक्ति, कंपनी, प्राधिकरण, सोसायटी, संगठन, वित्तीय संस्थान, बैंक, एचयूएफ आदि, उपर्युक्त खोए हुए/गुम हुए/अप्राप्त मूल दस्तावेजों के बारे में कोई जानकारी, अभिरक्षा या कब्ज़ा होना या अन्यथा स्वामित्व, उत्तराधिकार, विरासत, बिक्री के माध्यम से अनुसूची संपत्ति में कोई दावा, अधिकार, शीर्षक, हित, कब्ज़ा आदि, बंधक, विनिमय, शुल्क, ग्रहणाधिकार, उपहार, ट्रस्ट, भार आदि या शीर्षक धारक द्वारा अनुसूची संपत्ति की बिक्री पर आपत्ति, सहायक दस्तावेजों के साथ आगे आ सकते हैं, जिन्हें इस प्रकाशन की दिनांक से 7 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को सौंप दिया जाना चाहिए, जिसकी समाप्ति के बाद, कोई भी दावा या आपत्ति, यदि उठाया या प्राप्त किया जाता है, तो उसे अमान्य शून्य माना जाएगा और माफ कर दिया जाएगा। और स्वामित्व धारक आगे बढ़ेगा अनुसूची संपत्ति को बेचने के लिए, जैसा कि वर्तमान में इरादा है।
प्रवेश कुमार (अधिवक्ता)
कार्यालय का पताः 27, बेसमेंट, श्रेष्ठ विहार, दिल्ली-92
चैंबर का पताः 363, साकेत कैंट, नई दिल्ली
मोबाइल नंबरः 9999228185

OK PLAY
ओके प्ले इंडिया लिमिटेड
पंजी. कार्यालयः प्लॉट नं. 17, रोज-का-मेओ इंडस्ट्रियल ईस्टेट, तहसील नूंह, जिला मेवात, हरियाणा-122103 भारत
सीआईएन नं. L28219HR1988PLC030347
ईमेलः investor.realations@okplay.in, वेबसाइटः www.okplay.in
31 मार्च, 2024 को तिमाही और वर्ष समाप्त हेतु स्टैंडअलोन और समेकित लेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का सारांश
(रु. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	स्टैंडअलोन					समेकित				
		तिमाही समाप्ति			वर्ष समाप्ति		तिमाही समाप्ति			वर्ष समाप्ति	
		31.03.2024	31.12.2023	31.03.2023	31.03.2024	31.03.2023	31.03.2024	31.12.2023	31.03.2023	31.03.2024	31.03.2023
		लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1	संचालनों से कुल आय	5,672.90	3,621.14	3,605.67	15,850.93	13,305.86	6,032.86	4,092.83	5,337.81	18,495.53	18,169.37
2	आपवादिक मद और कर पूर्व शुद्ध लाभ/(हानि)	768.23	8.92	(100.82)	919.30	30.53	366.56	174.30	274.08	662.60	308.11
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक मद पश्चात्)	592.57	9.42	(98.28)	740.59	7.69	190.91	174.80	276.62	483.90	285.27
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक मद पश्चात्)	426.33	9.42	(496.05)	574.35	(390.08)	(71.26)	106.79	(202.71)	113.20	(195.77)
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय/(हानि) [अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) और अन्य कुल व्यापक आय (कर पश्चात्) शामिल]	465.81	9.42	(552.63)	613.83	(446.66)	(31.78)	106.79	(259.29)	152.68	(252.35)
6	इक्विटी शेयर पूंजी	2,902.81	2,856.61	1,919.61	2,902.81	1,919.61	2,902.81	2,857.61	1,919.61	2,902.81	1,919.61
7	अन्य इक्विटी शेयर (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)	-	-	-	-	2,036.51	-	-	-	8,398.84	1,708.88
8	प्रति शेयर आय (प्रत्येक 10 रुपये का) (जारी और बंद किए गए परिचालनों हेतु)-										
	(क) मूलभूत (रु. में)	0.16	0.03	(2.88)	0.21	(2.33)	(0.01)	0.37	(1.35)	0.05	(1.31)
	(ख) तरलीकृत (रु. में)	0.13	0.03	(2.88)	0.17	(2.33)	(0.01)	0.29	(1.35)	0.04	(1.31)

टिप्पणियाँ:
1 उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com) और कंपनी की वेबसाइट (www.okplay.in) पर उपलब्ध है।
2 उपरोक्त स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई है और मंगलचार, 09 अप्रैल, 2024 को आयोजित निदेशक मंडल की बैठक द्वारा अनुमोदित किया गया है।
कृते ओके प्ले इंडिया लिमिटेड
हस्ता/-
राजन हांडा
प्रबंध निदेशक
(डीआईएन 00194590)
स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 9 अप्रैल, 2024

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given by **Mr. Brinder jeet singh kohli & Mrs. Baljit Kaur** that The Original Sale Deed dated 07.10.1996 executed in favour of Mr. Bansi Lal Dewan Registered as Doc no. 13307 & Original Regd. GPA executed by Mr. Bansi Lal Dewan in favour of Mr. Surinder Talwar dated 20.07.1998 vide Doc no. 42120 for **Entire Second Floor without roof/terrace rights, out of built up plot no. 7-A, in Block-A-G-16, situated I the residential colony, known as Rajouri Garden, area of Village Bassai Darapur, Delhi.**, has been lost/Misplaced. **Mr. Brinder Jeet Singh Kohli & Mrs. Baljit Kaur** will be taking financial assistance from **IDFC FIRST Bank Limited;** Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

केजरीवाल के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आदमी पार्टी कार्यालय पर किया हंगामा

● उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद मुख्यमंत्री बने रहने का कोई अधिकार नहीं : सचदेवा

आम आदमी पार्टी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान पानी की बौछार से जूझते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और भाजपा कार्यकर्ता। फोटो : रंजन डिमरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने के बाद से दिल्ली की राजनीति में उबाल आ गया है। इस मुद्दे पर भाजपा आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री अरिंवद केजरीवाल पर हमलावर है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा की अगुवाई में बुधवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी कार्यालय के निकट केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया।

पार्टी कार्यकर्ता सुबह आईटीओ के नजदीक आंध्रा स्कूल के निकट एकत्र हुए और वहाँ से पुलिस बैरिकेड्स तोड़ कर आम आदमी पार्टी कार्यालय की ओर बढ़े तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। लेकिन कुछ लोग बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की तो पानी की तेज बौछार फेंककर खदेड़ दिया। इस दौरान वीरेंद्र सचदेव और नवीन शाहदरा जिले के युवा मोर्चा अध्यक्ष राहुल पंडित घायल हुए। उन्हें राम मनोहर लोहिया असपताल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी हालत पहले से बेहतर है। इस बीच प्रदर्शनकारियों ने बाल भवन मोड़ पर केजरीवाल का पुतला फूंका। इससे पहले वीरेन्द्र सचदेवा ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा उच्च न्यायालय के मंगलवार के निर्णय के बाद अरविंद केजरीवाल को मुख्य मंत्री बने रहने का कोई नैतिक ही क्या उन्हें तो लगता है कानूनी अधिकार भी नहीं बचा है और केजरीवाल अविलंब सीएम पद से इस्तीफा दें। सचदेवा ने स्पष्ट किया कि अदालत के फैसले पर सवाल उठाने वाले केजरीवाल कहा करते थे कि अगर पार्टी का कोई भी पदाधिकारी आरोपों में पकड़े जाए तो उसका सबसे पहले इस्तीफा लेना फिर आगे की कार्रवाई होगी।

आज शीशमहल का मोह इतना भारी है कि जब मनीष सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन जेल के अंदर गए तो उनका इस्तीफा ले लिया गया लेकिन केजरीवाल जो पूरे शराब घोटाले के मुख्य आरोपी हैं उनके जेल जाने पर बयान दिया जा रहा है कि वह जेल से सरकार चलाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अंदर किए गए हर घोटालों का हिसाब जनता लेगी चाहे वह शराब घोटाला हो, डीटीसी घोटाला हो, जलबोर्ड घोटाला हो या फिर स्कूलों में कमरा निर्माण घोटाला हो।

दक्षिणी दिल्ली से पार्टी के प्रत्याशी व नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि इस लड़ाई को भाजपा विधायक दल ने विधानसभा के अंदर पूरी ताकत के साथ लड़ा था और विधानसभा के बाहर हजारों कार्यकर्ताओं ने इस शराब घोटाले के विरोध में जो प्रदर्शन किया उसका नतीजा सब के सामने आ गया है। उच्च न्यायालय के फैसले के बाद अब पूरी तरह से साफ हो गया है कि सबसे भ्रष्ट सीएम केजरीवाल हैं।

मध्य दिल्ली में भाजपा के प्रदर्शन के चलते यातायात बाधित

भारतीय जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के कारण मध्य दिल्ली के कई इलाकों में बुधवार को यातायात बाधितहो गया। इसके चलते दीनदयाल उपाध्याय मार्ग की ओर जाने वाली सड़कें अवरुद्ध हो गईं। आईटीओ क्षेत्र में यातायात धीमी गति से चलने के कारण यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यातायात पुलिस ने भाजपा के विरोध प्रदर्शन से पहले यातायात परामर्श जारी किया था। यातायात पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, डीडीयू मार्ग पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर आईपी मार्ग, विकास मार्ग, मिंटो रोड और बहादुर शाह जफर मार्ग पर यातायात जाम रहेगा। डीडीयू मार्ग पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न दो बजे तक यातायात के लिए बंद रह सकता है। यातायात पुलिस ने यात्रियों से किसी भी असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाने का आग्रह किया।

आप नेता नहीं कर रहे कोर्ट का सम्मान : बिधूड़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रेसवार्ता को संबोधित करते भाजपा नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी व अन्य।

नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि आम आदमी पार्टी के नेता अदालतों में अपना पक्ष रखने की बजाय मीडिया के सामने निराधार आरोप लगा रहे हैं। आप नेता अदालतों के आदेशों का सम्मान करने की बजाय भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। बिधूड़ी ने आप नेताओं को कोर्ट के फैसले का सम्मान करने की सलाह दी है।

रामबीर सिंह बिधूड़ी प्रदेश मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर की मौजूदगी में कहा कि आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगाकर अपना मजाक बनवाया है। केजरीवाल तीन बार प्रचंड बहुमत से मुख्यमंत्री बने हैं। पहली बात तो यह कि उन्हें दो बार बहुमत मिला है और 2013 में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। संजय ने आरोप लगाया है कि केजरीवाल को परिवार और वकीलों से नहीं मिलने दिया जा रहा। उन्होंने ने याद दिलाया कि संजय खुद छह महीने जेल रहकर आए हैं। वो क्यों भूल जाते हैं कि जेल में सभी के लिए नियम एक जैसे होते हैं। हाई कोर्ट ने भी मंगलवार को कहा था कि केजरीवाल के लिए नियम अलग नहीं हो सकते। वहां आम जनता और खास सभी बराबर होते हैं और उनके लिए नियम बराबर होते हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक परिवार से मिलने का सवाल है तो केजरीवाल ही नहीं बल्कि कोई भी कैदी हफ्ते में दो बार अपने परिजनों और दूसरे लोगों से मिल सकते हैं। न्यायालय कह रहा है कि उन्हें विशेषाधिकार नहीं मिल सकता लेकिन संजय सिंह यह बात मानने के लिए तैयार नहीं हैं।

राजधानी में लोकसभा चुनाव से पहले चुना जाएगा नया महापौर

● निगम सचिव ने नोटिस जारी कहा 26 अप्रैल को होगा मतदान, 18 अप्रैल से शुरू होंगे नामांकन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय राजधानी में निगम का चुनाव होगा। इस संबंध में निगम सचिव शिव प्रसाद ने बुधवार को नोटिस जारी किया है। 26 अप्रैल को सुबह 11 बजे महापौर और उपमहापौर के लिए मतदान होंगे। 18 अप्रैल तक प्रत्याशी नामांकन कर सकते हैं। इसे लेकर जल्द ही अधिसूचना भी जारी की जाएगी। मेयर के साथ ही उपमहापौर को भी चुना जाएगा।

इस बार महापौर अनुसूचित जाति से चुना जाएगा। यह तीसरी बार होगा जब महापौर की सीट एससी के लिए आरक्षित रखी गई है जबकि उप मेयर पद पर कोई भी पार्षद नामांकन कर सकता है। इस संदर्भ में नामांकन निगम सचिव के कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक दाखिल किए जा सकते हैं। दिल्ली नगर निगम के महापौर का पद तीसरे वर्ष के लिए अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। इससे पहले 2022 की फरवरी में और मार्च में दो बार महिला को महापौर चुना गया था। तब आम आदमी पार्टी की ईस्ट पटेल नगर से पार्षद डॉ शैली ओबरॉय को इस पद की जिम्मेदारी मिली थी।

आयोग-एलजी से लेनी होगी अनुमति

लोकसभा चुनाव के चलते दिल्ली में आदर्श आचार संहिता लागू है। ऐसे में निगम चुनाव को लेकर दिल्ली नगर निगम को चुनाव आयोग से अनुमति लेनी होगी। इसके बाद मेयर चुनाव की अनुमति के लिए फाइल उपराज्यपाल के पास भेजी जाएगी। दोनों से अनुमति लेने के बाद उम्मीवारों के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

आप-कांग्रेस की बड़ी परीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मेयर का चुनाव आम आदमी पार्टी और उसकी सहयोगी कांग्रेस के लिए किसी राजनीतिक परीक्षा से कम नहीं है। लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन है लेकिन दोनों दलों के बीच दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए गठबंधन नहीं है।

सूत्रों ने बताया कि दोनों ही दलों के करीबी नेता ने साफ तौर पर बताया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कके बाद राजनीतिक स्थितियां बदल गई हैं। ऐसे में अब दोनों पार्टिया एक दूसरे से कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगी। महापौर चुनाव को लेकर दोनों पार्टियों के बीच आम राय बन चुकी है। इसके तहत गठबंधन के सहयोगी के साथ मजबूती से खड़ा होना है। महापौर चुनाव में आने वाले समय में गठबंधन की घोषणा हो जाएगी।

एमसीडी में आम आदमी पार्टी का बहुमत है। मेयर के चुनाव में 250 निर्वाचित पार्षद, 7 लोकसभा सांसद, 3 राज्यसभा सदस्य और 14 विधायक मतदान करते हैं। अलग से कांग्रेस के 9 पार्षदों का समर्थन मिलने से आम आदमी पार्टी के पास अच्छा-खासा संख्या बल हो जाएगा। लेकिन आम आदमी पार्टी की नजर मेयर नहीं स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव पर है, जिसमें कांग्रेस के पार्षदों का वोट करना ही तय करेगा कि कमेटी का चेयरमैन आम आदमी पार्टी का होगा या भाजपा का। हालांकि भाजपा ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

केजरीवाल की वकीलों से मिलने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। अदालत ने आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की वकीलों के साथ मिलने की मांग वाली याचिका बुधवार को खारिज कर दी।

अदालत ने कहा कि संबंधित नियम केजरीवाल पर और अन्य कैदियों पर समान रूप से लागू होते हैं और उन्होंने कुछ प्रशासनिक निर्देश जारी करने के लिए अदालत द्वारा अनुमति दी गई कानूनी परामर्श का कथित तौर पर उपयोग किया था। सीबीआई और ईडी के मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी कि इस मामले में उन्हें राहत देने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है।

मंत्री के इस्तीफे से आप का सच खुला : भाजपा

● दिल्ली सरकार में समाज कल्याण समेत कई विभाग संभाल रहे आनंद के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने और आप छोड़ने के बाद भाजपा ने उठाए सवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि दिल्ली के मंत्री राज कुमार आनंद ने मंत्री पद और पार्टी से इस्तीफा देकर आम आदमी पार्टी (आप) की भ्रष्टाचार में संलिप्तता को उजागर कर दिया है।

दिल्ली सरकार में समाज कल्याण समेत कई विभाग संभाल रहे आनंद के मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने और आप छोड़ने के बाद भाजपा की यह प्रतिक्रिया आई। भाजपा ने यह आरोप भी लगाया कि दलितों को दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी में प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। आनंद के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने संवाददाताओं से कहा, आज आम आदमी पार्टी के नेता और मंत्री ने अपने इस्तीफे से भ्रष्टाचार में आप की संलिप्तता का खुलासा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आप माफिया की तरह जबरन वसूली कर रही है और आनंद के इस्तीफे से यह स्पष्ट हो गया है कि इन तरीकों से हासिल धन का गोवा विधानसभा चुनाव में कैसे इस्तेमाल किया गया। चुघ ने आरोप लगाया कि आनंद का इस्तीफा यह भी दिखाता है कि आप के कई नेता घुटन महसूस कर रहे हैं क्योंकि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी में भ्रष्टाचार संस्थागत हो गया है। इससे पहले, आप ने कहा था कि आनंद के इस्तीफे ने उसके रुख की पुष्टि की है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी का उद्देश्य पार्टी को खत्म करना है।

आप नेता संजय सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा, ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल हमारे मंत्रियों और विधायकों को तोड़ने के लिए कर रही है। सिंह ने आरोप लगाया कि पहले भाजपा, ईडी की छापेमारी के बाद आनंद को भ्रष्ट कहती थी लेकिन अब पार्टी उनका स्वागत करेगी।

किशोरी को अगवा करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरपूर्व दिल्ली के करावल नगर इलाके में एक नाबालिग लड़की को कथित तौर पर अगवा करने को लेकर युवक को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पीसीआर को 26 मार्च की रात दो बजे 17 वर्षीय एक लड़की के अगवा होने की सूचना मिली। मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की गई।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस दल को आरोपी के बारे में जानकारी मिली, जो भगत विहार इलाके में अगवा की गई लड़की के साथ एक कमरे में ठहरा हुआ था। चार अप्रैल को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, जिसकी पहचान साहिल कश्यप के रूप में हुई है। वहीं लड़की को उसके परिवार को सौंप दिया गया है।

सीएम पद से हटाने की मांग वाली याचिका से कोर्ट नाराज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग को लेकर बार-बार याचिका दायर करने पर बुधवार को नाराजगी जताई।

अदालत ने कहा कि एक बार जब उसने इस मुद्दे को निस्तारित कर दिया है और यह कार्यपालिका के क्षेत्र में आता है, तो बार-बार वाद दायर नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह जेम्स बॉण्ड की फिल्म नहीं है जिसके सीक्वल होंगे। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने अदालत को राजनीतिक मामले में शामिल करने की कोशिश के लिए, केजरीवाल को पद से हटाने का अनुरोध करने वाले याचिकाकर्ता पूर्व आप विधायक संदीप कुमार की आलोचना की और कहा कि वह उन पर 50,000 रुपए का जुर्माना लगाएंगे। अदालत ने टिप्पणी की, यह जेम्स बॉण्ड फिल्म की तरह नहीं है जहां हम सीक्वल बनाएंगे।

उपराज्यपाल इस पर फैसला लेंगे। आप हमें राजनीतिक जाल में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं, बस इतना ही है।

गरीब परिवार से बच्चों को खरीदने वाले गिरोह का पर्दाफाश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नवजात बच्चों की तस्करी करने वाले आरोपियों के साथ पुलिस टीम।

दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग राज्यों में रहने वाले गरीब परिवारों से बच्चे खरीद फरोख्त करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार मानव तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन लोगों के चंगुल से दो नवजात बच्चियों को मुक्त कराया है। आरोपियों के चंगुल से छुड़ाए नवजात की उम्र दो से तीन सप्ताह के हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि करीब तीन महीने की एक बच्ची को चंडीगढ़ में करीब ढाई लाख रुपये में बेचा था। साथ ही यह भी बताया कि वे मासूम बच्चों को, जिसमें लड़की को कम और लड़के को ज्यादा दामों में बेचते थे। पुलिस ने मानव तस्करों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 370 (मानव तस्करी), 34 (सामान्य इरादा) और किशोर न्याय अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज किया है। पुलिस उपायुक्त जिम्मी चिराम ने बताया, दो अप्रैल को शाम करीब छह बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक बाल तस्कर गिरोह का सदस्य सोनिया अस्पताल के समीप देखा गया है, जिसके बाद नांगलोई थाने से एक टीम को रवाना किया गया। एक बच्चे को लिए एक महिला सहित चार लोगों को पकड़ लिया गया। उनकी बच्चे को एक अज्ञात स्थान पर ले जाने की योजना थी। आरोपियों के चंगुल से छुड़ाए गए नवजात की उम्र 15 से 20 दिन है। आरोपियों की पहचान गुरमीत सिंह उसकी पत्नी हसमीत कौर, मरियम और नैना के रूप में हुई है।

जिम्मी चिराम के मुताबिक, आरोपियों ने पंजाब से बच्ची को उठाया था और उसे यूपी में बेचने की कोशिश कर रहे थे लेकिन उन्हें ग्राहक नहीं मिला। इसलिए वे बच्ची को दिल्ली ले आए और बच्ची को बेचने की कोशिश में पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने करीब तीन महीने की एक बच्ची को चंडीगढ़ में करीब ढाई लाख रुपए में बेचा था।

संक्षिप्त समाचार

लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में दीक्षांत समारोह छात्रा को सम्मानित करते संस्थान के चेयरमैन अनिल शास्त्री।

लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट में दीक्षांत समारोह

नई दिल्ली। द्वारका स्थित लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (एलबीएसआईएम) के 27वें दीक्षांत समारोह में 2022 -2024 के पीजीडीएम पाठ्यक्रम के 227 छात्रों ने डिप्लोमा प्राप्त किया, दीक्षांत समारोह में डिप्लोमा के साथ ही ललिता शास्त्री पुरस्कार और अमित चोपड़ा अवॉर्ड भी चयनित छात्रों को दिए गए। दीक्षांत समारोह में प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। संस्थान के चेयरमैन अनिल शास्त्री ने कहा, यह इंस्टीट्यूट लाल बहादुर शास्त्री के आदर्शो का पालन करते हुए इंस्टिट्यूट ने लम्बी यात्रा तय की है और आगे भी प्रयास करते रहेंगे। लाल बहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. प्रवीण गुप्ता ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

दयानंद सरस्वती ने किया राष्ट्रीयता का उत्थान

नई दिल्ली/हरिद्वार। गोविन्ददेव गिरि महाराज के श्रीमुख से 'छत्रपति शिवाजी महाराज कथा' के दूसरे दिन महर्षि दयानंद सरस्वती ने अंग्रेजी का एक भी अक्षर पढ़े बिना राष्ट्रीयता का उत्थान किया। विशुद्ध वैदिक, विशुद्ध भारतीय प्रेरणा स्वामी दयानंद सरस्वती की ही देन है। इससे पहले स्वामी रामदेव ने व्यासपीठ को प्रणाम करते हुए पूज्य गोविन्ददेव गिरि से कथा प्रारंभ करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी के कारण ही देश-विदेश में इस प्रकार के आख्यान (नैरेटिव) निर्माण करके इस गुलामी को पक्का करने का प्रयास आज भी हो रहा है। आज एक बौद्धिक संघर्ष की आवश्यकता है।

एयरपोर्ट पर 35 करोड़ की हेरोइन बरामद, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे से 35 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन बरामद कर इसकी तस्करी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। सीमा शुल्क विभाग की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक तीन अप्रैल को बैंकाक से आने के बाद आरोपियों को पकड़ लिया गया।

राष्ट्रीय राजधानी में राजस्व बढ़ाने में नई पर पुरानी शराब नीति भारी

संजय राय। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार के दावों से अलग नई आबकारी नीति को लेकर राजस्व संग्रहण के आंकड़े अलग ही कहानी बयां कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2021 से 2022 के दौरान जिन 10 माह के दौरान यह नीति लागू रही थी। उस दौरान सरकार के खजाने को काफी नुकसान हुआ था। जबकि पुरानी आबकारी नीति में पहले भी और बाद में भी इसमें वृद्धि देखने को मिली है। इस संदर्भ में दिल्ली सरकार से भी पक्ष मांगा गया था, लेकिन खबर लिखे तक नहीं मिला।

उपराज्यपाल कार्यालय के सूत्रों से मिली विभागीय जानकारी के मुताबिक वित्त वर्ष 2019-20 से लेकर वर्ष 2023-24 के दौरान पांच वर्षों में 2021-22 और 2022-23 में वैट बहुत ही कम मिला। नई आबकारी नीति लागू होने से पहले जहां वैट का संग्रहण 1800 करोड़ से अधिक था वहीं इसके फिर से लागू होने के बाद भी यह 2200 करोड़ से अधिक पहुंच गया। जबकि अक्टूबर 2021 से अगस्त 2022 के बीच, जब नई आबकारी नीति लागू की गई थी, वैट घटकर 1300 करोड़ से भी कम रह गया था। सूत्र बताते हैं कि नई आबकारी नीति लागू के दौरान सरकार ने वैट 12 प्रतिशत से घटाकर महज एक प्रतिशत कर दिया था। इसके पीछे तर्क यह दिया गया था कि लाइसेंस फीस को बढ़ाया जाएगा। लेकिन बाद में लाइसेंस बढ़ाने के बजाए माफ कर दी गई।

प्रतीकात्मक फोटो

पिछले 5 वर्षों का आबकारी राजस्व संग्रह (करोड़ रुपये में)

वर्ष	आबकारी विभाग	शराब पर वैट	कुल राशि (आबकारी एवं वैट)
2019-2020	5067.9	1830.64	6898.54
2020-2021	4108.43	1702.80	5811.23
2021-2022*	5487.58	1275.03	6762.61
2022-2023*	5547.97	1282.07	6830.04
2023-2024	5217.30	2258.02	7475.32

टिप्पणियाँ संलग्नक : *वित्तीय वर्ष 2021-22 और वित्त वर्ष 2022-23 के प्रत्येक 5 महीने नई उत्पाद शुल्क नीति लाइसेंस शुल्क व्यवस्था में थे (उत्पाद शुल्क और वैट केवल 1 फीसदी था)।

● 2019-20 से 2023-24 के बीच अक्टूबर 2021 से अगस्त 2022 में मिला सबसे कम राजस्व, नई नीति में वैट 12 प्रतिशत से हुआ एक प्रतिशत, लाइसेंस फीस भी हुई माफ

हरियाणा राज्य प्रदूषण बोर्ड के चेयरमैन पी. राघवेंद्र राव ने किया गुरुग्राम का दौरा

बस स्टैंड, लघु सचिवालय व सेक्टर-29 सहित अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण करने के साथ ही अधिकारियों, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों और पर्यावरणविदों के साथ की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन पी. राघवेंद्र राव ने बुधवार को गुरुग्राम में बस स्टैंड, लघु सचिवालय समेत कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों व पर्यावरणविदों के साथ बैठक भी की।

स्थानीय बस स्टैंड का निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने परिवहन निगम के महाप्रबंधक अभिनव गोयल से कहा कि बस स्टैंड परिवहन विभाग की संपत्ति है। इसकी सफाई, रख-रखाव व कचरा निष्पादन की जिम्मेदारी भी परिवहन विभाग की ही है। उन्होंने कहा कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम के तहत बस स्टैंड बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में आता है। नियम के तहत उन्हें स्वयं के स्तर पर अपने ही परिसर कचरे का निष्पादन करना होता है। उन्होंने कहा कि महाप्रबंधक एक सप्ताह में बस स्टैंड परिसर से मलबा व कूड़ा उठवाकर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। मलबे को बसई स्थित सीएंडडी प्लांट में भिजवाएं तथा कूड़े को नगर निगम के सैकेंडरी कलेक्शन प्वाइंटों पर भिजवाया जाए। उन्होंने कहा कि आदेशों की पालना नहीं करने की सूरत में संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लघु सचिवालय के आसपास की सफाई व्यवस्था से उन्होंने संतुष्टि जाहिर की तथा नगर निगम गुरूग्राम द्वारा शहर में पिछले कई दिनों से चलाए जा रहे विशेष सफाई अभियान की सराहना की। उन्होंने निगमायुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ से कहा कि वे आगे भी सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखें। सेक्टर-29 का निरीक्षण करते हुए उन्होंने सीएंडडी वेस्ट डंपिंग पर लगाम लगाने की हिदायत दी।

सेक्टर-29 स्थित जिमखाना क्लब में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, आरडब्ल्यूए तथा पर्यावरणविदों से गुरूग्राम को स्वच्छ, सुंदर, हरा-भरा व एनवायरनमेंट फ्रेंडली शहर बनाने के लिए सुझाव लिए गए तथा एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार करके सभी को साथ लेकर संयुक्त टीम के रूप में काम करने का आह्वान किया गया।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़ ने बैठक में बताया कि पिछले कई दिनों से सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विशेष अभियान निगम द्वारा चलाया जा रहा है। इसके तहत कूड़े, मलबे व हॉर्टिकल्चर वेस्ट का उठान सुनिश्चित करने के साथ ही सफाई व्यवस्था दुरूस्त की जा रही है, जिसमें नागरिकों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि निगम द्वारा बसई में 300 टन प्रतिदिन निष्पादन क्षमता का सीएंडडी प्लांट चल रहा है।

गुरुग्राम में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से रूबरू होते हरियाणा राज्य प्रदूषण बोर्ड के चेयरमैन पी. राघवेंद्र राव।

संक्षिप्त समाचार

यश बैंक कर्मी ने ठगों को उपलब्ध कराया था खाता, गिरफ्तार

गुरुग्राम। साइबर ठगों को बैंक खाता उपलब्ध कराने के मामले में पुलिस ने यस बैंक के एक कर्मचारी को काबू किया है। आरोपी कर्मचारी इससे पहले भी आईसीआईसीआई व अन्य बैंकों में फर्जी खाते खोलकर साइबर ठगों की सहायता करता रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अपराध प्रियांशु दिवान ने बुधवार को जानकारी दी कि अब तक ऐसे 11 बैंक कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिन्होंने फर्जीवाड़ा करके ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराए हैं। पुलिस के अनुसार 18 दिसम्बर 2023 को एक व्यक्ति ने थाना साईबर अपराध पूर्व में शिकायत दर्ज कराई थी कि सोशल मीडिया बेस्ड टास्क पूरा करने के नाम पर उसके साथ 6 लाख रुपयों की ठगी हो गई है। शिकायत पर थाना साइबर पूर्व गुरुग्राम में संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। थाना साइबर के निरीक्षक सवित कुमार ने टीम के साथ इस केस में आरोपी को गुरुग्राम से काबू किया है। आरोपी की पहचान हिमांशु गंगवार के रूप में हुई। वह उत्तर प्रदेश के जिला बरेली के गांव गंगवार का रहने वाला है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह वर्तमान में यस बैंक में नौकरी करता है। इससे पहले वह विभिन्न बैंकों में नौकरी कर चुका है। उसके द्वारा ठगी की राशि में से 3 लाख रुपए जिस बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे, वह बैंक खाता आरोपी ने आईसीआईसीआई बैंक की सुशांत लोक गुरुग्राम की शाखा में रहते हुए खोला था। उसे पैसे के लालच में एक व्यक्ति कुशाल मारमत ने बिना वेरीफाई किए एक कंपनी के नाम पर खोलने को कहा था। इसकी एवज में उसने 10 हजार रुपए लिए थे।

जीरो ग्रेविटी अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते 22 मेडल

गुरुग्राम। जीरो ग्रेविटी जिम्नास्टिक्स अकादमी के खिलाड़ियों ने लेवल-1 की जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 22 मेडल जीते हैं। लेवल-1 के इन खिलाड़ियों में विभूति, अभिनूर, धरित्री, जल पटेल, सिया, शगुन, स्नेहा, वर्षा, अनन्या, कनिष्का, भुविका मंगला, विधि मंगला, नीरा, पीहू, जय वर्धन, पुलकित, आरव, हिमांश, गुरुनिवाज सिंह, मुदित, दैवत, दर्पित, विकी, कैना, रेयांश मंगला ने मेडल जीतकर सम्मान बढ़ाया। लेवल-3 में शिवन्या और दक्ष सैनी ने भी मेडल जीते। खिलाड़ियों की जीत पर कोच विजय, विनीष (चिन्टू) और अंजलि ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि खिलाडियों को आगे बढ़ाने के लिए उनका सदा प्रयास रहता है। खिलाड़ी उम्मीदों पर खरे उतर रहे हैं। बेहतर प्रशिक्षण देकर खिलाड़ियों को मजबूत बनाया जा रहा है।

एसएचओ व सीटीआई कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी अवार्ड से सम्मानित

गुरुग्राम। एंटी करप्शन ब्यूरो ऑफ इंडिया की टीम ने संस्था के नेशनल चेयरमैन मास्टर सुरेन्द्र चौहान के नेतृत्व में गुरुग्राम रेलवे स्टेशन आरपीएफ एसएचओ नवल किशोर व चीफ टिकट इंस्पेक्टर संजय राव को उनके रेलवे में विशिष्ट कार्यों को देखते हुए कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी अवार्ड व सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। सुरेंद्र चौहान ने कहा कि एंटी करप्शन ब्यूरो ऑफ इंडिया संस्था देश व समाज में अच्छे लोगों व कर्मचारी एवं अधिकारियों को समय-समय पर सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाती रहती है। सम्मान प्राप्त करते हुए दोनों अधिकारियों ने बताया कि कोई भी सम्मान छोटा बड़ा नहीं होता है। हर सरकारी विभाग में कार्यरत कर्मचारी को अपने कर्तव्य का पालन करते हुए ईमानदारी से कार्य कर देश व समाज में एक अच्छा उदाहरण पेश करना चाहिए। सम्मान करने वालों में संस्था के पदाधिकारी आर्टिस्ट, सेलिब्रिटी निशा सोनी, प्रधान डीयूआरसीसी योगिन्द्र चौहान, रविंद्र कुमार स्वामी, मनोज मोरवाल, कृष्ण सोनी, राकेश सोनी सहित आदि मौजूद रहे।

सोहना मे कुट्टू का आटा खाने से 9 लोग हुए बीमार

सोहना। नवरात्र के अवसर पर कुट्टू के आटा से बनी रोटियां व पकवान खाने से 9 लोग बीमार हो गए। सभी बीमार लोगों को शहर के ही दो अलग-अलग निजी अस्पतालों में दाखिल कराया गया है। जहां पर उनका उपचार किया जा रहा है। पहले ही नवरात्र के दिन शहर के अलग-अलग वार्डों में रहने वाले तीन परिवार के 9 लोग बीमार हो गए। एक महिला रोगी को उपचार देने के बाद डॉक्टरों ने घर भेज दिया तथा उसके पति समेत पांच लोगों को दाखिल करने के बाद उपचार दिया जा रहा है। कुट्टू का आटा से बनी रोटी व पूरी खाने से वार्ड-5 की शिव कॉलोनी में रहने वाले एक ही परिवार के तीन लोग बीमार हो गए। जिनमें दो महिलाए व एक पुरुष शामिल है। शिव कॉलोनी निवासी प्रीति ने बताया कि मंगलवार को उसकी सास व ससुर ने पहला नवरात्रा का व्रत किया हुआ था। मंगलवार की शाम की रात को ही सभी ने एक साथ खाना खाया। परिवार के सभी सदस्यों के लिए व्रत वाला ही खाना बना था। कुछ देर बाद उन्हे उल्टी आने लगी। उसकी जेठानी सुमन को भी चक्कर आने लगा और उसके दस मिनट बाद उसके जेठ कुशल को जोरदार सिर में दर्द हुआ। शहर के पठानवाड़ा निवासी मुकेश राजपाल ने बताया कि मंगलवार की रात को उसने और उसकी पत्नी ने व्रत खोलने के बाद कुट्टू से बनी रोटियां खाई थी। मध्य रात्रि को उन दोनों को पहले पेट में दर्द हुआ। उसके बाद दस्त लगे और चक्कर आने लगे। वह मध्यरात्रि को ही शहर के बालूदा मार्ग पर बना निजी अस्पताल में दाखिल हुए। वहीं वार्ड-15 निवासी दीपक गेरा ने बताया कि मंगलवार की शाम व्रत खोलने के बाद उसकी पत्नी तान्या, बेटी जीया और बेटा यश ने एक साथ खाना खाया था। तान्या ने बताया कि बुधवार की सुबह सभी बीमार पड़ गए। परिवार के अन्य सदस्यों की मदद लेकर अस्पताल तक पहुंचे।

मंदिर का पुजारी सुसाइड नोट लिख फंदे पर झूला फांसी

गुरुग्राम। पापा मैं जिंदगी हार गया...मुझे माफ कर देना, मैं अपनी जिंदगी खत्म कर रहा हूं...। यह सब लिखकर एक युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। युवक ने सुसाइड नोट में अपनी मौत का कारण एक युवती व एक युवक को बताया है। सुसाइड से पहले युवक ने सुसाइड नोट अपने दोस्त को वाट्सअप पर भेजा। जानकारी के अनुसार जैकबपुरा स्थित कृष्ण मंदिर के पुजारी संजय भटनागर वर्षों से मंदिर में पूजा-पाठ करते हैं। वे मंदिर में ही थे। उनके पास उनके बेटे शिवम भटनागर के दोस्त आकाश का फोन आया। उसने उन्हें शिवम द्वारा वाट्सअप पर भेजे गए सुसाइड नोट के बारे में बताया। जब पिता संजय भटनागर और अन्य लोग पास में ही बने घर की पहली मंजिल पर पहुंचे तो कमरा बंद मिला। लोगों ने दरवाजा तोडक़र अंदर प्रवेश किया तो शिवम चद्दर से फांसी पर लटका हुआ था। शिवम को तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शिवम के भाई गौरव भटनागर ने बताया कि आत्महत्या करने से पहले शिवम ने अपने दोस्त आकाश को भेजे गए सुसाइड नोट में उसके भाई ने एक लडक़ी का जिक्र किया था। शिवम ने सुसाइड नोट में लिखा था कि लडक़ी की वजह से वह आत्महत्या कर रहा है। उसने सुसाइड नोट में एक अन्य युवक का नाम भी लिखा है और शिवम का उस लडक़ी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। मंगलवार को दोपहर 2.30 बजे से शाम 5 बजे तक उसकी किसी लडक़ी से व्हाट्सएप पर बातचीत भी हुई थी। शिवम का उससे ब्रेकअप हो गया था। इसी के चलते शिवम ने आत्महत्या की है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

शीतला माता मंदिर में मुंडन के तय दर से अधिक राशि लेने पर दिया नोटिस

मंदिर श्राईन बोर्ड के सीईओ सोनू भट्ट ने किया मंदिर परिसर में दौरा

बोले -मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को नहीं होने देने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

श्री माता शीतला मंदिर में चल रहे चैत्र मेले में मुंडन के तय दर से अधिक राशि लेने पर एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही कहा गया है कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ इस तरह का व्यवहार सही नहीं है।

मंदिर परिसर में मेले को लेकर श्री माता शीतला देवी श्राईन बोर्ड के सीईओ एवं सोहना के एसडीएम सोनू भट्ट ने श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। स्वयं पूजा अर्चना भी की। श्री शीतला माता मंदिर में मेला 23 अप्रैल तक मंदिर परिसर में जारी रहेगा। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं से उनसे उनकी परेशानियों व असुविधाओं के बारे में भी पूछताछ की। जिस पर श्रद्धालुओं ने सीईओ सोनू भट को मंदिर परिसर में मुंडन संस्कार स्थल पर निर्धारित दर से अधिक राशि लेने की जानकारी दी। सोनू भट्ट ने श्रद्धालुओं से मिले फीडबैक के आधार पर कड़ा रुख अपनाते हुए सम्बंधित एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंदिर में आए श्रद्धालुओं को माता के दर्शन करने में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। एसडीएम ने कहा कि विधि व्यवस्था में चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही मेले में आए श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी सहित संबंधित एजेंसी के खिलाफ अगर कोई भी शिकायत मिली तो निर्धारित नियमों के तहत उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम ने कहा कि श्री शीतला माता देवी मंदिर उत्तर भारत का प्रमुख श्रद्धा स्थल होने के नाते नवरात्रों के दौरान हजारों श्रद्धालु माथा टेकने आते हैं। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा न हो। इसके लिए प्रशासन ने सहायता कक्ष भी मंदिर में स्थापित किया गया है।

सीईओ सोनू भट्ट ने पार्किंग स्थल, श्रद्धालुओं के सुगम आवगमन के लिए ट्रैफिक व्यवस्था, मंदिर परिसर में सफाई व्यवस्था सहित शौचालय व पेयजल सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया।

गुरुग्राम स्थित शीतला माता मंदिर में निरीक्षण करते श्री माता शीतला देवी श्राईन बोर्ड के सीईओ एवं सोहना के एसडीएम सोनू भट्ट।

शीतला माता मंदिर में चैत्र मेले में दी जा रही कानूनी सलाह

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने लगाया है जागरुकता मेला

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

शीतला माता मंदिर में डीएलएसए की ओर से लगाई गई स्टॉल।

शीतला माता मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को कानूनी सलाह देते हुए जागरुक करने के लिए जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम ने जागरुकता मेला लगाया है। द अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन के सहयोग से पूरे नवरात्रों के लिए यह कानूनी जागरुकता मेला लगाया गया है। एक बच्ची के हाथों से इसका शुभारंभ कराया गया।

चैत्र मेले के दौरान यह जागरुकता मेला 17 अप्रैल तक मंदिर में आने वाले भक्तों को कानूनी साक्षर करने के लिए तथा उन्हें तत्काल कानूनी सहायता देने के लिए पैनल अधिवक्ता और पारा लीगल वालंटीयर्स मौजूद रहेंगे। स्टॉल पर मौजूद पैनल अधिवक्ता सुनील शर्मा ने बताया कि आगामी 11 मई 2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत लगने जा रही है। आपसी विवादों को बिना किसी हार या जीत के निपटाने के लिए इस अदालत में केस लगाए जा सकते हैं। जागरूकता स्टॉल में सरकारी विभागों जैसे लेबर विभाग, जिला बाल कल्याण, चाइल्ड लाइन, जिला समाज कल्याण विभाग इत्यादि की भी स्टॉल लगाई है। जितनी भी सरकारी कल्याण योजनाएं हैं, उनके बारे में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इन योजनाओं से जुडऩे के लिए क्या-क्या जरूरी दस्तावेज चाहिए, ये भी समझाया जाएगा। योग्य लोगों को तत्काल ही फार्म भर कर योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

हमारे जीवन में संतों का होना अति आवश्यक: सीकरी

हनुमान चालीसा पाठ मुहिम का आंकड़ा पहुंचा 6 लाख 8 हजार के पार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गीता आश्रम ज्योति पार्क गुरुग्राम के प्रांगण में गजेंद्र गोसाई व ब्राह्मण भीम दत्त द्वारा मंगलाचरण और शंखनाद करवाकर संगीतमय तरीके से 21-21 बार हनुमान चालीसा पाठ लगभग 200 लोगों ने किया। गीता आश्रम के प्रधान राजेश गाबा ने राम लाल आहूजा के साथ मिलकर आयोजन की व्यवस्था की। आयोजन में डॉक्टर अलका शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बोध राज सीकरी ने सर्वप्रथम चैत्र मास की प्रतिपदा सम्वत् 2081 के प्रथम नवरात्रि के उपलक्ष्य में सभी को बधाई दी। स्वामी डॉक्टर दिव्यानन्द भिक्षु का आभार प्रकट किया, जिनके इस सुंदर सेवा धर्म, संस्कृति और भक्ति के प्रेरक संस्थान में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन हुआ। उसके उपरांत बोध राज सीकरी ने बताया कि आज के दिन उगादी पर्व भी दक्षिण भारत में मनाया जाता है। उगादी का अर्थ है युग आदि यानी आज के दिन युग का प्रारंभ हुआ।

स्लोअन वाल्व कंपनी भारत में लॉन्च करेगी अपना पहला एक्सपीरियंस सेंटर, टिकाऊ टॉयलेट समाधानों को मिलेगा बढ़ावा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सन 1906 से प्लंबिंग समाधानों के लिए मशहूर यूएसए की स्लोअन वाल्व कंपनी अपनी 100 प्रतिशत सब्सिडरी स्लोअन इंडिया के द्वारा अब भारत में अपने पहला एक्सपीरियंस सेंटर स्थापित करने जा रही है। स्लोअन जिसका मुख्यालय फ्रैंकलिन पार्क, इलिनोइस, यूएसए में हैं। अब अपना फ्लागशिप फैसिलिटी जल्द ही गुरुग्राम में भी शुरू करेगा।

स्लोअन का भारतीय बाजार में प्रवेश उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, स्लोअन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से संभव हुआ है। करीब 20,000 वर्ग फुट में फैले इस कार्यालय में LEED V4 ID+C: कमर्शियल इंटीरियर्स सिल्वर सर्टिफिकेशन की सुविधा प्रदान करती है। बेहतर इंजीनियरिंग और डिजाइन से लैस यह सेंटर लाइट असेंबली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट और लाइव प्रोडक्ट डिस्प्ले जैसी सुविधाओं से लैस है।

सेंटर के विस्तार पर स्लोअन इंडिया के निदेशक कृष्ण मुक्ति ने कहा कि, भारत में स्लोअन के पहले सेंटर का उद्घाटन हमारी यात्रा में एक रोमांचक अध्याय का प्रतीक है। स्थिरता और नवीनता पर आधारित, हम भारतीय बाजार में अपनी नवीनतम पेशकश लिए उत्सुक हैं। गुरुग्राम सेंटर स्लोअन के बेहतर ग्राहक सेवा का प्रतीक है, जिसमें इसके LEED प्रमाणित परिसर के भीतर प्राकृतिक रूप से रोशनीदार और हराभरा वातावरण शामिल है। इस अनुभव केंद्र को सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया है।

ताकि ग्राहकों को हमारे उत्पादों के बारे में बेहतर ढंग से बताया जा सके। प्लंबिंग समाधानों में विश्व के अग्रणी निर्माता के रूप में, हमने जल-बचत शौचालय समाधानों के लिए एक शताब्दी से अधिक समय समर्पित किया है। यह सुविधा न केवल हमारे नए उत्पादों के शोकेस के रूप में बल्कि सहयोग, रचनात्मकता और उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में भी काम करेगी। भारत में स्लोअन की पहली सुविधा केंद्र का उद्घाटन सकारात्मक और सम्मानजनक वातावरण विकसित करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो कर्मचारी और ग्राहक दोनों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है। ग्रीन बिल्डिंग मूवमेंट में अपने नेतृत्व के लिए प्रसिद्ध, स्लोअन बेहतर, टिकाऊ और स्वच्छ शौचालय समाधान प्रदान करने में दृढ़ है।

कादरपुर में स्कूली बच्चों ने मतदान के प्रति किया जागरूक

गुरुग्राम। मतदान के प्रति जागरुक करने के लिए बुधवार को कादरपुर गांव में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के बच्चों ने स्टाफ के मार्गदर्शन में जागरुकता रैली निकाली। आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित किया।

चुनाव का पर्व-देश का गर्व, छोड़ो अपने सारे काम, पहले चले करें मतदान जैसे नारों के साथ बच्चों ने ग्रामीणों को मतदान के प्रति जागरुक किया। गांव की गलियों से गुजरते हुए रैली के माध्यम से बच्चों ने हर मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल के स्टाफ की ओर से भी ग्रामीणों से यही अपील की गई कि वे अपने मत का शत-प्रतिशत प्रयोग करके एक मजबूत सरकार बनाने, देश के विकास के लिए नई गाथा लिखने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करें। बता दें कि स्वीप के नोडल अधिकारी व एडीसी हितेश कुमार मीणा के नेतृत्व में रैलियां इस तरह की निकाली जा रही हैं।

मंगल पांडे की पुण्यतिथि पर पूर्वांचलियों का नमन

मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला समेत कई लोगों ने की शिरकत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पूर्वांचल के लोगो ने शहीद मंगल पांडे की पुण्यतिथि पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। ये कार्यक्रम सेक्टर 10 के छठ घाट पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में पहुंचे लोगो ने खूब आनंद उठाया। भोजपुरी कलाकारों ने अपना जलवा बिखेर लोगो को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला समेत कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की तो वहीं फरीदाबाद के समाजसेवी डॉक्टर अजय तिवारी समेत कई लोगो ने जजपा का दामन थामा।

दुष्यंत चौटाला ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि बहुत जल्द जजपा पूरे हरियाणा में अपने लोकसभा उम्मीदवारो की घोषणा करेगी तो वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि हरियाणा को गूंगे बहरे सांसदों की जरूरत नही है। आज भाजपा में पार्टी से बड़ा व्यक्ति है और 4 सौ पार महज एक जुमला है क्योंकि इससे पहले दिवंगत इंदिरा गांधी भी इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा का नारा लेकर उतरी थी, जिसमे वह खुद भी चुनाव हार गई थी और कांग्रेस की भी बुरी तरह शिकस्त हुई थी। जाते जाते पूर्व मुख्यमंत्री इशारा कर गए कि जजपा प्रवासी प्रत्याशी पर दांव चल सकती है।

इस मौके पर पहुंचे भारतीय प्रवासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय तिवारी समेत कई लोगो ने जननायक जनता पार्टी का दामन थाम जजपा को मजबूती देने का काम किया। समाजसेवी डॉ. तिवारी ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि मंगल पांडे एक महान क्रांतिकारी थे और उनके बलिदान को नमन करने के लिए उनकी पुण्यतिथि पर ये आयोजन किया गया। डॉ अजय तिवारी की माने तो जजपा आने वाले समय मे हरियाणा की नम्बर वन पार्टी बनने जा रही है। डॉ. तिवारी के मुताबिक आज के समय मे प्रवासियों की कहीं भी सुनवाई नही होती और हरियाणा के विकास में अग्रणी रहने वाला पूर्वांचली या अन्य प्रवासी उस वक्त खुद को ठगा हुआ महसूस करता है जब स्थानीय लोग उसे महज कामगार और शराबी समझते हैं, लेकिन यहां पहुंचे हज़ारों लोगो ने अपनी ताकत दिखा दी है और इसे देखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने भी ये भरोसा दिलाया कि आने वाले दिनों में हरियाणा की राजनीति में पूर्वांचली लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।

सोहना में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मतदाताओं को वोट डालने के लिए कर रहीं जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

महिला एवं बाल विकास परियोजना विभाग आगामी लोक सभा चुनाव को लेकर मतदाताओं को अपने वोट डालने के लिए जागरुक कर रहा है। जिसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मतदाताओं को सामुहिक रुप से बुलाकर उनके साथ बैठक कर रही है। गांवों में रैलियां निकाली जा रही है और मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर वोट डालने के लिए शपथ तक दिलाने का काम किया जा रहा है।

खंड के 9 सर्कल में बने आगनबाड़ी के 222 केन्द्रों पर कार्यरत कार्यकर्ता अब मतदाताओं को उनके वोट का अधिकार के प्रति जागरुक कर रही है। जिसको लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महिला मतदाताओं से लेकर युवा और पुरुष मतदाताओं को 25 मई को अपने वोट डालने के अधिकार को न भूलने की बात कह रही है। मतदाताओं को वोट डालना क्यो जरुरी है। वोट किस उद्देश्य से डाला जाता है। वोट डालने के क्या-क्या लाभ है। लोकतंत्र राज्य में वहा के नागरिकों को वोट डालने के लिए क्यों कहा जाता है। यह सब जानकारियां मतदाताओं को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मतदाताओं को दे रही है।

सोहना के गांव दमदमा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गांव में लोगों को मतदान करने के लिए जागरूकता रैली निकालते हुए।

शपथ दिलाई दिलाने का कार्य

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मतदाताओं को सामूहिक रूप से इक्कठा करके उन्हे अपना वोट डालने के लिए शपथ दिला रही हैं। ताकि मतदान वाले दिन मतदाता अपने सभी कार्यों को छोड़कर वोट डालने जरुर जाना है। अपने साथ अपने परिजनों से लेकर जानकारों को भी वोट डालने के लिए लेकर जाना है। वोट डालने और डलवाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

आगनबाड़ी कार्यकर्ता हर दिन गांवों में रैलियां निकाल रही हैं। ताकि घरों में कामकाज करने वाली महिलाएं भी रैली के दौरान लगाएं जाने वाले नारों की आवाज सुनकर जागरुक हो सके।

“ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता चुनाव आयोग के दिशा निर्देश पर अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरूक करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। महिलाओं को अपने घरों से बाहर निकल वोट का उपयोग करने को कहा जा रहा है। **सर्वेश कुमारी,** सीडीपीओ सोहना)

केडी ट्रैवलर्स ने अवोगेदरो टाइगर्स को छह विकेट से मात दी

अवोगेदरो टाइगर्स ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फर्स्ट स्लेजहैमर कैश प्राइज लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन अवोगेडरो टाइगर्स व केडी ट्रैवलर्स के बीच स्लेजहैमर क्रिकेट अकादमी के मैदान पर आयोजित किया गया। अवोगेदरो टाइगर्स की टीम ने टॉस जीता व पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अवोगेदरो टाइगर्स की तरफ से प्रवीन मोहंती व आशीष राणा ने पारी की शुरूआत की। प्रवीन मोहंती पांच गेंदों में बगैर खाता खोले ही कपिल राजपूत की गेंद पर अपना विकेट खोकर पवेलियन लौट गए। आशीष राणा 11 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट होकर पवेलियन लौट गए। दोनों ओपनर्स के पवेलियन लौट जाने के बाद साहिल दत्ता व आजम खान बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए। साहिल दत्ता भी चार गेंदों में पांच रन बनाकर

पवेलियन लौट गए। आजम खान ने 24 गेंदों में 42 रन की बेहरीन पारी खेली, परंतु वे भी मोहित नागर की एक गेंद पर कपिल राजपूत को कैच थमाकर वापस पवेलियन लौट गए। उनके पवेलियन लौट जाने के बाद दीपक और विपुल कौशिक बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए। दीपन ने 36 गेंदों में 46 रन की अच्छी पारी खेली परंतु वे भी प्रांजलसिंह की गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। विपुल कौशिक ने छह गेंदों में तीन रन बना कर पवेलियन लौट गए। उनके पवेलियन लौट जाने के बाद प्रवीन डागर व आयूष बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए। प्रवीन डागर भी छह रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए। आयूष ने 15 गेंदों में 20 रन बनाकर कुलदीप ठाकुर की गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। उनके पवेलियन लौट जाने के बाद धीरज होलकर व दलीप गौतम बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए। धीरज होल्कर भी केवल छह रन बना सके और पवेलियन लौट गए। दलीप गौतम तीन रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे। अविनाश कुमार भी पांच रन बनाकर नाबाद रहे। अवोगेदरो टाइगर्स की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर174 रन का लक्ष्य केडी ट्रैवलर्स के सामने रखा। केडी ट्रैवलर्स की तरफ से चार ओवर में 30 रन देकर दो विकेट देकर दो विकेट प्राप्त किया।

हत्या कर शव झाड़ियों में फेंका शरीर पर मिले चोट के निशान

पल्ला इलाके के समीप बाइपास रोड पर मिला अज्ञात शव जांच जारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पल्ला इलाके के समीप बाइपास रोड पर झाड़ियों में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के सिर पर चोट के निशान बताए जा रहे हैं। पुलिस और फोरेंसिक की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सराय थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाइपास रोड आज सुबह कुछ लोगों ने झाड़ियों में एक शव पड़ा देखा, जिस पर उन्होंने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मृतक के शरीर पर चोट के निशान है और सिर में भी चोट लगी है। गले में फंदा लगाए जाने के भी निशान प्रतीत हो रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने कहा कि यहां पर आसपास कई गांव है।

जानकारी पाकर मौके पर पहुंची सराय थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में भिजवा दिया है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुला लिया गया है। फोरेंसिक टीम ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक के शरीर और सिर पर चोट के निशान पाए जाने के कारण क्षेत्रवासी हत्या की आशंका जता रहे हैं। मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है।

सराय थाना प्रभारी कुलदीप सिंह का कहना है कि उन्हें सुबह लगभग 9:00 बजे सूचना मिली कि बाइपास रोड पर जंगल में डेडबॉडी पड़ी है। जिसके बाद उनकी टीम और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। उनका कहना है कि शव को देखकर लग रहा है कि किसी ने उसकी हत्या की है, हालांकि शव की पहचान नहीं हो पाई है।

जीवा स्कूल में आयुर्वेद और जीवन शैली पर सेमिनार का आयोजन हुआ

कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्रों को पित्त और कफ से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

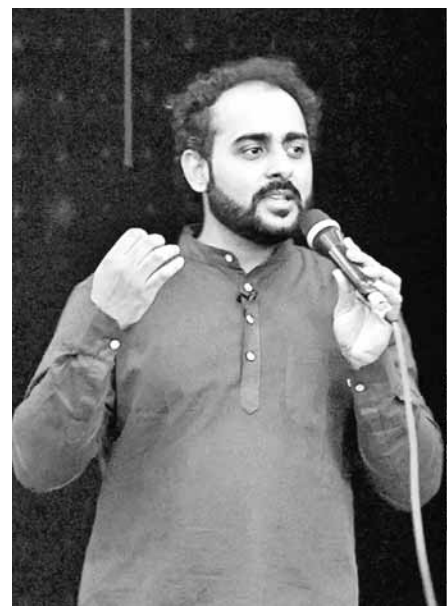

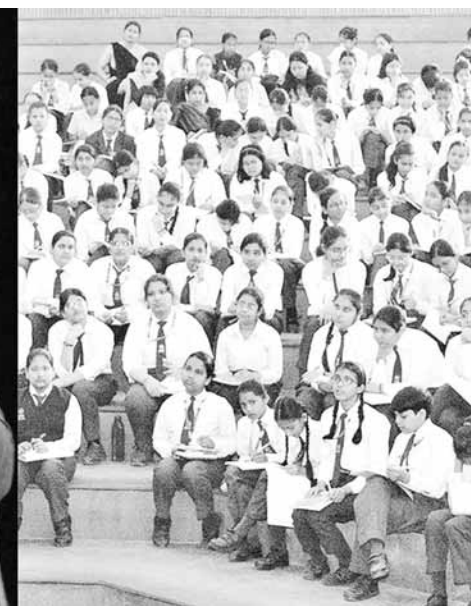

सेक्टर21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में आयुर्वेद और जीवन शैली पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें आयुर्वेद से जुड़ी आवश्यक जानकारियां दी गईं। जीवा आयुर्वेद संस्थान के अनुभवी चिकित्सक डॉ. केशव चौहान ने छात्रों और अध्यापिकाओं को आयुर्वेद की जानकारी दी। जिसमें उनको स्वस्थ रहने और सात्विक, राजसिक एवं तामसिक आहार के विषय में जानकारी दी गई।

उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों पर आहार और जीवन शैली का अत्यंत प्रभाव पड़ता है। इसलिए हमें आहार एवं जीवन शैली पर विशेष ध्यान देना चाहिए। हम ग़लत आहार के कारण ही बीमार होते हैं। अक्सर हमें यह नहीं पता होता है कि हमें भोजन में क्या खाना चाहिए। आयुर्वेद के नियमानुसार हमारी शारीरिक संरचना तीन तत्वों पर आधारित है। वे तत्व हैं वात, पित्त और कफ। वास्तव में हम अपने वातए पित्त और कफ की प्रकृति को अच्छी तरह से नहीं जानते हैं और नियम के विरूद्ध भोजन ग्रहण करते हैं और बीमार पड़ जाते हैं। सर्वप्रथम हमें अपनी शारीरिक संरचना के विषय में जानकारी होनी चाहिए कि हमारी शरीर की संरचना किस प्रकार की है और हमें उसी के आधार पर बचपन से ही जीवन शैली बनानी चाहिए और भोजन भी करना चाहिए।

इसी विषय को देखते हुए विद्यालय के सभी छात्रों को वात, पित्त और कफ से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। जिससे वे अपनी शारीरिक संरचना को जानें। आयुर्वेद के अनुसार तीनों तत्वों को समझें और अपनी प्रकृति को जानें।

उन्होंने कहा कि हमें तीनों तत्वों को ध्यान में रख कर ही भोजन करना चाहिए। इससे हम अपनी रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। मनुष्य जीवन में आयुर्वेद का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके लिए आवश्यक है कि हम सभी को आयुर्वेद के नियमों एवं सिद्धांतों के विषय में भी जानकारी हो। इसके अलावा उन्होंने सत्वगुण, रजोगुण और तमोगुण की भी जानकारी दी। उन्होंने इन तीनों गुणों की जानकारी देते हुए कहा कि ये तत्व भी हमारे जीवन शैली को प्रभावित करते हैं। जीवा स्कूल में सभी बच्चों एवं अध्यापकों का वात, पित्त और कफ का परीक्षण किया जाता है और उसी अनुसार भोजन एवं जीवन शैली को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

हाइटेंशन तार की चपेट में आने से ट्रक में लगी भीषण आग

शॉट सर्किट से हुआ हादसा, लाखों का नुकसान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मंगलवार रात गद्दों से भरे एक ट्रक में भयंकर आग लग गई। बता दें कि घटना बीती उस समय की है, जब ट्रक फोम के गद्दे लेकर फरीदाबाद में कंपनी में जा रहा था। हाईटेंशन लाइन के टच होने से शॉर्ट सर्किट हो गया और ट्रक में आग लग गई।

सीकरी एएसआई मोहम्मद का कहना है कि उनको सूचना मिली थी कि, सीकरी गांव के पास हरफला रोड पर सीएनजी पंप के सामने एक ट्रक टाटा 407 में भयंकर आग लग गई। जिसके बाद वह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे, साथ ही उन्होंने फायर ब्रिगेड की गाड़ी को भी मौके पर बुलाया।

उन्होंने बताया कि ट्रक में ऊपर तक गद्दे भरे हुए थे जो की हाईटेंशन तार से टकरा गए।

जिसके कारण शॉट सर्किट हो गया और ट्रक में रखे गद्दों ने आग पकड़ ली। धीरे-धीरे आग बढ़ती गई और पूरे ट्रक में भयंकर आग लग गई।

उन्होंने बताया कि ड्राइवर समय रहते ट्रक से कूद गया तो जान को हानि नहीं पहुंची है, लेकिन ट्रक जलकर खाक हो गया है। समय रहते फायर ब्रिगेड के माध्यम से आग पर काबू पाया गया है। ट्रक ड्राइवर फरार है। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जाएगी व जांच की जाएगी।

सरस्वती महिला कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल में बुधवार को राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा भारत में पंचायती राज व्यवस्था विषय पर डी जीएचई द्वारा अनुमोदित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी पंचायती राज व्यवस्था के उपविषयों पर केंद्रित व आधारित रही। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो0 डॉ. राजकुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान, दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय रहे। संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि, बीज भाषण वक्ता प्रोफेसर राजेन्द्र शर्मा (राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष, एम डी विश्वविद्यालय, रोहतक, प्राचार्या डॉ. वंदना त्यागी, संगोष्ठी संयोजक व राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. रानी सांगवान, सह संयोजक डॉ. रीना सिंह, मैडम नीलम व डॉ0 वर्षा द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया गया। प्राचार्या व डॉ. रानी सांगवान द्वारा अतिथियों का स्वागत प्लांटर देकर किया गया। उद्घाटन सत्र का आरंभ प्राचार्या महोदया के स्वागत भाषण से हुआ। इसके बाद डॉ. रानी सांगवान द्वारा संगोष्ठी के सभी बिन्दुओं को प्रकट किया गया। उद्घाटन सत्र में बीज भाषण वक्ता प्रोफसर राजेन्द्र शर्मा ने अपने वक्तव्य में भारत में पंचायती राज व्यवस्था के द्वारा प्रजातांत्रिक विकेंद्रीकरण को उजागर किया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने का संदेश दिया। उद्घाटन सत्र का समापन डॉ. रीना सिंह के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

तकनीकी सत्रों में डॉ. उपासना (एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, पं. जेएलएन राजकीय महाविद्यालय, फरीदाबाद) ने अपने वक्तव्य में पंचायती राज व्यवस्था व विकास के बारे में बताया। संगोष्ठी में डॉ. राजबीर सिंह, (राजनीति विभाग, जेएमआई, नई दिल्ली व डॉ. रामपाल (एसोसिएट प्रो. राजनीति विज्ञान विभाग, बी पर एस महिला महाविद्यालय, सोनीपत चेयरपर्सन रहे।

इनके अतिरिक्त डॉ. रितु (एसोसिएट प्रोफेसर राजनीति विभागाध्यक्ष, अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ व डॉ. ज्योत्सना सिंह (एसोसिएट प्रो. राजनीति विज्ञान, पं. जेएलएन राजकीय महाविद्यालय, फरीदाबाद रिसोर्सपर्सन रहे। तकनीकी सत्रों का समापन डॉ. वर्षा कौशिक के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। विदाई सत्र में मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्रधान अतुल मंगला, अतिरिक्त महाधिवक्ता हरियाणा व भाषण वक्ता डॉ. कुशाल पाल, प्रिंसिपल, इंदिरा गांधी नेशनल, धनोरा, कुरूक्षेत्र रहे। मुख्य अतिथि व वक्ता ने समापन संबोधन पूर्ण किया।

अवैध शराब की तस्करी रोकने को वर्चुअल बैठक की

पलवल। लोकसभा चुनाव-2024 स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से कराने और आदर्श आचार संहिता का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त नेहा सिंह ने अधिकारियों से साथ अंतरराज्यीय समवन्य को लेकर जिला अलीगढ़, उत्तर प्रदेश के जिला निर्वाचन अधिकारी एंव जिलाधीश विशाख जी. के साथ वीडियो कांफ्रेंस की।

वीसी में दोनों जिलों के अधिकारियों ने स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए एक-दूसरे का सहयोग करने तथा निरंतर समवन्वय स्थापित करने, किसी भी गैर कानूनी गतिविधि की सूचना सांझा करने सहित संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा सिंह ने कहा कि दोनों प्रदेशों में लोगों का बड़ी संख्या में आवागमन रहता है, इसलिए सीमा के साथ लगते क्षेत्रों में पुलिस पैट्रोलिंग व नाका चेकिंग निरंतर की जाए। चुनाव के दौरान अवैध शराब व नकदी जैसी गतिविधियों की संभावना रहती है। इन गतिविधियों पर निरंतर नजर रखकर उन्हें रोका जाए।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. अजय तिवारी ने नवरात्र व ईद की शुभकामना दी

फरीदाबाद। भारतीय प्रवासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय तिवारी ने सभी देश वासियों व प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्रि एवं ईद की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतवर्ष के सभी रीति रिवाज, त्योहार, सभी धर्म के लोगों को मिलजुल कर मनाने चाहिएं, क्योंकि यह सभी त्योहार सभी धर्म व मजहब वालों के लिए ही बने हैं। हमारे त्योहारों से आपस में भाईचारा, प्रेम, सद्भावना, सौहार्द तो बढ़ता ही है, साथ ही भारतवर्ष की एकता अखंडता को भी दर्शाते हैं।

अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ में रोजगार मेले का आयोजन हुआ

फरीदाबाद। अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ के रसायन विज्ञान विभाग ने माननीय अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार गुप्ता एवं कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में एक नौकरी मेले का आयोजन किया। फरीदाबाद स्थित एक प्रतिष्ठित कंपनी यूनिक ऑटो रबर उद्योग प्रा. लि. को मेले में आमंत्रित किया गया था। ये कंपनी मोल्डिंग रबर घटकों जैसे रबर गास्केट, रबर ग्रोमेट्स, रबररिंग्स, रबरवाल्व, सिलिकॉन रबर उत्पाद और कई अन्य का कारोबार करती है। यह जॉब फेयर महिला पोस्ट ग्रेजुएट केमिस्ट्री (एम.एससी. केमिस्ट्री) की छात्राओं के लिए था। इस मेले में लगभग 20 महिला अभ्यर्थी आईं, जिनमें से चार का चयन किया गया। अध्यक्ष देवेन्द्र कुमार गुप्ता छात्राओं की सक्रिय भागीदारी देखकर बहुत खुश हुए और कहा कि इस तरह के रोजगार मेले से महिला उम्मीदवारों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी जो देश की प्रगति के लिए आवश्यक है। रसायन विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. प्रियंका सहरावत की देख रेख में यह आयोजन रसायन विज्ञान विभाग के लिए बड़ी सफलता रही। डॉ. प्रियंका सहरावत ने छात्राओं और नियोक्ताओं के बीच की दूरी को कम करने की दिशा में एक बड़ी पहल की। रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. ज्योति यादव, डॉ. प्रियंका कुंडू, डॉ. सपना त्यागी, चंदर अत्री, गीता राठी और मंशी त्यागी के साथ-साथ लैब अटेंडेंट प्रमोद कुमार और सुशील कुमार ने इस आयोजन की सफलता के लिए कुशलतापूर्वक काम किया। डॉ. प्रियंका सहरावत ने वादा किया कि अब इस प्रकार का रोजगार मेला आने वाले वर्षों में भी जारी रखा जाएगा।

310 ग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-56 प्रभारी पीएसआई शीशपाल की टीम ने नशा तस्करी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी धर्मेन्द्र उर्फ धल्लू संजय कॉलोनी मुजेसर का रहने वाला है। आरोपी को क्राइम ब्रांच टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से संजय कॉलोनी एरिया से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से 310 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ थाना मुजेसर में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया की आरोपी दिल्ली सदर बजार किसी अनजान व्यक्ति से करीब 500 ग्राम गांजा 4000 रूपए में खरीद कर लाया था, जिसमें से कुछ प्रयोग कर लिया और कुछ बेच दिया है। आरोपी दूध बेचने का काम करता है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदलात में पेश कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

सेक्टर-17 मार्केट से अवैध हथियार सहित गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर प्रभारी जितेन्द्र की टीम ने आरोपी को देशी कट्टे व जिंदा रोंद सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी सचिन उर्फ लक्षित बसेलवा कॉलोनी ओल्ड फरीदाबाद का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के सेक्टर-17 मार्केट से गश्त के दौरान काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से देशी कट्टा व जिंदा रोंद बरामद किया गया। आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर-17 में अवैध हथियार रखने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ में समाने आया कि आरोपी देशी कट्टा व जिंदा रोंद को पलवल में किसी अनजान व्यक्ति से शौक के लिए 4000 रुपय में खरीद कर लाया था। आरोपी पर पूर्व में थाना पल्ला में चोरी का मुकदमा दर्ज है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

720 ग्राम गांजा सहित गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा एनआईटी प्रभारी संदीप कुमार की टीम ने नशा तस्करी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।
गिरफ्तार आरोपी यशपाल राजीव कॉलोनी का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम एएसआई सन्नी, महेश व सिपाही संदीप व विकास ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से समय पुर चुंगी से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से 720 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर-58 में अवैध नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ में समने आया की आरोपी गांजा को सोहना में किसी अनजान व्यक्ति से बेचने के लिए 4000 रूपए में खरीद कर लाया था। आरोपी पर पूर्व में भी शराब तस्करी का मुकदमा थाना सेक्टर-58 में दर्ज है। आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

शांतिपूर्ण मतदान के लिए निकाला फ्लैगमार्च

फरीदाबाद। चुनावी सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर एसीपी तिगांव राजेश लोहान ने अपनी पुलिस टीम व आईपीबीटी की तरफ से इंचार्ज इंस्पेक्टर जगन्नाथ सिंह अपनी कंपनी के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण करने के लिए थाना प्रबंधक सदर बल्लभगढ, तिगांव, छायंसा और आईएमटी, चांदपुर चौकी इंचार्ज के साथ ने पुलिस फ्लैग मार्च निकालकर आमजन को चुनाव को शांचिपूर्ण करने के लिए जागरूक किया। फरीदाबाद पुलिस लगातार फ्लैग मार्च निकालकर पुलिस बल की मुस्तैदी व शांतिपूर्वक मतदान के लिए संदेश दिया जा रहा है है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि एसीपी तिगांव के नेतृत्व में निकाले गए फ्लैग मार्च में भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। फ्लैग मार्च बल्लभगढ़ जोन के अंदर आने वाले गांव चंदावली, मच्छगर, बुखारपुर, नवादा, तिगांव, अरुआ, चांदपुर, छायंसा, मोहना, हीरापुर से होते हुए सेक्टर-7 व सेक्टर-8 तक पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों को जागरूक करते हुए कहा कि इस चुनाव में आप अपने मतअधिकार को स्वतंत्रए निष्पक्ष एव शांतिपूर्ण तरिके से प्रयोग करे। जो आपके गांव और समाज के लिए काम करके उसे आगे लेकर जाता है। यह चुनाव पूरे गांव की समृद्धि के लिए आयोजित किए जाते हैं। चुनाव में भाईचारे को बनाकर रखे लेकिन कुछ असामाजिक तत्व इस दौरान अशांति फैलाने की कोशिश करते हैं। इस प्रकार बल्लभगढ़ जोन के गांव में यह फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान आमजन को जागरूक किया गया। चुनाव में शांति व्यवस्था कायम रखने में पुलिस का सहयोग करें। चुनाव के दौरान नशा तस्करों पर विशेष ध्यान रखें और किसी भी प्रकार के अपराध की जानकारी होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को देकर पुलिस प्रशासन के कार्यों में मदद करने के लिए प्रेरित किया गया।

ज्वैलरों का सोना व नकदी लेकर हुआ फरार कारीगर

फरीदाबाद। सोने से आभूषण तैयार करने वाला एक कारीगर अग्रसेन चौक के मुख्य बाजार स्थित कई ज्वेलरों से 350 ग्राम से ज्यादा वजन का सोना और दस हजार रुपये लेकर फरार हो गया।

देशी कट्टे सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-48 प्रभारी पीएसआई हिमांशु की टीम ने देशी कट्टा सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी अर्शद उर्फ आर्शिद गांव बड़खल का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर सेक्टर-48 शराब के ठेके के पास से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से देशी कट्टा बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार रखने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी देशी कट्टे को बाटा रेलवे स्टेशन के पास से बॉबी नाम के लडके से हवाबाजी के लिए 5000 रुपये में खरीद कर लाया था आरोपी को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर नियमानुसार कार्रवाई की गई है।

लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों की सुविधा के लिए बनाया सुविधा पोर्टल

हाईटेक तरीके से 18वां लोकसभा चुनाव कराने की तैयारियों में जुटा निर्वाचन आयोग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग/इआईसी सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हाईटेक तरीके से 18वीं लोकसभा आम चुनाव कराने की तैयारियों में जुटा हुआ है। इस बार के लोकसभा आम चुनावों-2024 के लिए इआईसी ने कई मोबाइल ऐप व पोर्टल लॉन्च किए हैं, जिनके जरिये चुनाव प्रक्रिया से संबंधित गतिविधियों के क्रियान्वयन में इआईसी के साथ-साथ राजनीतिक पार्टियों के उम्मीदवारों को ऑनलाइन प्लेटफार्म प्रणाली पर सुविधा उपलब्ध होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लॉन्च किए गए सुविधा पोर्टल के माध्यम से चुनाव प्रचार गतिविधियों के लिए ऑनलाइन प्लेट फार्म प्रणाली पर ही अनुमति मिलेगी। वहीं सुविधा पोर्टल एक तकनीकी समाधान है, जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कायम रखते हुए सभी को समान अवसर सुनिश्चित किया जा रहा है। इस सुविधा पोर्टल के माध्यम से चुनाव अवधि के दौरान राजनीतिक दलों और अन्य उम्मीदवारों से अनुमति और सुविधाओं के अनुरोध प्राप्त करने तथा उन पर कार्रवाई करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया है। चुनाव अभियान अवधि के दौरान जब पार्टियां और

अन्य उम्मीदवार मतदाताओं तक पहुंचने के लिए गतिविधियों में व्यस्त होते हैं, तो उस दौरान यह सुविधा पोर्टल पहले आओ-पहले पाओ के सिद्धांत पर पारदर्शी रूप से विविध श्रेणी के तहत अनुमति अनुरोधों पर कार्रवाई कर रहा है।

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने आगे बताया कि सुविधा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्लेटफार्म प्रणाली पर राजनीतिक दलों और अन्य उम्मीदवार कहीं से भी, किसी भी समय ऑनलाइन अनुमति अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके अलावा सभी उम्मीदवारों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए ऑफ़लाइन सबमिशन विकल्प भी उपलब्ध है।

बता दें कि इआईसी की पोर्टल में एक ऐप भी है, जो उम्मीदवारों को वास्तविक समय में अपने अनुरोधों की स्थिति को ट्रैक करने में सक्षम बनाता है, जिससे प्रक्रिया में और अधिक सुविधा और पारदर्शिता आन लाइन प्लेटफार्म प्रणाली पर आती है। इसके अलावा, पोर्टल पर उपलब्ध अनुमति डेटा चुनाव व्यय की जांच करने के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य कर रहा है, जो चुनावी प्रक्रिया में अधिक जवाबदेही और अखंडता में योगदान आन लाइन प्लेटफार्म प्रणाली पर देता है। इस पोर्टल पर रैलियों के आयोजन, अस्थायी पार्टी कार्यालय खोलने, घर-घर जाकर प्रचार करने, वीडियो वैन, हेलीकॉप्टर, वाहन परमिट प्राप्त करने व पर्चे बांटने सहित विभिन्न गतिविधियों की अनुमति आन लाइन प्लेट फार्म प्रणाली पर ही प्राप्त की जा सकती है। वहीं सुविधा पोर्टल एक तकनीकी समाधान है, जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावों के लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कायम रखते हुए सभी को समान अवसर सुनिश्चित किया जा रहा है। इस सुविधा पोर्टल के माध्यम से चुनाव अवधि के दौरान राजनीतिक दलों और अन्य उम्मीदवारों से अनुमति और सुविधाओं के अनुरोध प्राप्त करने तथा उन पर कार्रवाई करने की जाएगी। प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया गया है।

मणिपुर संकट
समाधान पर बहस

मणिपुर संकट के समाधान के उपयुक्त उपायों पर बहस चल रही है। अपनी एक चुनाव रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर मुद्दे पर जोर देते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार, दोनों के 'समय पर हस्तक्षेप' ने स्थिति सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। लेकिन संकट के कारण अनेक लोगों की जानें गईं तथा संपत्ति का नुकसान हुआ। इसके कारण विपक्ष ने दोनों सरकारों की आलोचना की थी कि उन्होंने समुचित संवेदनशीलता नहीं दिखाई। मणिपुर में लंबे समय से अनेक सामाजिक-राजनीतिक मुद्दे बने हुए थे जिनमें नस्ली तनाव, विद्रोह तथा ज्यादा स्वायत्ता की मांगें शामिल हैं। इसके कारण राज्य में लंबे समय से सेना उपस्थित रही है जिसे अनेक स्थानीय लोग पसंद नहीं करते थे। मणिपुर का हालिया संकट सांप्रदायिक झड़पों से पैदा हुआ था जिसके कारण बाद में हुई हिंसा ने पहले से मौजूद चुनौतियों को और गहरा किया था। प्रधानमंत्री मोदी के कथन का अर्थ है कि सरकार ने तत्काल हस्तक्षेप किया तथा वह प्रभावी रहा। वास्तव में, सुरक्षा बलों के हस्तक्षेप तथा अतिरिक्त बलों की तैनाती से कानून-व्यवस्था को बड़ी सीमा तक सुधारने में मदद मिली। केन्द्र और राज्य में दोनों जगह भाजपा सरकारें होने के कारण समन्वय तेजी से हुआ, सरकारों ने अपने सारे संसाधन लगाए तथा तनाव घटाने के लिए विभिन्न पक्षों के बीच संवाद विकसित किया गया। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि मणिपुर की समस्या बहुत जटिल तथा लंबे समय से व्याप्त थी और यह राज्य व केन्द्र सरकार को अतीत से विरासत में मिली थी। लेकिन इसके समाधान के गंभीर प्रयास किए गए।

प्रधानमंत्री का यह कथन सही है कि केन्द्र व राज्य सरकारों ने संकट समाधान के कदम तेजी से उठाए। हिंसा व अराजकता से निपटने के लिए फौरन सेना बुलाई गई। इसके साथ ही राजनेताओं ने फौरन सभी पक्षों से समावेशी संवाद विकसित करने के यथासंभव प्रयास किए। स्थिति का आंकलन करने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य का दौरा किया और वहां कई दिन रह कर व्यवस्थायें सुधारने में सहायता की। गृह मंत्री ने खासकर विभिन्न समुदायों के साथ संवाद विकसित करने के प्रयास किए और इनको काफी सफलता भी मिली। इसके बाद केन्द्र के कई कैबिनेट मंत्रियों ने भी राज्य का दौरा कर उपयुक्त कदम उठाने में राज्य सरकार की सहायता की। राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा कर एक फैसले से पैदा गलतफहमियां दूर करने में भी सफलता पाई जो मणिपुर में हिंसा का प्रमुख कारण थी। विडंबना है कि विपक्षी पार्टियां मोटेतौर से मणिपुर हिंसा का चुनावी लाभ उठाने के उद्देश्य से राज्य के दो प्रमुख समुदायों के बीच मतभेद बढ़ाने में लिप्त रहीं। कुछ विपक्षी दलों की 'वोटबैंक' नीति के कारण जहां विदेशी घुसपैठियों तथा उनमें शामिल हथियारों व नशीले पदार्थों के तस्करों को बढ़ावा दिया गया, वहीं एक समुदाय को प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से सरकारी व वन विभाग की जमीनों पर अवैध कब्जे के लिए प्रोत्साहित किया गया। राज्य में भाजपा सरकार ने शुरू से ही अवैध कब्जे, अवैध घुसपैठियों और तस्करों के खिलाफ कठोर कदम उठाए हैं। राज्य और केन्द्र सरकारों के प्रयास से मणिपुर में विभिन्न समुदायों के बीच सार्थक संवाद विकसित करने के साथ ही समस्याओं के स्थाई समाधान तथा राज्य की दूरगामी प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्य की जनता अब धीरे-धीरे जमीनी यथार्थ समझ रही है।

भारत के विकास में शिक्षा की भूमिका

माफिया डॉन की मौत पर दु:ख प्रकट करने वालों की तुलना में इससे राहत अनुभव करने वालों का मौन ज्यादा मुखर व महत्वपूर्ण है। इससे उत्तर प्रदेश में भाजपा लाभान्वित हो सकती है।

सुधीर हिंदवान
(लेखक, प्रोफेसर हैं)

अक्सर कहा जाता है कि कभी-कभी शोर की तुलना में मौन ज्यादा मुखर होता है। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी की जेल में हार्ट फेल होने के कारण हुई मौत पर दु:ख प्रकट करने वालों की तुलना में इससे राहत अनुभव करने वालों का मौन ज्यादा मुखर व महत्वपूर्ण है। उसने पूरे क्षेत्र में आतंक का साम्राज्य कायम किया था और अदालतों ने उसे कई मामलों में लंबी सजा दी थी। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्तार अंसारी की मौत से उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी-भाजपा को चुनावों में लाभ होगा। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता में आने के बाद से माफिया तत्वों और अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है और मुख्तार अंसारी को मिली सजा इसका एक प्रमाण है। माफिया डॉन से राजनेता बने मुख्तार अंसारी के पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर स्थित मुहम्मदाबाद में अंतिम संस्कार में शोक जताने वालों की संख्या 30,000 या संभवत: इससे भी अधिक थी।

इन लोगों ने दिवंगत मुख्तार अंसारी के लिए 'माफिया नहीं, मसीहा हैं' के नारे लगाए। ऐसी ही भावनायें माफिया से राजनेता बने उत्तर प्रदेश के एक और व्यक्ति अतीक अहमद की हत्या पर भी व्यक्त की गई थीं। इस बीच उत्तर प्रदेश के विपक्षी नेताओं ने जेल में बंद गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्तार अंसारी की मौत पर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। समाजवादी पार्टी-सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक कदम आगे बढ़ कर सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की निगरानी में जांच कराने की मांग की है। इसी प्रकार अल्पसंख्यक वोटों पर नजर रखने वाली उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रह चुकी बहुजन समाज पार्टी-बसपा अध्यक्ष मायावती ने भी इस दृष्टिकोण से अंसारी की मौत की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है कि मृतक के परिवारीजनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि उसे जहर दिया गया था।

विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाए हैं कि उत्तर प्रदेश 'सरकारी अराजकता' के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। लेकिन राज्य में रहने वाले बहुत से लोगों की इससे सहमति जरूरी नहीं है। मुख्तार अंसारी दशकों से पूर्वी उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक कुख्यात गैंगस्टर माना जाता था। इस क्षेत्र में अतीत में अन्य गैंगस्टर से राजनेता बने लोग सक्रिय हुए थे। इनमें से कई के साथ उसके संबंध थे, जबकि उस पर कई की हत्या कराने के आरोप भी लगे थे। मुख्तार अंसारी को वर्ष 2005 में हिंसा भड़काने के लिए पहली बार गिरफ्तार किया गया था और इसके बाद से उसे पंजाब और उत्तर प्रदेश की अनेक जेलों में रखा गया था। अपने राजनीतिक कॅरियर में मुख्तार अंसारी मऊ विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रहा था। पहली बार उसने बहुजन समाज पार्टी-बसपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीता था। इसके बाद उसे बसपा से निकाल दिया गया, लेकिन इसके बावजूद वह चुनाव जीतता रहा।

2002 और 2007 में उसे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में विजय मिली। उसने 2012 में अपनी पार्टी 'कौमी एकता दल' का गठन किया और उससे विधायक बना। इसके बाद उसने अपनी पार्टी का बसपा में विलय कर दिया और पुन: बसपा में शामिल हो गया। 2022 में मुख्तार अंसारी के बेटे ने पिता के स्थान पर चुनाव लड़ा और वह मऊ विधानसभा सीट से विधायक बनने में सफल रहा। मुख्तार अंसारी की मौत पर राहत महसूस करने वाले लोगों का मौन उसे मसीहा मानने और मौत पर शोक मनाने वालों के शोर-शराबे की तुलना में ज्यादा मुखर और महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस बात के कोई संकेत नहीं है कि जेल में बंद माफिया से राजनेता बने मुख्तार अंसारी की मौत में राज्य की कोई संलिप्तता है, पर उसकी मौत से राहत महसूस करने वाले लोग इसका श्रेय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कठोर प्रशासन को देते हैं। योगी आदित्यनाथ के प्रशासन ने माफियाओं और अपराधियों को सजा दिलाने का अभियान चलाया है और इसी के चलते मुख्तार समेत अनेक अपराधियों व गैंगस्टरों को लंबी सजा मिली। लोकसभा चुनाव के पहले माफिया मुख्तार अंसारी की मौत ने राजनीतिक परिदृश्य काफी बदल दिया है।

अंसारी को 63 आपराधिक मामलों में आरोपी बनाया गया था जिनमें से 14 हत्या के मामले थे। 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता में आने से पहले ये मुकदमे अदालतों में लंबित थे। इसके बाद मुकदमों की सुनवाई में तेजी आई और सितंबर, 2022 के बाद से इन आठ मामलों में मुख्तार अंसारी को सजा मिली। उसके खिलाफ लंबित गंभीर मामलों में भारतीय जनता पार्टी-भाजपा के तत्कालीन विधायक कृष्णानंद राय की 2005 में हत्या का मुकदमा था।

उस पर 1991 में उत्तर प्रदेश के वर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के भाई अवधेश राय की हत्या का आरोप भी था। कृष्णानंद राय और अंसारी के बीच क्षेत्र में सरकारी ठेकों पर वर्चस्व कायम करने के लिए टकराव होता रहता था क्योंकि इनसे भारी मुनाफा प्राप्त होता था। सरकारी ठेके प्राप्त करने के लिए आतंक का सहारा लिया जाता था और अपहरण कर फिरौती की धमकियां दी जाती थीं। अपराधी और माफिया गिरोहों के बीच 'गैंग वार' केवल गाजीपुर जिले तक सीमित नहीं थीं, बल्कि इसके तार उत्तर प्रदेश में पूरब के लगभग सभी जिलों तक फैले थे। इसके साथ ही राय और अंसारी गिरोहों के बीच प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी झड़प हुई थी।

देश की सबसे अधिक जनसंख्या वाला उत्तर प्रदेश 545 सदस्यों वाली लोकसभा में 80 सांसद भेजता है जिससे प्रदेश का राजनीतिक महत्व स्पष्ट होता है। 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बनी भाजपा की प्रबल बहुमत वाली सरकार ने हर प्रकार के अपराधी तत्वों और माफिया तत्वों के खिलाफ शुरू से ही कठोरतम अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेश से गैंगस्टरों का पूरी तरह से सफाया करना था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इन प्रयासों से प्रदेश की कानून-व्यवस्था में जनता का विश्वास बहुत बड़ी सीमा तक बहाल हुआ है। भाजपा सरकार आने के पहले प्रदेश में अक्सर दंगे होते थे और कर्फ्यू लगता था, लेकिन आज यह सब अतीत की बात हो गई है। आज सड़के जाम कर आपराधिक गिरोहों द्वारा बड़े पैमाने पर लूट और डकैती जैसी घटनायें पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। कानून व्यवस्था में सुधार तथा प्रदेश की चहुंमुखी आर्थिक प्रगति के चलते योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा को 2022 में विधानसभा चुनाव में रिकार्डतोड सफलता मिली। योगी सरकार के सात साल के शासन में माफिया तत्वों के सफाए का भाजपा को भारी लाभ मिलना तय है। मुख्तार अंसारी की मौत ने समाजवादी पार्टी-नीत विपक्ष के लिए स्थितियां ज्यादा कठिन बना दी हैं। सपा और उसके सहयोगियों को और अधिक अल्पसंख्यक वोट मिलने की उम्मीद नहीं है क्योंकि वे पहले ही उसके पीछे एकजुट हो गए हैं। लेकिन माफिया और अपराधी तत्वों के सफाए ने निश्चित रूप से योगी आदित्यनाथ सरकार की 'प्रभावशीलता' के बारे में कानून का पालन करने वाले आम नागरिकों में बहुत अच्छा संदेश दिया है। प्रशासन और पुलिस ने विगत वर्षों में अपराधों की जांच के साथ ही वैज्ञानिक प्रमाणों का प्रयोग कर अभियोजन को सटीक बनाया है। इसके परिणामस्वरूप सालों से लंबित आपराधिक मामलों में अदालतें अपराधियों को कठोर सजा दे रही हैं। इससे समाज-विरोधी तत्व गंभीर अपराध करने के मामले में हतोत्साहित भी हुए हैं।

अब भी स्थानीय लोगों के मन में अंसारी के खुले वाहनों में घूमने तथा कर्फ्यू के बावजूद हथियार लहराते और एक खास समुदाय को डराने की छवियां बनी हुई हैं। सरकारी बुलडोजर अंसारी के साम्राज्य के कंक्रीट में ढले स्तंभ ढहा रहे हैं। उसकी मौत से पहले ही ऐसे दृश्यों ने सरकारी मशीनरी में जनता का विश्वास बढ़ा दिया था। योगी आदित्यनाथ के बुलडोजरों ने उन लोगों में भी विश्वास पैदा किया है जो अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से भावनात्मक रूप से बहुत प्रभावित नहीं थे। योगी आदित्यनाथ की सरकार सबका साथ, सबका विकास और तुष्टीकरण किसी का नहीं की नीति पर चलती रही है। उसने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी पंथ या समुदाय के साथ पक्षपात नहीं किया है। इन सभी चीजों को देखते हुए मुख्तार अंसारी की मौत भाजपा को उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में निर्णायक लाभ दे सकती है।

शांति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है!

> **ऐसे व्यक्तियों और देशों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जो सोचते हैं कि दुष्टता, धूर्तता और दुर्गुण सदाचार से श्रेष्ठ हैं और हिंसा अहिंसा से श्रेष्ठ है।**

ब्रह्मकुमार निकुंज
(लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

आज दुनिया में शांति नहीं होने का कारण यह है कि कई राष्ट्र और अधिकांश व्यक्ति अपने अंतर-वैयक्तिक, अंतर-सांप्रदायिक और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिक व्यवस्था की सर्वोच्चता से इनकार करते हैं। ऐसे व्यक्तियों और देशों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जो सोचते हैं कि दुष्टता, धूर्तता और दुर्गुण सदाचार से श्रेष्ठ हैं और हिंसा अहिंसा से श्रेष्ठ है। कुछ संपूर्ण समाज या राष्ट्र सोचते हैं कि मनुष्य केवल एक जानवर है, जो भौतिक प्रगति और सुख-सुविधाओं के लिए लालायित रहता है।

उनका मानना है कि मनुष्य केवल इंद्रिय संतुष्टि से संतुष्ट है और वह एक जानवर है जो संवेदना से संवेदना की ओर जीता है! वे साक्ष्य को स्वीकार करने से इनकार करते हैं, अर्थात् मनुष्य के पास विवेक है और उसकी उच्च आकांक्षाएं हैं, जैसे कि शांति, शांति और आनंद की आकांक्षा। यहां तक कि सबसे अपमानित व्यक्ति भी सांत्वना, संतुष्टि और शांति की आंतरिक आकांक्षा रखता है। हालांकि, वे यह महसूस करने में विफल रहते हैं कि शांति, संतुष्टि और आनंद शारीरिक कोशिकाओं के गुण नहीं हैं; वे नैतिक महानता की स्थिति में सचेतन आत्म के गुण हैं।

अपनी भौतिकवादी सोच और दृष्टिकोण के कारण विद्वानों ने समाज को वह दिया जिसे इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या कहा जाता है। मनुष्य और इतिहास के इस दृष्टिकोण को इतिहासकारों, अर्थशास्त्रियों और सामाजिक वैज्ञानिकों द्वारा लोकप्रिय और प्रचारित किया गया है। परिणाम यह है कि आधुनिक मनुष्य नैतिक कानून की सर्वोच्चता में विश्वास नहीं करता। इसलिए, मनुष्य ने अपनी समस्याओं पर मानवीय मूल्यों को लागू करना बंद कर दिया है।

उदाहरण के लिए, परमाणु हथियारों की समस्या को लें। निरस्त्रीकरण लाने के लिए कई आंदोलन और सम्मेलन हुए हैं। निरस्त्रीकरण के लिए बातचीत में या परमाणु हथियारों में कमी के लिए बातचीत में, एकमात्र गुण जो सामने लाया जाता है वह है रास्ते का डर और परिणामी विनाश। बातचीत ख़राब होती है और वे वास्तविक निरस्त्रीकरण की ओर नहीं ले जाती क्योंकि समस्या पर कोई नैतिक मूल्य नहीं लाया जाता है। नैतिक जिम्मेदारी की भावना का अभाव, वास्तव में, आधुनिक सभ्यता का सबसे भयावह पहलू है। मनुष्य की संपूर्ण आधुनिक सोच नैतिक जिम्मेदारी की कमी की विशेषता है। एक मनोचिकित्सक, आज समझाएगा कि एक व्यक्ति ने इसलिए हत्या कर दी क्योंकि जब वह छोटा लड़का था तो उसके पिता ने उसे छड़ी से पीटा था, जिसके कारण उसे मानसिक विकार हो गया था! तो, जिम्मेदारी उस पिता की है जिसने अपने बेटे के साथ क्रूरता की! कई अन्य रूपों में, यह रवैया कि मैं जिम्मेदार नहीं हूं, आधुनिक जीवन के हर पहलू में चलता है। इसने जीवन की नैतिक गुणवत्ता को कमजोर कर दिया है। इसलिए, यदि अब हम विश्व शांति चाहते हैं, तो वास्तविक प्रयास मनुष्य को नैतिक जिम्मेदारी का एहसास कराने में निहित है। मनुष्य को यह एहसास होना चाहिए कि इन्हें खत्म करना उसकी नैतिक जिम्मेदारी है क्योंकि ये न केवल उसके लिए बल्कि दूसरों के लिए भी अशांति का कारण बनते हैं।

आज हम लोगों को धर्म के नाम पर लोगों की हत्या करते हुए देखते हैं, लेकिन क्या कभी किसी धर्म ने अपने अनुयायियों को निर्दोष लोगों की हत्या करना सिखाया है? मानव जाति या विभिन्न सभ्यताओं या देशों के इतिहास इस सच्चाई के गवाह हैं कि संपत्ति का मूल्य अमूल्य और अनगिनत मात्रा में है और पिछले 2000 वर्षों के दौरान असहिष्णुता के बूचड़खाने में लाखों लोग मारे गए हैं, क्योंकि असहिष्णुता एक आहत अहंकार से उत्पन्न हुई थी।, एक अधूरा स्वार्थी उद्देश्य या संकीर्णता जो अलग-अलग विचारों, अलग-अलग जीवनशैली, अलग-अलग संस्कृतियों और अलग-अलग स्वार्थों के अस्तित्व को बर्दाश्त नहीं कर सकती। क्या कोई गणना या कल्पना कर सकता है कि असहिष्णुता के कारण कितने परिवारों ने अपनी शांति और सद्भाव खो दिया और कितने शहर और सभ्यताएँ बर्बाद हो गईं? यदि केवल यह गुण, जिसे सहिष्णुता कहा जाता है, बरकरार रखा गया होता - सभी या कई अन्य गुण भी जीवित रहते, क्योंकि, जब सहिष्णुता खो जाती है, तो मनुष्य अपना धैर्य, आत्म-नियंत्रण, अहिंसा की भावना आदि खो देता है।

इसलिए ऐसा नहीं है बहुत देर हो चुकी है, यदि अब भी जो लोग निर्दोष लोगों की हत्या कर रहे हैं वे इस गुण का पालन करना शुरू कर दें तो मानव जाति को युद्धों के संकट से बचाया जा सकता है।

आप की बात

बंगाल का हाल

पश्चिम बंगाल में संदेशखली के बाद अब एक बड़े अपराधी को पकड़ने गई ईडी की टीम पर भीड़ द्वारा फिर से हमले की घटना सामने आई है। ममता बनर्जी सरकार का रूख शुरू से ही केंद्रीय संस्थानों व केन्द्रीय बलों के खिलाफ आक्रामक रहा है। तृणमूल सरकार अपने निहित राजनीतिक व चुनावी स्वार्थों तथा वोटबैंक राजनीति के कारण अपराधी तत्वों को खुलकर अराजकता फैलाने का मौका देती है। ममता बनर्जी द्वारा अराजक तत्वों को समर्थन के अनेक उदाहरण अतीत में सामने आए हैं। वे एक समय अपराधियों को संरक्षण देने वाले दोषी अधिकारियों को बचाने के लिए धरने तक पर बैठ गई थीं। उनका यह रवैया भारत के संघीय ढांचे को तहस-नहस करने वाला है । चुनाव में तो तृणमूल कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता खुल्लमखुल्ला गुंडागर्दी व हिंसा पर आमादा हो जाते हैं। वे मतदाताओं को धमका कर चुनाव जीतने की पूरी कोशिश करते हैं। सरकार की शह पर ही पश्चिम बंगाल पुलिस के कुछ जवान और अधिकारी केंद्रीय एजेंसी को सहयोग देने के बजाय उनके कार्य में रोड़े डालने का पूरा प्रयास करते हैं। ऐसे में स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव करवाना भी चुनाव आयोग के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है जो दिन पर दिन गंभीर होती जा रही है।

-सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

धरती का तापमान

धरती का तापमान अब उन देशों में भी बढ़ने लगा है जिन्हें हम पहले ठंडा देश कहते थे। साल 2022 में पूरे यूरोप में 70 हज़ार लोगों की मृत्यु लू लगने एवं गर्मियों से पैदा बीमारियों के कारण हुई थी। वह सिलसिला आज भी जारी है। इसी कारण दुनिया भर में पानी की कमी बढ़ती जा रही है। इससे एशिया, अफ्रीका और अमेरिका के कुछ भागों में खेती-बाड़ी असंभव हो गई है। यूरोपीय संघ की जलवायु एजेंसी के अनुसार, दुनिया ने अब तक के सबसे गर्म मार्च का अनुभव किया है। एजेंसी ने कहा कि पिछले 12 महीनों में वैश्विक औसत तापमान सबसे अधिक दर्ज किया गया है जो 1991-2020 के औसत से 0.70 डिग्री और 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से 1.58 डिग्री ऊपर है। यदि यही स्थिति बनी रही तो इस ब्रह्मांड में एकमात्र जीवन वाला हमारा धरती ग्रह न केवल मनुष्यों, बल्कि अनेक जीवों और वनस्पतियों के जीने योग्य नहीं रहेगा। विडंबना है कि इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए समुचित कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। विकसित देश अपनी उपभोक्तावादी जीवनशैली बनाए रखने तथा उसे और मजबूत करने के लिए सारी धरती पर बोझ बन रहे हैं। इसका खामियाजा एशिया और अफ्रीका के गरीबों को भुगतना पड़ता है।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

अपराधियों का महिमामंडन

देश में पनप रही अपराधियों के महिमामंडन की प्रवृत्ति चिंतनीय है। माफिया डान मुख्तार अंसारी के जनाजे में उमडी भीड और मुस्लिम वोट के लालच में उनको माफिया के बजाय मसीहा बताने वाले राजनेताओं के व्यवहार से अपराधियों का महिमामंडन होता है। एक समय था जब अपराधियो के साथ खडे होने में राजनेता संकोच करते थे, लेकिन आज लूट, हत्या व बलात्कार जैसे जघन्य अपराध करने वालों को भी धर्म या जाति के चश्मे से देखने वाले उन्हें नायक का दर्जा दे देते हैं। ऐसे अपराधियों को नायक बनाने में इलेक्ट्रॉनिक एवं इंटरनेट मीडिया के एक हिस्से की भी महती भूमिका है। वे ऐसे तत्वों को व्यापक कवरेज देकर एक प्रकार से समाज में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति को हवा देते हैं। राजनीति के अपराधीकरण से आगे जाकर अब अपराधियों का राजनीतीकरण होने लगा है। हालांकि, देश के बड़े हिस्से में यह प्रवृत्ति पिछले कुछ वर्षों में कमजोर पड़ी है, पर अक्सर ऐसे दबंग व जघन्य अपराधों के आरोपियों को आज भी टिकट देने में संकोच नहीं करते हैं और इसका बचाव भी करते हैं। इस प्रवृत्ति को कठोरता से कुचलने में आम जनता की सबसे बड़ी भूमिका है, बशर्ते कि सरकार व प्रशासन उसे इसका अवसर देने को तैयार हो।

- विमलेश पगारिया, बदनावर

चुनावी सरगर्मी

संसद में सबसे अधिक सांसद भेजने वाले उत्तर प्रदेश की चुनावी सरगर्मी पर सबकी निगाहें रहती हैं। भाजपा ने न केवल अपने अधिकांश उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं बल्कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की चुनावी रैलियां भी शुरू हो गयी हैं। कांग्रेस तो एकदम निष्क्रिय दिखाई दे रही है, जबकि सपा अपनी तरफ से भाजपा को टक्कर देने के भरसक प्रयास कर रही है। मायावती के नेतृत्व में बसपा की सरगर्मी भी धीरे-धीरे बढ़ रही है। अनेक सीटों पर बसपा विपक्षी इंडिया गठबंधन के साथ राजग को भी संकट में डाल सकती है। हालांकि, उनसे सपा और कांग्रेस को ज्यादा नुकसान हो सकता है। प्रदेश में सपा भाजपा को मजबूत टक्कर देने के प्रयास जरूर कर रही है, लेकिन 2019 में सपा, बसपा व रालोद एकजुट होकर भी भाजपा को 62 के आंकड़े से नीचे नहीं ला पाए थे। इस बार रालोद भाजपा के साथ है और बसपा अलग है। ऐसे में भाजपा भले ही सभी 80 सीटें न जीत सके, पर उसकी संख्या निश्चित रूप से 2019 से अधिक होगी और वह 2014 का आंकड़ा भी प्राप्त कर सकती है, जब पूरे विपक्ष को 7 सीटें मिली थीं।

- बाल गोविंद, नोएडा

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

प्रदेश में कड़ाई से हो रहा कानून व्यवस्था का पालनः नवदीप रिणवा

● निरोधात्मक कार्यवाही में 14,35,162 लोग किए गए पाबन्द

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। सघन जॉच के लिए 513 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1837 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित हैं। 16 मार्च से 09 अप्रैल, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 483 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 3947 लाइसेंसी शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त कर जमा कराये गये। इसी प्रकार सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 21,48,229 लोगों को पाबन्द किये जाने हेतु नोटिस प्रेषित किये गये है, जिनमें से 14,35,162 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 5268 बिना लाइसेंस के अवैध शस्त्र, 5466 कारतूस, 2144.5 किलोग्राम विस्फोटक व 268 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 1806 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 91 केन्द्रों को सीज किया गया। आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में 09 अप्रैल को पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 03 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 01 लाइसेंसी शस्त्र का लाइसेंस निरस्त कर जमा कराया गया। सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 73698 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। साथ ही 246 बिना लाइसेंस के अवैध शस्त्र, 217 कारतूस, 78 किलोग्राम विस्फोटक व 8 बम बरामद कर सीज किये गये। पुलिस द्वारा अवैध शस्त्र बनाने वाले 172 केन्द्रों पर रेड डाली गयी और 03 केन्द्रों को सीज किया गया।

बिना अनुमति के सभा करने सहित नकदी बांटने व अन्य मामलों में 42 एफआईआर दर्ज

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आदर्श आचार संहिता का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित कराने में अब तक सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से कुल 83,58,602 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी।इसमें सार्वजनिक स्थानों से 50,46,268 तथा निजी स्थानों से 33,12,334 प्रचार-प्रसार सामग्री हटायी गयी। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों से वालराइटिंग के 5,38,622, पोस्टर के 23,71,247, बैनर के 14,43,324 एवं अन्य 6,93,075 मामलों में कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार निजी स्थानों में से वालराइटिंग के 4,30,240, पोस्टर के 15,11,734, बैनर के 8,11,442 एवं अन्य 5,58,918 मामलों में कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार अब तक वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग के 1198 मामलों में तथा लाउडस्पीकर एक्ट के उल्लंघन के 2188 मामलों में कार्यवाही की गयी। बिना अनुमति के सभा व भाषण करने, मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने, वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग एवं अन्य मामलों में 42 एफआईआर दर्ज, 05 एनसीआर सहित कुल 47 प्रकरण में रिपोर्ट दर्ज की गयी है।

13455.90 लाख रुपए कीमत की शराब, ड्रग व नकदी जब्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में प्रवर्तन एजेन्सियों व उड़नदस्तों द्वारा अवैध शराब, नकदी आदि की जब्ती संबंधी आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 01 मार्च से 09 अप्रैल, 2024 तक कुल 13455.90 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं, मुफ्त उपहार व नगदी आदि जब्त किये गये। इसमें 2244.44 लाख रुपये नकद धनराशि, 3211.01 लाख रुपये कीमत की शराब, 5059.39 लाख रुपये कीमत की ड्रग, 1806.08 लाख रुपये कीमत की बहुमूल्य धातुएं एवं 1134.98 लाख रुपये कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी।

आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 09 अप्रैल, 2024 को कुल 140.01 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातु व नगदी आदि जब्त किया गया। इसमें 21.38 लाख रुपये नकद धनराशि, 58.07 लाख रुपये कीमत की 21141.06 लीटर शराब, 60.56 लाख रुपये कीमत की 230986.10 ग्राम ड्रग जब्त की गयी। 09 अप्रैल, 2024 को प्रमुख जब्ती में जनपद आजमगढ़ की अतरौलिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 33.75 लाख रुपये अनुमानित कीमत की 134900 ग्राम ड्रग तथा जनपद बांदा की नरैनी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 15.65 लाख रुपये अनुमानित कीमत की 61625 ग्राम ड्रग पकड़ी गयी।

कटोरा लेकर दुनिया में भीख मांग रहा है पाकिस्तानः योगी

● कहा, एक्सीडेंटल हिंदुओं ने तो राम-कृष्ण पर भी सवाल खड़े कर दिए थे

जम्मू में गरजे मुख्यमंत्री, कठुआ में भाजपा प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र सिंह के पक्ष में की जनसभा

पायनियर समाचार सेवा। कठुआ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा चुनाव-2024 के लिए प्रचार करने पहली बार योगी आदित्यनाथ जम्मू पहुंचे। बुधवार को योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय मंत्री, उधमपुर से सांसद व भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी डॉ. जितेंद्र सिंह के पक्ष में कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में जनसभा को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने यहां मोदी सरकार के कार्यों का जिक्र किया तो विपक्षी पार्टियों को खूब खरी खोटी सुनाई। सीएम ने जम्मू वासियों को वासंतिक नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्हें जम्मू की धरती को आराध्य देवों, ऋषि मुनियों की साधना स्थली, एक भारत-श्रेष्ठ भारत के लिए बलिदान करने वालों की भूमि बताया।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस राम मंदिर का निर्माण नहीं कर पाती। कांग्रेस ने कहा था कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। इन लोगों ने राम-कृष्ण के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर हमारे आराध्य देवों को नकारने का प्रयास किया। एक्सीडेंटल हिंदुओं ने राम-कृष्ण पर भी सवाल खड़े कर दिए थे, लेकिन आज अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण भी हो गया। आप आइए, अयोध्या में लगेगा कि साक्षात त्रेतायुग के दर्शन हो रहे हैं। काशी में काशी विश्वनाथ धाम बन गया है। पहले संकरी गली थी, बमुश्किल पांच लोग जा पाते थे पर आज एक साथ 50 हजार श्रद्धालु भी आ जाएं तो कोई समस्या नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवाद की जड़ धारा-370 को समाप्त कर साबित कर दिया कि दिल्ली का लाल किला हो या जम्मू का लाल चौक, चारों ओर उत्साह है। क्योंकि यह क्षेत्र विकास की मुख्य धारा से जुड़ा है। जब जम्मू-कश्मीर की बात आती है तो भारत का मुकुट हर व्यक्ति गर्व से देखना चाहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की सत्तालोलुपता ने आजादी के एक दिन पहले देश का विभाजन करा दिया, लेकिन हमने स्वतंत्र भारत में हमेशा एक ही धर्म माना, वह है राष्ट्रधर्म। राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि है। मेरी व्यक्तिगत आस्था कुछ भी होगी, यदि वह राष्ट्र के मार्ग में बाधक है तो उसे दरकिनार कर दिया जाएगा। मेरे लिए देश की स्वतंत्रता, संप्रभुता व अखंडता सर्वोपरि है। सीएम योगी ने कहा कि 140 करोड़ लोगों में से 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन दिया जा रहा है। अगले पांच वर्ष तक यह सुविधा मिलेगी तो दूसरी तरफ 1947 में भारत से अलग हुआ पाकिस्तान कटोरा लेकर दुनिया के अंदर भीख मांगता दिखाई दे रहा है। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का आज दुनिया में सम्मान है। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। ऐसा नहीं हो सकता कि पाकिस्तानी घुसपैठ करके हमारी सुरक्षा में सेंध लगाएगा। अब पटाखा भी फूट जाए तो पाकिस्तान सफाई देता है कि मेरा हाथ नहीं है। उसे मालूम है कि कुछ हो गया तो लेने के देने पड़ेंगे। मजबूत सरकार होती है तो सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था होती है। सीएम ने कहा कि पहले लोग खुद को हिंदू बोलने में भी संकोच करते थे। अयोध्या का नाम लेने में लोग डरते थे। 2017 में जब मैं उप्र का मुख्यमंत्री बना तो अयोध्या गया। अचरज होकर लोगों ने कहा कि यह क्या कर रहे हैं, कुछ लोग नाराज हो जाएंगे। मैंने कहा कि हो जाएंगे तो होने दो। मैं जनआस्था के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। वोट बैंक के लिए यह नहीं हो सकता। अयोध्या में भव्य दीपोत्सव की तैयारी करो। अच्छी सरकार बनती है तो 500 वर्षों का इंतजार भी समाप्त हो जाता है। सीएम ने कहा कि मोदी जी को देश की बागडोर सौंपने का श्रेय आपको जाता है। यदि जनता वोट नहीं देती तो हम देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश को नहीं संभाल पाते। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान परस्त आतंकवादी तबाही मचाए थे तो यूपी में सत्ता के संरक्षण में अराजकता होती थी। वहां महीनों कर्फ्यू रहता था पर सात वर्ष में एक भी दंगा नहीं हुआ। वहां के लोग कर्फ्यू भूल गए। यूपी देश का पहला राज्य है, जहां धर्मस्थलों से माइक उतर गया। वहां माइक की आवाज नहीं होती, लोग विकास पर विश्वास कर रहे हैं। सीएम ने जम्मूवासियों से अयोध्या आने का आग्रह भी किया। संकोच न कीजिए, सात-दस वर्ष पहले की अयोध्या बदल गई है। हमने अयोध्या के अंदर भी एक्सप्रेस बना दिया है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र रैना, पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. निर्मल सिंह, भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री अशोक कौल, प्रदेश महासचिव डॉ. डीके मनाल, सुनील सेठी आदि मौजूद रहे।

वेस्ट यूपी में जिन लोगों की गर्मी शांत कर दी उन्हें दोबारा गर्म नहीं होने देनाः मुख्यमंत्री

● मेरठ की रैली में योगी की चेतावनी, निर्दोषों को छेड़ा तो मिट्टी भी नसीब नहीं होगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ मेरठ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराधियों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि निर्दोषों को मारा तो मिट्टी भी नसीब नहीं होगी। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए जनता से अपील की कि पश्चिमी यूपी में जिन लोगों की गर्मी शांत कर दी गई है, उन्हें दोबारा गर्म नहीं होने देना है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अच्छा नेतृत्व देश को जहां बुलंदियों पर ले जाता है वहीं गलत हाथों में सत्ता देने से दरिद्रता आती है। योगी ने पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए कहा कि एक तरफ भारत पिछले चार साल से 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सौगात दे रहा है तो वहीं पाकिस्तान कटोरा लेकर दुनियाभर में भीख मांग रहा है। पाकिस्तान की ये हालत उसके नेताओं के कारण हुई है।

योगी आदित्यनाथ ने मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट से प्रत्याशी संजीव बालियान के पक्ष में जनता से वोट की अपील करते हुए कहा कि मेरठ आज 12 लेन के एक्सप्रेसवे के साथ सीधे दिल्ली से जुड़ गया है। अब मेरठ के लोग दिल्ली में नहीं दिल्ली के लोग मेरठ, सरधना और मुजफ्फरनगर में रहना चाहते हैं। पहले जिस दूरी को तय करने में 5 घंटे लगते थे अब उसे 1 घंटे में पूरा किया जाता है। यही नहीं 32 हजार करोड़ रुपए से रैपिड रेल सेवा से मेरठ को जोड़ा जा चुका है। आज उत्तर प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेजर ध्यानचंद के नाम पर इसी विधानसभा में बन रही है। सीएम योगी ने कहा कि पश्चिमी यूपी में परिवर्तन स्पष्ट दिख रहा है। उन्होंने विपक्षियों पर हमला बोलते हुए कहा कि यहां जो लोग गुमराह करने आ रहे हैं, ये वही लोग हैं जिन्होंने संगीत सोम और संजीव बालियान को जेल में डाल के यहां की जनता को कर्फ्यू में झोंकने का काम किया था। दंगा पॉलिसी चलाने वालों ने यहां के युवाओं पर झूठे मुकदमे दर्ज करके उनके जीवन को निगलने की कोशिश की थी, हमें उन्हें माफ नहीं करना है। मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने घास की रोटी खाना स्वीकार किया, मगर कभी विदेशी हुकूमत के सामने सिर नहीं झुकाया। सीएम ने कहा कि जिन लोगों ने कर्फ्यू लगा के इस क्षेत्र में बहन बेटियों की इज्जत को नीलाम करने का काम किया था, उन्हें फिर से पनपने का अवसर नहीं देना है। वे पहले दुम दबाकर आएंगे, बाद में गिरेबान पकड़कर अव्यवस्था और अराजकता को अंजाम देंगे। सरधना वीरों की भूमि है, वीरता कभी कायरता नहीं दिखाती। जाति के सौदागर पहले आपका उपयोग करेंगे बाद में सौदेबाजी करके गायब हो जाएंगे। इस देश के राष्ट्रधर्म पर जब भी खतरा आया है, इन्हीं लोगों के कारण आया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई माई का लाल आपका बाल भी बांका नहीं कर सकता, क्योंकि सुरक्षा की तगड़ी व्यवस्था कर दी गई है। आज बड़े बड़े माफिया और आतंकवादियों की कैसी दुर्गति हो रही है, सबको पता है। पहले जिनके नाम से ही कर्फ्यू लग जाया करता था, आज उनकी स्थिति हर कोई जानता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा सरकार के दौरान एक दुर्दांत माफिया ऐसा था, जो चलता था तो मुख्यमंत्री हों या मुख्य न्यायाधीश, इन सबके काफिले रुक जाते थे और केवल उसका काफिला निकलता था। मगर जब हमने रगड़कर उसे कोर्ट के सामने प्रस्तुत किया तो उसकी पैंट गीली हो गई थी। तब हमने उसे कहा था कि कानून को रौंदने वाले कानून कितना बड़ा है, ये अहसास हो रहा है कि नहीं।

मोदी सरकार के दस वर्षों की उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाई जाएः आनंद द्विवेदी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सांसद राजनाथ सिंह के पक्ष में वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए हजरतगंज स्थित हलवासिया कोर्ट में भाजपा महानगर महिला मोर्चा, युवा मोर्चा की बैठकें आयोजित की गई। बैठक में लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, भाजपा वरिष्ट नेता नीरज सिंह, लोकसभा चुनाव संयोजक एमएलसी मुकेश शर्मा, महामंत्री एवं लोकसभा चुनाव सह संयोजक पुष्कर शुक्ला, राकेश श्रीवास्तव, युवा मोर्चा अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष सीता नेगी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार के दस वर्षों की उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाई जाए। महिला मोर्चा पदाधिकारी बूथ स्तर, मण्डल स्तर पर टोली बनाकर मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार करते हुए बताएं कि मोदी सरकार ने लोकसभा और विधानसभा में महिलाओ के लिए 33प्रतिशत आरक्षण, तीन तलाक से मुक्ति, मातृ वंदना, स्टार्टअप इंडिया के तहत रोजगार देने का काम किया है। भविष्य में भी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ऐसे अवसर मिलते रहे इसके लिए देश की आधी आबादी में महिला मतदाताओ को भाजपा में पक्ष में वोट डालने को प्रेरित करना है। वही युवा मोर्चा पदाधिकारी युवा चौपाल, एक बूथ पर टेन यूथ लगाए तथा हर वार्ड में युवा सम्मेलन का कार्यक्रम आयोजित किया जाए तथा पार्टी का झंडा और स्टीकर हर जगह लगाकर माहौल भाजपामय बनाया जाए। वोट प्रतिशत बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाए। नीरज सिंह ने युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत के युवाओं के लिए यह अमृत काल है। आपका सामर्थ्य और सेवा भाव देश और समाज को नहीं ऊंचाइयों पर ले जाएगा और आपके प्रयासों और परिश्रम से ही लखनऊ में एक बार पुनः ऐतिहासिक जीत हासिल करेंगे।

विकसित राष्ट्र के संकल्प को पूरा करने के लिये करे मतदानः पंकज सिंह

● सांसद राजनाथ सिंह के चुनाव प्रचार के लिये राजधानी में विधायक पंकज सिंह ने किया जनसम्पर्क

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक पंकज सिंह ने कहा कि भाजपा नें देश में विकास करने के साथ समाज को जोड़ने का जो अभूतपूर्व कार्य किया है उसका जीता जागता प्रमाण अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण है। आज हम लखनऊ के लोग कहते हैं हमारा शहर अयोध्या के पास है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में हमारी पहचान को सुरक्षित और मंदिरों को संरक्षित कर समाज को जोड़ने का जो कार्य हो रहा है वो आज से पहले हमारे देश में कभी नहीं हुआ। इसी का असर है कि आज हमारी पार्टी के विपक्षी भी मंदिर जा रहें हैं, ये परिवर्तन नहीं तो और क्या है? यह बातें बुधवार को रक्षा मंत्री और सांसद राजनाथ सिंह के चुनाव प्रचार के दौरान जनसम्पर्क अभियान में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक पंकज सिंह नें कहीं।

राजधानी में समाज के प्रबुद्ध वर्गों और समाज के बुद्धिजीवी लोगों के साथ विधायक पंकज सिंह नें जनसम्पर्क कार्यक्रम के तहत संवाद भी किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को विकसित राष्ट्र के स्वप्न को पूरा करने के लिये अधिक से अधिक मतदान करने का लोगों को संकल्प दिलाया। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि जितना काम लखनऊ में आप देख रहे हैं उसमें संगठन के लोगों की अहम भूमिका रही है। पूरे लखनऊ में लगातार विकास हो रहा है और आगे भी होता रहेगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ में इन्वेस्टर्स आ रहे है। युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खुलने जा रहे हैं। इससे पहले की सरकारों में कभी ऐसे प्रयास नहीं हुए जिनसे समाज के हर वर्ग को फायदा मिले। इसलिए हमको अपनी आँख, कान खोल कर रखने होंगे, किसी के भी बहकावे में न आकर खुलकर भाजपा को ही मतदान करना होगा। विधायक पंकज सिंह बाबू बनारसी दास वार्ड पहुंचे जहाँ चुटकी भंडार स्कूल के पास पार्षद आशीष कुमार हितैषी के नेतृत्व में उनका जोरदार स्वागत किया गया। लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश पाण्डेय, वरिष्ठ कर्मचारी नेता सुरेन्द्र श्रीवास्तव, पार्षद सतीश साहू समेत भाजपा के बूथ प्रमुख, पन्ना प्रमुख, नागरिकों से विधायक पंकज सिंह नें संवाद किया। इससे पहले वो 12 स्टेशन रोड पर व्यापारी नेता प्रभु जालान के आवास पहुंचे। यहां राजधानी के बड़े व्यापारियों नें विधायक पंकज सिंह का स्वागत किया। सांसद राजनाथ सिंह जी द्वारा राजधानी में कराये जा रहे विकास कार्यों की तारीफ की। पुनः राजनाथ सिंह को रिकॉर्ड मतों से सांसद बनाने के लिये व्यापारियों और उनके परिवारिजनों से शत-प्रतिशत वोट कराने का संकल्प भी लिया। प्रमुख रूप से एन फैशन के प्रॉपरिटर संदीप अग्रवाल, अधिवक्ता विशाल मेहरोत्रा, शशिधर दूबे, आर आर इंस्टिट्यूट के मालिक अनिल अग्रवाल, व्यापारी नेता श्याम कृष्णानी, अनिल बजाज, अमित गुप्ता शामिल रहे। परिवार की नन्ही सदस्य कक्षा 2 की छात्रा साईशा नें विधायक पंकज सिंह का पटका पहनाकर स्वागत किया।

नागपुर में बसपा प्रमुख की पहली चुनावी जनसभा आज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती गुरुवार को नागपुर में पार्टी के उम्मीदवारों के समर्थन में पहली चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मायावती की यह चुनावी जनसभा नागपुर के इन्दौरा क्षेत्र स्थित बेज़ोन बाग़ मैदान में दोपहर बाद आयोजित की गयी है। उल्लेखनीय है कि देश में 'बहुजन हिताय व बहुजन सुखाय' के व्यापक हित व कल्याण के मद्देनजर ही बीएसपी इस लोकसभा आमचुनाव में किसी भी, पार्टी अथवा गठबन्धन आदि से कोई तालमेल या समझौता किये बिना ही पूरे देश में अपनी पार्टी के लोगों के ही तन, मन, धन के बल पर पूरी तैयारी व दमदारी के साथ अकेले यह संसदीय आमचुनाव लड़ रही है।

पूर्व विधायक सुभाष राय भाजपा छोड़कर सपा में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के समक्ष बुधवार को समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए अम्बेडकरनगर की जलालपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक सुभाष राय भाजपा छोड़कर और जलालपुर से ही विधानसभा चुनाव में बसपा प्रत्याशी रहे राजेश सिंह अपने समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। साथ में रामपुर के निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष चन्द्रपाल भी भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक भी शामिल हुए। अखिलेश यादव ने सभी शामिल होने वाले नेताओं का स्वागत किया। इस अवसर पर रामगोविन्द चौधरी, अवधेश प्रसाद, लालजी वर्मा, इन्द्रजीत सरोज, राजेन्द्र चौधरी, राममूर्ति वर्मा, त्रिभुवन दत्त, अरविन्द कुमार सिंह समेत अन्य नेता मौजूद रहे।

कतर के राष्ट्रपति से फोन पर प्रधानमंत्री के बात के बाद हुई थी पूर्व नौसैनिकों की सजा माफ

पायनियर समाचार सेवा। सहारनपुर, बुलंदशहर, संभल (उप्र)(भाषा)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि कतर के राष्ट्रपति से फोन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बात करने के बाद वहां पूर्व नौसैनिकों की सजा माफ हुई थी और वे स्वदेश लौटे थे।

सहारनपुर में भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में चुनाव प्रचार के दौरान एक जनसभा में सिंह ने कहा, मैं एक घटना की जानकारी आप लोगों को देना चाहता हूं। कुछ महीने पहले, कतर में भारतीय नौसेना के कुछ पूर्व अधिकारियों को किन्हीं मामलों में वहां की अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी। ये लोग किन्हीं कंपनियों में काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वे भारत के ही नागरिक थे और हमारी नौसेना में भी अपनी सेवाएं दे चुके थे। स्वाभाविक है कि हम लोगों को इससे परेशानी हुई। कोई ऐसा अपराध नहीं था कि उन्हें फांसी की सजा दी जाए। लेकिन कतर की अदालत ने उन्हें फांसी की सजा सुना दी। सिंह ने कहा कि उसके बाद इस विषय पर प्रधानमंत्री से चर्चा हुई और प्रधानमंत्री ने फोन पर कतर के राष्ट्रपति से बात की। आपको जानकर खुशी होगी कि हमारे नौसेना के जिन पूर्व अधिकारियों को फांसी की सजा सुनाई जा चुकी थी, उन्हें वहां की सरकार ने पूरी तरह से माफ कर दिया और वे सकुशल घर वापस आ गए। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की सीमा पर जिस तरह से सेना के जवान अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह कर रहे हैं, उनकी सराहना केवल भारत में ही नहीं बल्कि अन्य देशों में होने लगी है। उन्होंने कहा, आपका भारत अब कमजोर भारत नहीं रहा है, बल्कि अब वह ताकतवर भारत बन गया है। सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद पूरी दुनिया में भारत का कद बढ़ा है। पहले जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत बोलता था तो उसकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन आज दुनिया कान खोल कर सुनती है कि आखिर भारत बोल क्या रहा है। इससे पता चलता हैं कि दुनिया भर में भारत की हैसियत बढ़ी है, दुनिया भर में भारत का कद ऊंचा हुआ है। उन्होंने कहा कि देश का रक्षा मंत्री होने की हैसियत से मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हम भारत का मस्तक कभी झुकने नहीं देंगे। भारत अब कमजोर भारत नहीं रहा बल्कि ताकतवर भारत बन गया है। सिंह ने कहा कि कुछ साल पहले लोगों के बीच यह धारणा थी कि नेता वोट लेने के लिए झूठ बोलते हैं और चले जाते हैं। उन्हें जनता की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस धारणा को बदला है और दिखाया है कि राजनीति कैसे की जाती है। उन्होंने कहा यह हमारा चरित्र है कि हम जो कहते हैं वह करते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि अक्सर राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र में बड़े-बड़े वादे करते हैं लेकिन सत्ता में आने के बाद वे सब भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि देश बनाने के लिए की जानी चाहिए और भारतीय जनता पार्टी यही काम कर रही है। बाद में बुलंदशहर में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि 2014 के चुनावी घोषणापत्र में भाजपा ने जो वादे किए थे, उन्हें उसने अक्षरशः पूरा किया। उन्होंने कहा कि हमने कहा था कि हम सत्ता में आएंगे तो हम नागरिकता का कानून पारित करेंगे। लोग इसपर हिन्दू-मुस्लिम का खेल खेलने लगे। हमने समाज को बांटने की राजनीति नहीं की है। हमने सबको बराबरी के नजरिए से देखा है। विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए सिंह ने कहा कि जहां तक समाजवादी पार्टी और अन्य पार्टियों का प्रश्न है, तो उनकी हालत दिनों-दिन पतली होती जा रही है। 2024 के चुनाव में इनको साफ कर दीजिए। उन्होंने कहा, कांग्रेस तो लुप्त होती जा रही है। कुछ बरस बाद लोग पूछेंगे कि कौन सी कांग्रेस ? बाद में संभल के चंदौसी के आशीष गार्डन में सिंह ने सोशल मीडिया लोकसभा वालंटियर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा , मैं सारे देश का मूड देख रहा हूं, और इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि देश की जनता इस बार भाजपा को 400 से ज्यादा सीट जिता कर मोदी जी की सरकार बनाएगी।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 11 अप्रैल, 2024

डीएम ने दिखाई मतदाता जागरुकता रैली को हरी झंडी, किया रवाना

● मतदाताओं को जगाने के लिए स्कूली बच्चों ने निकाली रैली, दिया मतदान का संदेश ●जागरूकता रैली के आकर्षण का केंद्र रहा स्कूली बैंड

लखीमपुर खीरी। जिलेभर में आम जनमानस को मतदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से लोकसभा सामान्य निर्वाचन.2024 के लिए स्वीप कार्यक्रम के तहत डीएम महेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व मार्गदर्शन में विशेष अभियान चलाया जा रहा। स्वीप योजना के तहत कलेक्ट्रेट से मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने सीडीओ अनिल कुमार सिंह, एडीएम संजय कुमार सिंह संग हरीझंडी दिखाकर रवाना किया। डायट प्राचार्य बृजभूषण चौधरी, डीआईओएस महेंद्र प्रताप सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि अच्छे एवं मजबूत लोकतंत्र का निर्माण करने के लिए मतदाता होना और मतदान करना जरूरी है। इसलिए अपने कर्तव्य का पालन करते हुए 13 मई को मतदान जरूर करे और आसपास के अपने लोगो एवं दूसरे व्यक्ति को भी प्रेरित करेए क्योकि मजबूत लोकतंत्र के लिए सभी मतदाताओ का वोट करना जरूरी है। लोकतंत्र के इस महापर्व में एक भी मतदाता छूटने न पाए। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने इस बात का संकल्प लिया है कि वह वोटर की सुविधा को ध्यान में रखकर इसको त्यौहार के रूप में मनाएंगे। मतदान हमारे अधिकार के साथ साथ कर्तव्य भी है, हंसी.खुशी के साथ अपनी स्वेच्छा से बूथ पर जाएं और जो आपको बेतहरीन और अच्छा प्रत्याशी लगे उनके पक्ष में अपना मताधिकार का प्रयोग करिए।

यह जागरूकता रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रैली में स्कूली बच्चे और डायट के प्रशिक्षु मतदाता जागरूकता के स्लोगन लिखे तख्तियां हाथ में लिए हुए थे। वहीं स्कूली बैण्ड भी आकर्षण का केन्द्र रहा। रैली में स्कूली बच्चों ने सब काम छोड़ दो.सबसे पहले वोट दो तथा जन.जन की यही पुकार वोट डालना हम सबका अधिकार के नारे भी लगाए। प्रशासन की अगुवाई में शहर के मुख्य मार्गों पर निकली मतदाता जागरूकता रैली में सनातन धर्म सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेजए आर्य कन्या इंटर कॉलेज का स्कूली बैंड आकर्षण का केंद्र रहा। यह रैली कलेक्ट्रेट से प्रारंभहोकर शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई जीआईसी मैदान में विसर्जित हुई।

हाथों में तख्तियां लिए स्कूली बच्चे बुधवार को खीरी में बड़ों को वोट की अहमियत बता रहे थे। बड़ा अनूठा दृश्य था। मतदाता जागरूकता रैली निकालकर स्कूली बच्चों ने लोगों को वोट की ताकत का एहसास कराया और मतदाताओं से अपील की कि अपने मत का प्रयोग जरुर करें। जिला स्तर पर मतदाताओं के बीच स्कूली बच्चों ने अलख जगाई। सभी बच्चों के हांथों में तख्तियां थी और उनपर मत के ताकत के नारे लिखे हुए थे। मेरा वोट मेरा अधिकार। एक वोट बदल सकती है आपकी जिंदगी। मतदाता होने का गर्व है। मतदान के लिए तैयार हैं। मेरा वोटए मेरा भविष्य। जैसे नारे बच्चों ने लगाए। डीईओए ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए परिषदीय शिक्षक एसपी सिंह को मतदाता जागरूकता आइकॉन बनाया था। मतदाता जागरूकता रैली के दौरान मतदाताओं को जागरूक करने के लिए उन्होंने अपनी बाइक पर स्लोगन लिखाए है। डीएम ने आईकॉन एसपी सिंह की जागरूकता बाइक पर बैठकर फोटो खिंचवाकर उसका उत्साह भी बढ़ाया। जीआईसी, जीजीआईसी, पीके इंटर कॉलेज, डीएस कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज, सनातन धर्म सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इंटर कॉलेज, अब्दुल कलाम गर्ल्स इंटर कॉलेज, भगवानदीन आर्यकन्या इंटर कॉलेज, डाइट के स्कूली बच्चों एवं प्रशिक्षु शामिल हुए।

सिंधी समाज ने झूलेलाल जयंती धूमधाम से मनाई

फर्रुखाबाद। सिंधी समाज ने झूलेलाल जयंती धूमधाम से मनाई। सिंधियत नव वर्ष के अवसर पर सिंधी समाज द्वारा भगवान श्री झूलेलाल उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रात काल भगवान झूलेलाल का पक्के पुल सिंधी धर्मशाला में भगवान झूलेलाल का अभिषेक बहिराणा साहब का पूजन पंडित संजय शर्मा ने पूजन पाठ कराया । संजय शर्मा ने बताया सिंधी समाज का सबसे बड़ा पर्व होता है। जिसमें सभी के साथ समरता का भाव भाईचारा दिखाई देता है पूजन अर्चन के पश्चात मीठी चावल और चने का प्रसाद वितरण किया गया।

पक्का पुल सिंधी धर्मशाला से सिंधी समाज के लोग ढोल नगाड़े के साथ हिंदी भाषा में गीत संगीत कीर्तन आयो लाल झूलेलाल...जय झूलेलाल के नारो के साथ पूरा नगर गुंज उठा। सिंधी समाज की युवक एवं युवतियां डांडिया नृत्य करते हुए भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा कि आगे आगे चल रहे थे। यात्रा नगर के मुख्य मार्ग पक्का पुल किराना बाजार चौक रेलवे रोड होते हुए सिंह मैदान पहुंची। मुखिया आत्माराम डवानी, ईश्वर दास शिवानी, अशोक शिवानी ने यात्रा का स्वागत किया एवं जगह-जगह बहिराणा साहब सिंधी समाज के घरों में गए वहा पर लोगों ने पवित्र पावन ज्योति के दर्शन किए और सिंधी नव वर्ष की मंगल कामनाओं की दुआ मांगी।

सिंधु मैदान में विचार गोष्ठी हुई जिसमें सिंधी समाज के त्याग बालिदान की गाथा सुनाई गई । सिंधी समाज ने देश की प्रगति में महान योगदान दिया समाज के बच्चे वरिष्ठ जन एवं कर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। सायंकाल को यह यात्रा सिंधु मैदान से नगर के मुख्य मार्ग रेलवे रोड, चौक, नेहरू रोड ,लाल सराय होते हुए पांचाल घाट पहुंची। वहां पर ज्योति का विसर्जन किया गया गंगा मैया मे ज्योति के दर्शन के साथ सिंधी नव वर्ष में समाज देश परिवार के लिए खुशवाली की मंगल कामना की।

घनश्याम पुरवा व चौधरी पुरवा के होली मिलन में उमड़ा जनसैलाब

निघासन खीरी। मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी व सदर विधायक योगेश वर्मा की मौजूदगी में दर्जनों की संख्या में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल। निघासन विस के गांव घनश्याम पुरवा चौधरी पुरवा सुक्खन पुरवा समेत कई गांवों में हुई जनसभा। कुर्मी समाज के काफी लोग शामिल होकर केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी व सदर विधायक योगेश वर्मा का जोरदार स्वागत किया। केन्द्रीय गृहराज्यमंत्री ने कहा कि सरकार गरीबों के हित में कार्य कर रही है सभी को मालूम हो गया है कि फिर मोदी प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं औरअपने संबोधन में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा की भाजपा सरकार हर तरह के लोगों के लिए सफल रही है। हर माह मुफ्त राशन, पांच लाख तक इलाज फ्री है वहीं किसानों के लिए गन्ने का मूल्य बढ़ाया गया व समय समय पर गन्ने का भुगतान किया गया। सांसद प्रतिनिधि अरविंद सिंह संजय, कनक पाल सिंह राणा नागेन्द्र सिंह सेंगर, ब्लॉक प्रमुख अमनदीप सिंह, भगौती प्रसाद शुक्ला, संगम लाल मिश्रा, प्रधान केडी वर्मा, जिला पंचायत सदस्य संजय गिरि समेत हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

पूर्व कार्यवाहक डीजीपी विजय कुमार ने बीजेपी में शामिल

बांदा। उत्तर प्रदेश के पूर्व कार्यवाहक डीजीपी विजय कुमार ने बीजेपी जॉइन कर ली है। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार बीजेपी उन्हें लोकसभा चुनाव में टिकट देने की तैयारी में है। आपको यह बताते चलें कि विजय कुमार दस्यु सरगना ददुआ से सीधी टक्कर ली थी मुठभेड़ लेने के लिए प्रसिद्ध हैं। आपको यह भी बताते चलें कि उस समय वह 1994 में बांदा जनपद हुआ करता था चित्रकूट बांदा में ही लगता था उसे समय चित्रकूट अलग से जनपद नहीं था एसपी थे। मार्च के महीने में उनकी दस्यु सरगना ददुआ से मुठभेड़ हो गई थी। ददुआ उनकी गोली का शिकार होने से बाल.बाल बच गया था। उसे समय उनका सुरक्षा गार्ड इकबाल हुआ करता था वह आज भी बांदा जनपद की जैरली कोठी में आवास बनाकर रह रहा है अब वह रिटायर्ड हो चुका है उसने उसे समय की जो आप बीती सुनाई उसको सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं किस तरह से गैंग ने इन लोगों को घेर लिया था और दोनों तरफ से धुआंधार गोली चली थी वायरलेस मैसेज किया गया था की पुलिस अधीक्षक बांदा विजय कुमार एसपी ने दस्यु सम्राट ददुवा से सीधी टक्कर ले ली है उस समय इकबाल ने और एस पी विजय कुमार को झड़ियों में लेटकर गोलियां चलानी पड़ी थी उस दौरान सर का कुर्ता फट गया था, ददुआ का गिरोह जान बचाकर भागा और पहाड़ पर चढ़ गया। इसके बाद किसी तरह वह फायरिंग करते हुए भाग निकला। यहां से ट्रांसफर होने के बाद भी विजय कुमार का लगाव बांदा से बना रहा। उन्होंने पिछले 30 वर्षों में चित्रकूट और कालिंजर में शैलचित्रों की खोजबीन की और विभिन्न पदों पर रहते हुए यहां के कार्यक्रमों में भाग लिया। कुएं के पास गांववाले के वेश में छिपे थे विजय कुमार बात उन दिनों की है जब चित्रकूट अलग जिला न होकर बांदा में ही शामिल था। ददुआ का आतंक पाठा क्षेत्र में ज्यादा था। 1994 में बांदा के विजय कुमार एसपी बनकर आए। ददुआ और उसके गिरोह की खबर मिलने पर वह बहिलपुरवा और मानिकपुर के बीच घने जंगल में स्थित कुएं के ईदगिर्द डट गए। पुलिस को सूचना मिली थी कि ददुआ गिरोह कुएं में पानी पीने आ रहा है। दोपहर लगभग 3 बजे का समय था। एसपी विजय कुमार ने ग्रामीण वेशभूषा सफेद कुर्ता व पायजामा पहन रखा था। इन्हीं कपड़ों में उन्होंने एके 47 राइफल और पिस्टल छिपा रखी थी। साथ में उनका पुलिस गनर इकबाल अहमद भी सादी वर्दी में असलहों से लैस था। ददुआ गिरोह पहाड़ से उतरकर कुएं की तरफ बढ़ा ही थाए इसी दौरान क्षेत्राधिकारी ने कुछ जल्दबाजी राजनीति में आए तो बुंदेलखंड पर भी अब राजनीति में सक्रिय हो जाने पर बुंदेलखंड की राजनीति में भी व्यापक असर पड़ेगा। क्योंकि वह अनुसूचित जाति से आते हैंए इस क्षेत्र में इस वर्ग की आबादी अत्यधिक है।

बालिका से दुष्कर्म में अभियुक्त को आजीवन कारावास

फर्रुखाबाद। घर के बाहर टोस्ट लेनें गयी बालिका के साथ दुष्कर्म किये जानें के मामले में न्यायालय नें अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा और 1 लाख रूपये के अर्थदंड से दंडित किया है । बीते 21 मार्च 2023 को थाना जहानगंज के एक गाँव निवासी 9 वर्षीय पीड़िता की माँ नें मुकदमा दर्ज कराया। जिसमे कहा था कि 21 मार्च के दिन ही दोपहर 2. 45 बजे उसकी पुत्री पास में ही दुकान से टोस्ट लेनें गयी थी। उसी दौरान आरोपी प्रवीन कटियार पुत्र दिनेश चंद निवासी उस्मानगंज नें बालिका को शटर में बंद कर लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। जब बालिका घर पर आयी तो कपड़ो में खून लगा होनें पर जानकारी हुई तो उसने अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। मामले में पुलिस नें आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया, विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सुमित प्रेमी नें आरोपी प्रवीन को दोषी करार करते हुए आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है।

क्विक न्यूज

ट्रेन से कटकर महिला की मौत, कोहराम

फतेहपुर। खेत जा रही महिला किसान रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला के परिजनों को जानकारी हुई तो परिवार में कोहराम मच गया। औंग थाना क्षेत्र के शादीपुर गांव की रहने वाले राम बिहारी की 65 वर्षीय पत्नी जय दुलारी सुबह छह बजे के आसपास घर से खेत गेहूं काटने के लिए जा रही थीं। गांव के पास से निकली रेलवे लाइन पार करते समय अचानक ट्रेन आ जाने से महिला किसान हट नहीं सकी और ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। कुछ देर बाद जब ग्रामीणों की नजर पड़ी तो परिजनों को जानकारी दी। घर वालों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला के भतीजे गजेन्द्र विश्वकर्मा ने बताया कि गेहूं की कटाई का समय चल रहा है। घर के सभी लोग खेत गए थे। सुबह चाची खेत में गेहूं काटने के लिए गई थी तभी ट्रेन के चपेट में आने से मौत हो गई। चाची के दो बेटे और तीन बेटी हैं। थाना प्रभारी कांति सिंह ने बताया कि शव को पीएम के लिए भेजा गया है।

दरवाजे के बाहर संदिग्ध हालात में मिला किसान का शव

राठ (हमीरपुर)। क्षेत्र के धनौरी गांव में दरवाजे के बाहर एक किसान का शव संदिग्ध हालात में बरामद होने से सनसनी फैल गई। गांव के परशुराम कुशवाहा गांव बलकट पर खेत लेकर खेती करते थे। जिससे परिवार का भरण-पोषण होता था। मंगलवार को परशुराम खेत से घर के लिए निकल गए थे। सीढ़ियों के मृत अवस्था में पड़े थे। बताया कि गेट में लगे ताले पर चाबी लगी थी। गेट भी नहीं खुले हुए थे। परिवारीजनों का कहना है कि उनके सिरपर चोट लगी है। उन्होने छह दिन पहले गांव के एक व्यक्ति पर छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कराया था।

करंट से दो महिलाएं झुलसी

राठ। कस्बे के पठानपुरा मोहल्ला निवासी 26 वर्षीय अंजना पत्नी पप्पू बुधवार को फ्रिज की सफाई कर रही थी। तभी वह करंट की चपेट में आकर झुलस गई। स्वजन इलाज के लिए सीएचसी ले गए। वहीं इसी मोहल्ले की 35 वर्षीय तुलसा रानी पत्नी राजबहादुर करंट की चपेट में आकर झुलस गई।

फरार चल रहा युवक हुआ गिरफ्तार

खखरेरू (फतेहपुर)। थाना प्रभारी प्रमोद कुमार राव ने उप निरीक्षक अभिषेक कुमार यादव व हेड कांस्टेबल विजय कुमार शुक्ला के साथ मुखबिर की सूचना मु.अ.स. 55/2024 धारा 363, 366, 504, 506 मे नामजद अभियुक्त ओम प्रकाश प्रजापति उर्फचंद्र प्रकाश पुत्र सोहन लाल प्रजापति निवासी नगदीनपुर बरयेपुर थाना खखरेरू जो काफी समय से फरार चल रहा था, उसे भैरमपुर मोड से गिरफ्तार कर उसे न्यायालय भेजा गया जहां से जेल भेज दिया गया।

ईदगाह में आठ बजे होगी नमाज

फतेहपुर। चांद का दीदार करने के बाद शहरकाजी शहीदुल इस्लाम अब्दुल्ला ने बताया कि ईदगाह में निर्धारित समय प्रातः आठ बजे ईद की नमाज अदा की जाएगी। उन्होने मुस्लिम समुदाय के लोगों का आह्वान किया कि निर्धारित समय का ध्यान रखते हुए ईदगाह में नमाज अदा करने के लिए नमाजी पहुंचने का काम करें। पर्व को मिल-जुलकर आपसी भाईचारे के बीच मनाएं। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे।

रौनक ढाबा के पास से युवक लापता

पुखरायां। कानपुर देहात। महाराष्ट्र के कस्बा भिवंडी निवासी एक व्यक्ति ने भोगनीपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। व्यक्ति का आरोप है कि उसका पुत्र के दौलतपुर स्थित रौनक ढाबा के पास लापता हो गया है। महाराष्ट्र के भिवंडी निवासी अशोक कुमार ने बताया कि उसका पुत्र धर्म महाराष्ट्र से बस द्वारा आ रहा था। बस जैसे ही रौनक ढाबा चौराहे के पास रूकी उसका पुत्र धर्म भी बस से गायब हो गया। कई जगह तलाश किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला है। भोगनीपुर थाने में लापता होने की सूचना दर्ज करवाई है।

फायर ब्रिगेड ने बुझाई आग

लखीमपुर खीरी। बुधवार को लगभग 930 बजे फायरस्टेशन निघासन के अंतर्गत थाना. मझगई, ग्राम कामतापूरवा में रामकृष्ण सुरेंद्र अरविंद मनीराम, भारत, मनोज के छप्पर के बने घरों में आग लगी थी। जिसकी सूचना पर फायर स्टेशन निघासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आग को पूर्ण रूप से बुझाया गया। आग से जलकर 01 बकरी मर गई तथा 01 बकरी व 01 भैंस आंशिक रूप से घायल हो गई। छप्पर में रखा गैस सिलेंडर फट गया परंतु कोई जनहानि नहीं हुई।

एटीएम कार्ड बदलकर शातिरों ने निकाले 70 हजार

फतेहपुर। एटीएम कार्ड बदलकर शातिरों ने खाते से 70 हजार की रकम पार कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से शातिरों की तलाश कर रही है। सदर कोतवाली क्षेत्र के कटरा अब्दुलगनी निवासी सुशील कुमार त्रिवेदी ने बताया कि वह तीन मार्च को ज्वालागंज स्थित एसबीआई एटीएम बूथ पर पैसे निकालने गए थे। रकम निकालने के दौरान दो युवक आ गए और पर्ची निकालने को लेकर बहस करने लगे। शातिरों ने उसका एटीएम कार्ड बदलकर उसे दूसरा कार्ड दे दिया। शातिरों ने वर्मा चौराहा स्थित एटीएम बूथ से 30 हजार रुपया निकाल लिया लेकिन उनके मोबाईल पर रकम निकासी का कोई मैसेज नहीं आया। इसके बाद शातिरो ने दूसरे दिन बांदा मे कार्ड से 40 हजार रुपया और निकाल लिया। तब मोबाईल पर रकम निकासी का मैसेज आया तो उन्हें इसकी जानकारी हुई। पीड़ित ने तत्काल अपना एटीएम कार्ड ब्लाक करवाया और बैंक स्टेटमेन्ट निकाल कर मामले की शिकायत कोतवाली मे की।

पुलिस ने कच्ची शराब माफियाओं पर चलाया हंटर

● विभिन्न स्थानों से कच्ची शराब सहित पांच दबोचा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। सामान्य निर्वाचन लोकसभा चुनाव 2024 को सकुशल संपन्न करने के उद्देश्य से उच्चाधिकारियों के निर्देशन में कोतवाली पुलिस द्वारा कच्ची शराब का कारोबार करने वाले लोगों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। जहां से भारी मात्रा में कच्ची शराब बरामद करते हुए पांच लोगों को हिरासत में लेकर कार्रवाई की गई है।

मंगलवार की शाम उच्चाधिकारियों के निर्देशन एवं प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में कोतवाली के उपरीक्षक सुनील चौधरी ने गस्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर जलालाबाद अंडरपास से गुगरापुर की ओर जाने वाले मार्ग पर छापेमारी कर लाडपुर निवासी शिवचरण एवं बरगामा निवासी गुड्डू शर्मा के पास से 20-20 लीटर कच्ची शराब बरामद करते हुए हिरासत में ले लिया।

जबकि कोतवाली के उप निरीक्षक रोबिन सिंह ने हमराह सिपाहियों के साथ गस्त के दौरान टीवी हॉस्पिटल के निकट छापेमारी कर पिन्नी गिहार एवं सुमित गिहार के पास से 20-20 लीटर कच्ची शराब बरामद करते हुए हिरासत में ले लिया। उधर कोतवाली के उपरीक्षक राहुल पाल ने मुखबिर की सूचना पर हाईवे से ग्राम भूढा की ओर जाने वाले मार्ग पर छापेमारी कर ज्ञान सिंह यादव निवासी ग्राम सूलनपुर के पास से 20 लीटर कच्ची शराब बरामद करते हुए हिरासत में ले लिया। कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

चैत्र नवरात्रि पर्व पर मंदिरों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

गुरसहायगंज (कन्नौज)। चैत्र नवरात्रि पावन पर्व के द्वितीय दिवस पर नगर के सती माता मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में मॉ बृहमचारिणी की पूजा अर्चना करनें के लिये सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लग गई। वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गुप्ता ने पालिकाध्यक्षा मुन्नी देवी सहित श्रद्धालुओं के साथ विधि विधान से पूजा बंदना कर सुखसमृद्धि की कामना की।

बुधवार को नगर के चौराहा स्थित प्राचीन श्री राम मंदिर, पॉवर हाउस स्थित गंगेश्वरनाथ मंदिर, अफसरी स्थित प्राचीन काली देवी मंदिर, तिराहा स्थित संतोषी माता मंदिर, रामगंज स्थित माता मनसा देवी मंदिर, काली देवी मंदिर, सर्विस रोड स्थित सती माता मंदिर में महंत पंडित दीनबंधु पाठक द्वारा चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं के साथ वरिष्ठ समाजसेवी अशोक गुप्ता एवं पालिकाध्यक्षा मुन्नी देवी को विधि विधान से पूजा अर्चना संपन्न कराई गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर पूजा बंदना करने से जीवन में खुशहाली आती है। पंडित दीनबन्धु पाठक ने कहा कि मॉ बृहमचारिणी ध्यान, ज्ञान और वेराग्य की देवी हैं। वहीं सायं काल आरती में सैकड़ों महिला पुरुष श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इसके उपरान्त समाजसेवी ने श्रद्धालुओं को फल व मिष्ठान वितरित किए। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर नीरज मिश्रा, सुमित सक्सेना, मनोज गुप्ता, नवल गुप्ता, गंगा सिंह कुशवाहा, रानू गुप्ता, दीपक चक, कुलदीप बाथम, फूल सिंह सहित तमाम भक्तगण मौजूद रहे। महिला संगीत के दौरान मौजूद महिलाएं।

आरती करते समाजसेवी अशोक गुप्ता।

कांग्रेसी से भाजपाई बने देवेन्द्र प्रताप सिंह गौतम का पार्टी कार्यालय में हुआ जोरदार स्वागत

फतेहपुर। भाजपा कार्यालय में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे देवेंद्र सिंह गौतम को भाजपा का दामन थामने के बाद भाजपा जिला अध्यक्ष मुखलाल पाल के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष मुखलाल पाल ने देवेंद्र सिंह गौतम को पटका पहनाकर, तलवार भेंट कर तथा 51 किलो की माला पहनकर जोरदार स्वागत किया। देवी शंकर मिश्रा,वीरेंद्र सिंह, अचल सिंह, राम प्रताप सिंह भदोरिया, शिव प्रताप सिंह उर्फ पुत्तू एड., सुरेंद्र सिंह भदौरिया, जगमोहन सविता, मो. फरीद खान, राम प्रसाद सहित कई अन्य ने भी भाजपा का दामन थामा। जिनका जिला अध्यक्ष मुखलाल पाल ने माल्यार्पण कर भाजपा परिवार में स्वागत किया। देवेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि उनका जैसा स्वागत और सम्मान भाजपा कार्यालय में मिला, इतना कांग्रेस में पिछले 35 सालों में नहीं मिला।

भाजपा जिला अध्यक्ष मुखलाल पाल ने कहा कि जिस तरीके से भाजपा का कुनबा बढ रहा है, यह संकेत है कि पार्टी की नीतियों से सभी प्रभावित होकर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस तरह से सर्व समाज के लिए कार्य कर रहे हैं। इसी के चलते तमाम दूसरी पार्टियों के लोग भाजपा के साथ आ रहें हैं। खागा विधायक कृष्णा पासवान, पूर्व सदर विधायक विक्रम सिंह, जिला उपाध्यक्ष अपर्णा सिंह गौतम, शैलेंद्र रघुवंशी, ज्ञानेंद्र सचान, कोषाध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव धीरू, पिछडा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष अमित शिवहरे, जिला मंत्री मनोज मिश्रा, मीडिया सम्पर्क प्रमुख विवेक श्रीवास्तव, राम प्रताप सिंह गौतम, प्रदीप गर्ग, विजय लक्ष्मी साहू, जितेंद्र सिंह सेंगर उर्फपप्पू, पवन मिश्रा अभिषेक श्रीवास्तव, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ज्योति प्रवीण, विक्रम सिंह चंदेल, सुनील राजपूत, अभिषेक शुक्ला, स्वरूप राज सिंह जूली, अनुज दीक्षित, अतुल त्रिवेदी, विनोद गौतम, सभासद समाजसेवी सुनील गुप्ता आदि मौजूद रहे।

आगजनी व पथराव करने में छात्र नेता समेत समेत आरोपियों को तीन-तीन वर्ष की सुनायी सजा

हमीरपुर। छात्र की मौत के बाद हुई आगजनी और पथराव के मामले में शामिल तीन आरोपितों के खिलाफ दोष सिद्ध होने के बाद बुधवार को विशेष न्यायाधीश (डकैती) पीके जयंत ने तीनों आरोपितों को तीन-तीन वर्ष का कारावास व 25-25 हजार रुपये अर्थदंड लगाया है। सभी आरोपितों को पुलिस सुरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता सुभाष कुमार श्रीवास्तव ने बुधवार को बताया कि सुमेरपुर कस्बे के बस स्टैंड में बीती 31 अगस्त 2001 को कस्बा निवासी छात्र शिवप्रकाश वाहन का इंतजार कर रहा था। तभी उसे ट्रक ने कुचल दिया था। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही हमीरपुर एवं कस्बे के सैकड़ों छात्र मौके पर पहुंच गए। छात्रों की अगुवाई छात्र नेता राजेंद्र धमाका कर रहा था। उग्र छात्रों ने रोडवेज बस सहित कई वाहनों में आग लगा दी थी। पुलिस के ऊपर पथराव किया था। इस घटना के बाद पुलिस ने हवाई फायरिंग की थी, जिसमें सुमेरपुर निवासी दिनेश सोनकर की मौत हुई थी। पुलिस ने राजेंद्र धमाका सहित 18 लोगों को नामजद करके विवेचना शुरू की थी। दौरान विवेचना नौ और लोगों को शामिल कर आरोप पत्र कोर्ट में दाखिल किया गया। आरोप पत्र दाखिल होते ही नामजद आरोपी राजेंद्र धमाका फरार हो गया था। जिसे पुलिस ने बीती एक फरवरी को कानपुर से गिरफ्तार किया था। विशेष न्यायाधीश (डकैती) पीके जयंत ने मुकदमें की सुनवाई करते हुए आरोपित छात्र नेता राजेंद्र धमाका, डा.अनिल यादव और राजन गुप्ता के खिलाफ मंगलवार को ही दोषसिद्ध कर दिया है।

दो लुटेरे बदमाश गिरफ्तार कर जेल भेजे गए

फर्रुखाबाद। थाना जहानगंज पुलिस ने दो लुटेरे बदमाशों को गिरफ्तार कर आज बुधवार को जेल भेजने की कार्यवाही की। यह जानकारी आज बुधवार को पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने पुलिस लाइन सभागार में प्रेस वार्ता में देते हुए बताया कि जिले के शमशाबाद थाना क्षेत्र का निवासी युवक ओमप्रकाश अपनी पत्नी के साथ जव एक मोटरसाइकिल से 7 अप्रैल 2024 को फर्रुखाबाद- जहानगंज मार्ग पर काली नदी पुल के समीप पहुंचा तवही एक दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार आये दो लुटेरे बदमाशों ने राहगीर युवक ओमप्रकाश का लावा कंपनी का कीमती मोबाइल लूट लिया। कन्नौज जिले के कस्बा छिबरामऊ की ओर फरार होते समय इन लुटेरों की मोटरसाइकिल फिसलने से उनके चोट भी आई इधर मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक भोलेंद्र चतुर्वेदी ने अपने दल बल के साथ आज बुधवार पूर्वान्ह करीब 11.00 बजे थाना क्षेत्र के मधवापुर चौराहा के समीप से छापामारी करके जिले के कमालगंज थाना क्षेत्र के निवासी साहिल सिंह व हर्षित सिंह को धरदबोचा गया। इन पकड़े गए लुटेरे बदमाशों के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा लूट गया लावा कंपनी का कीमती मोबाइल बरामद करके आज जेल भेजने की कार्रवाई की गयी।

भारत में जो कुछ हो रहा है उसका असर पूरी दुनिया पर

भाषा। जयपुर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि आज भारत में होने वाले हर घटनाक्रम का असर पूरी दुनिया होता है। उन्होंने कहा कि आज का भारत आत्मविश्वास से भरा भारत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भारत ही नहीं, बल्कि देश के बाहर भी लोगों को भरोसा है। जयशंकर बीकानेर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा आयोजित प्रबुद्ध जन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा, हमें खुद मानना चाहिए... हमें आत्मप्रशंसा करनी चाहिए कि हम जो आज हैं... सुशासन हो या चुनाव हो, भारत में जो हो रहा है, इसका असर पूरी दुनिया पर है।

जयशंकर ने कहा, एक जमाने में लोग कहते थे कि लोकतंत्र होना अच्छी बात तो है लेकिन लोकतंत्र में कभी प्रगति नहीं होती।... हर चीज में बहुत समय लगता है, हम लोग बहस करते रहते हैं, कुछ निर्णय लेते नहीं हैं ....तो आज जो हम करके दिखा रहे हैं यह ऐसा लोकतंत्र जो परिणाम देता है। इसका महत्व आपको पहचानना होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थाई सीट का अवसर मिलने पर तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की स्पष्ट अनिच्छा को लेकर हुए विवाद के किस्से को भी याद किया, जो चीन को मिला। जयशंकर ने अपनी पुस्तक वाई इंडिया मैटर्स में इस प्रकरण पर लिखी पंक्तियों का जिक्र करते हुए कहा कि चीन का यूएनएससी का स्थाई सदस्य बनना एक अन्याय था। उन्होंने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, देशहित से ऊपर कुछ भी नहीं हो सकता।

हवाई अड्डे, मेट्रो, राजमार्ग, विश्वविद्यालय जैसे बुनियादी ढांचा क्षेत्र में गत दस साल में हुई प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, इसका असर दुनिया में भी बहुत गहरा है। दुनिया भी चाहती है कि भारत बढ़ते जाए। एक-दो देशों की सोच कुछ अलग होगी पर

अगर हमें इस रास्ते पर जाना है। विकसित भारत के तरफ जाना है तो मैं कहूंगा कि हमें सबसे पहले यह निर्णय लेना है कि पिछले दस साल के काम के आधार पर हम अगले 25 साल की तैयारी कैसे करें। मोदी की गारंटी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक गारंटी देश के अंदर है तो दूसरी देश के बाहर। उन्होंने कहा, आज कोई भी भारत का नागरिक हो, चाहे वह मजदूर हो, पेशेवर हो , पर्यटक हो , विद्यार्थी हो ...वह उस विश्वास के साथ भारत से बाहर जाता है कि कोई भी आपदा आएगी तो मोदी सरकार मेरे साथ हर हालत में हर समय खड़ी रहेगी। उन्होंने कहा, यह जो विश्वास है, इसकी कीमत मैं आपको बता नहीं सकता।

जयशंकर ने कहा कि आज का भारत यह एक आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है।यूक्रेन-रूस युद्ध का जिक्र करते हुए उन्होंने, एक तो वहां से अपने विद्यार्थियों को निकालने की समस्या थी। पर उसके बाद जो बड़ी चुनौती तेल की थी। सब पश्चिमी देशों का दबाव था कि हम रूस से तेल न लें। पर हमने जो किया अपने राष्ट्रहित को केंद्र में रखते हुए किया। अगर हम नहीं करते तो आप ही सोचिए कि उस समय देश में पेट्रोल की कीमत कितनी बढ़ती। उन्होंने कहा, ऐसी परिस्थितियां आती रहेंगी। कल रूस एवं तेल था। हम अनुच्छेद 370 या सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) की बात करते हैं। मैं आपको यह भी बताना चाहूंगा कि ऐसे विषयों पर भी बाकी देश हम पर दबाव डालने की कोशिश करते हैं...लेकिन वे असफल हैं। पर यह नहीं समझिए कि ऐसी कोशिश नहीं हुई थी। इससे पहले जयशंकर ने मीडिया से भी बात की। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता नहीं मिली, उसके लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री नेहरू ही जिम्मेदार है, तो उन्होंने कहा, मैंने यह कहा है। मैंने केवल कहा ही नहीं बल्कि मैंने लिखा भी है। हाल में मेरी एक किताब व्हाई भारत मैटर्स आई है और जो मैंने कहा एवं लिखा है, वह मैंने अपनी सोच से नहीं लिखा। मैं रिकॉर्ड पर जा रहा हूं कि पंडित नेहरू का (इस बारे में) एक पत्र है..। भारत की विदेश नीति में बदलाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, मैं आपको कह सकता हूं कि पिछले दस साल कुछ अलग ही समय रहा है। अगर आपको तुलना करनी है तो आप देखिए कि मुंबई (आतंकी हमलों) का जवाब क्या था और उरी व बालाकोट में जवाब क्या है?

वानखेड़े के खिलाफ अनियमितताओं के गंभीर आरोप, इसलिए जांच शुरू की गई: एनसीबी

भाषा। मुंबई

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने बंबई उच्च न्यायालय को बताया है कि उसके पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े के खिलाफ अनियमितताओं के गंभीर और संगीन आरोप हैं और इसलिए उनके खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू की गई है। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मादक पदार्थ मामले में अनियमितताओं पर एनसीबी की प्रारंभिक जांच को लेकर वानखेड़े को जारी नोटिस को चुनौती देने वाली उनकी याचिका के जवाब में एजेंसी ने पिछले हफ्ते अपना हलफनामा दायर किया। एनसीबी के उपमहानिदेशक संजय सिंह की ओर से दायर हलफनामे में वानखेड़े की याचिका को खारिज करने की मांग की गई है, जिसमें दावा किया गया है कि वह"फोरम हंटिंग" (किसी मंच का अपने फायदे के लिए दुरुपयोग करने) और उनके खिलाफ शुरू जांच में देरी करने और लंबा खींचने का प्रयास कर रहे थे।

एक अप्रैल को न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने एनसीबी के इस आश्वासन को स्वीकार कर लिया था कि वानखेड़े की याचिका पर सुनवाई होने तक उन्हें कोई और नोटिस जारी नहीं किया जाएगा। अदालत ने तब एजेंसी को वानखेड़े की याचिका पर अपना हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया था। एनसीबी ने अपने हलफनामे में कहा कि वानखेड़े ने एक ही मुद्दे पर कई मुकदमे दायर किए हैं, जिनमें केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के समक्ष दायर एक मामला भी शामिल है। हलफनामे के अनुसार, हालांकि कैट ने उनके मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

हलफनामे में कहा गया है, याचिकाकर्ता (वानखेड़े) ने प्रारंभिक जांच से बचने के लिए कई मुकदमे दायर किए हैं। याचिकाकर्ता, विभिन्न मंचों के समक्ष कई मुकदमे दायर करके जांच को लंबा खींच रहा है और सुनवाई में देरी कर रहा है"।

एजेंसी ने अपने हलफनामे में कहा कि वानखेड़े के खिलाफ अनियमितताओं की जो शिकायतें मिली हैं, वे"गंभीर और संगीन" हैं। एजेंसी ने वानखेड़े के इन दावों का भी खंडन किया कि जांच गुमनाम शिकायतों के आधार पर शुरू की गई थी। हलफनामे में कहा गया है, याचिकाकर्ता (वानखेड़े) के खिलाफ लगाए गए गंभीर आरोपों को ध्यान में रखते हुए, उनके खिलाफ जांच करना और आरोपों की सत्यता का पता लगाने के लिए उन्हें पेश होने का निर्देश देना जरूरी समझा गया था।

सुक्खू की जगह लेने को कांग्रेस के तीन नेता कतार में : जयराम

शिमला (भाषा)। हिमाचल प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने बुधवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को बदलने के लिए कांग्रेस के तीन नेता कतार में हैं। सोलन में पत्रकारों से बात करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा में बहुमत होने के बावजूद राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की हार यह संकेत देती है कि लोगों को मुख्यमंत्री के नेतृत्व पर भरोसा नहीं है और सरकार में बदलाव तय है। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ दल के नेतृत्व ने राज्यसभा चुनाव के बाद हिमाचल प्रदेश का दौरा किया और टिप्पणी की है कि मुख्यमंत्री राज्य में चीजों को प्रबंधित करने में असफल रहे हैं और एक नए नाम पर विचार-विमर्श होना चाहिए। ठाकुर ने कहा कि लोकसभा चुनाव नजदीक थे, इसलिए कांग्रेस नेताओं को इंतजार करने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेताओं को उम्मीद है कि सुक्खू को हटा दिया जाएगा और उन्हें मौका मिलेगा। हिमाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस के लिए चौंकाने वाले उलटफेर में भाजपा ने राज्य की एकमात्र राज्यसभा सीट जीत ली और उसके उम्मीदवार हर्ष महाजन ने कांग्रेस के दिग्गज अभिषेक मनु सिंघवी को हरा दिया।पूर्व मुख्यमंत्री ठाकुर ने दावा किया कि राज्य की मौजूदा स्थिति के लिए सुक्खू जिम्मेदार हैं और उन्हें भाजपा को दोष देना बंद करना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि हिमाचल प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और मंडी से मौजूदा सांसद प्रतिभा सिंह ने कहा है कि पार्टी कार्यकर्ता हतोत्साहित हैं। मंडी लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार कंगना रनौत के गोमांस नहीं खाने संबंधी टिप्पणी के बारे में ठाकुर ने कहा कि जब उन्होंने ऐसा कह दिया है, तो मामला वहीं खत्म हो जाता है। उन्होंने कहा, क्या किसी ने कंगना को गोमांस खाते हुए देखा है?

ईडी ने कहा: माकपा का त्रिशूर में 80 अघोषित बैंक खातों व 100 अचल संपत्तियों से संबंध

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर दावा किया है कि धनशोधन से संबंधित जांच में पाया गया है कि केरल में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पास लगभग 80 अघोषित बैंक खाते और लगभग 100 अघोषित अचल संपत्तियां हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। संघीय जांच एजेंसी ने कहा कि त्रिशूर स्थित करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक से संबंधित जांच के दौरान उसे इन संपत्तियों का पता चला, जिसमें उसने माकपा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री ए सी मोइदीन से पूछताछ की थी। आधिकारिक सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि एजेंसी ने निर्वाचन आयोग को सूचित किया है कि पार्टी करीब 80 अघोषित बैंक खातों से संबद्ध है, जिनमें करीब 25 करोड़ रुपए जमा हैं।

ईडी ने दावा किया है कि इन बैंक खातों में मिली जमा राशि मुख्य रूप से नकदी में भेजी गई थी। इसने चुनाव आयोग को यह भी सूचित किया है कि पार्टी के पास त्रिशूर जिले में कार्यालय भवनों के रूप में लगभग 100 अघोषित अचल संपत्तियां हैं। एजेंसी ने चुनाव आयोग को दी गई अपनी रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि इन बैंक खातों और कार्यालयों का इस्तेमाल माकपा द्वारा राजनीतिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

एजेंसी को संदेह है कि इन चल और अचल संपत्तियों की जानकारी पार्टी द्वारा जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निर्वाचन आयोग और आयकर विभाग को नहीं दी गई है। सूत्रों ने कहा कि चुनाव आयोग ने आयकर विभाग के प्रशासनिक प्राधिकरण केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को ईडी द्वारा उसे बताए गए इन आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, ईडी को संदेह है कि पार्टी के पास राज्य के कुछ अन्य जिलों में भी ऐसी संपत्ति है और उसने इस संदर्भ में अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है। ईडी द्वारा पिछले साल नवंबर में करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक से जुड़ी धनशोधन जांच के तहत कुल 55 आरोपी संस्थाओं के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था।

एजेंसी ने अभियोजन शिकायत (धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत दायर आरोप पत्र) में अदालत को यह भी बताया था कि उसने इस मामले में अब तक लगभग 100 करोड़ रुपए की 120 से अधिक संपत्तियां कुर्क की हैं। एजेंसी ने इस आरोपपत्र में मोइदीन का नाम नहीं लिया था। धनशोधन मामले में केरल पुलिस (अपराध शाखा) द्वारा दर्ज की गई 16 प्राथमिकियों से उपजा है। त्रिशूर स्थित माकपा नियंत्रित बैंक में 2010 में शुरू हुए कथित धोखाधड़ी के इस मामले ने राज्य में राजनीतिक विवाद पैदा कर दिया था, वामपंथी पार्टी ने कहा था कि उसने कोई गलत काम नहीं किया है।

भोजपुरी गायक व अभिनेता पवन सिंह ने बिहार के काराकाट से चुनाव लड़ने की घोषणा की

नई दिल्ली। भाजपा के नेता और भोजपुरी फिल्मों के गायक-अभिनेता पवन सिंह ने बुधवार को बिहार के काराकाट संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा की। वे किसी पार्टी के चुनाव चिह्न पर या फिर निर्दलीय ही राजनीति के मैदान में उतरेंगे। सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, माता गुरुतरा भूमेरू अर्थात माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं और मैंने अपनी मां से वादा किया था, कि मैं इस बार चुनाव लड़ूंगा। मैंने निश्चय किया है कि मैं 2024 का लोकसभा चुनाव काराकाट, बिहार से लड़ूंगा। भाजपा ने सिंह को आसनसोल से अपना उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्होंने इस सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। बिहार में भाजपा का जनता दल (यूनाईटेड), पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाले हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के साथ गठबंधन है।

नवरात्र में मछली खाने को लेकर आलोचना के घेरे में आए राजद नेता तेजस्वी

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव बुधवार को सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक कथित वीडियो को लेकर आलोचनाओं के घेरे में आ गए। इस वीडियो में वह कथित रूप से नवरात्र के दौरान हेलीकॉप्टर में मछली खाते नजर आ रहे हैं। यह वीडियो राजद नेता ने आठ अप्रैल को पोस्ट किया था। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किए गए उक्त वीडियो में पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी के साथ हेलीकॉप्टर में दोपहर का भोजन करते नजर आ रहे हैं। तेजस्वी और सहनी वीडियो में मछली और रोटी खाते दिखे। राजद नेता ने आठ अप्रैल को उक्त वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा था, चुनावी भागदौड़ एवं व्यस्तता के बीच हेलीकॉप्टर में भोजन। चुनाव प्रचार के दौरान जो 10-15 मिनट मिलते हैं, उसमें वह खाना खा लेते हैं। वीडियो में सहनी ने मिर्च दिखाकर विरोधियों पर तंज कसते हुए कहा, हमारा वीडियो देखकर बहुतों को मिर्ची लगेगी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने यादव को मौसमी सनातनी बताते हुए उनपर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिन्हा ने बुधवार को एक वीडियो संदेश में तुष्टीकरण की राजनीति करने के लिए तेजस्वी की आलोचना की और उन्हें मौसमी सनातनी कहा। सिन्हा ने कहा, वे (राजद के नेता) मौसमी सनातनी हैं और यह नहीं जानते कि सनातन धर्म की प्रथाओं का पालन कैसे किया जाए। मुझे लोगों के खान-पान पर कोई आपत्ति नहीं है.... लेकिन श्रावण मास में मटन और नवरात्र में मछली का सेवन करना एक सच्चे सनातनी का खान-पान नहीं हो सकता। यह सब करके वे तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। सिन्हा ने पिछले साल की एक घटना का भी जिक्र किया जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लालू प्रसाद के दिल्ली आवास पर भोजन किया था (श्रावण के महीने के दौरान मटन की दावत)। भाजपा नेताओं की उक्त टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए यादव ने कहा, भाजपाइयों और गोदी मीडिया के भक्तों के आईक्यू का टेस्ट लेने के लिए ही हमने यह वीडियो डाला था और हम अपनी सोच में सही भी साबित हुए। ट्वीट में दिनांक लिखा हुआ है, लेकिन बेचारे अंधभक्तों को क्या मालूम। आखिर में सहनी जी द्वारा मिर्ची लगने का भी जिक्र किया गया है।

जेट एयरवेज के संस्थापक को स्वास्थ्य आधार पर जमानत देने से अदालत का इनकार

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को धनशोधन मामले में स्वास्थ्य के आधार पर जमानत देने से बुधवार को इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि कैंसर से पीड़ित 74 वर्षीय गोयल की अस्पताल में उचित देखभाल की जा रही है, जहां वह भर्ती हैं। अदालत ने फरवरी में गोयल को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था,लेकिन उन्हें अपनी पसंद के किसी अस्पताल में उपचार कराने की अनुमति दे दी थी। बुधवार को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अधिनियम के तहत आने वाले मामलों के लिए विशेष न्यायाधीश एम. जी. देशपांडे ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बंद हो चुकी गोयल की एयरलाइन कंपनी जेट एयरवेज को केनरा बैंक द्वारा दिए गए 538.62 करोड़ रुपए के ऋण में हेरफेर के आरोप में सितंबर 2023 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

संदेशखालि मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने को ईरानी ने न्याय की दिशा में पहला कदम बताया

नई दिल्ली। भाजपा की नेता और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराधों और जमीन कब्जा करने के आरोपों की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश का स्वागत किया और कहा कि यह पीड़ितों को न्याय दिलाने की दिशा में पहला कदम है।

मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवज्ञानम की अगुवाई वाली खंडपीठ ने कहा कि जांच अदालत की निगरानी में की जाएगी। साथ ही, उन्होंने सीबीआई को राजस्व रिकॉर्ड का गहन निरीक्षण और कथित रूप से भू-उपयोग परिवर्तन का निरीक्षण करने के बाद एक व्यापक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। आरोपों के अनुसार, मछली पालन के लिए कृषि-जोत भूमि के उपयोग को जल निकायों में अवैध रूप से परिवर्तित किया गया। अदालत ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन हड़पने के आरोपों की जांच करे और सुनवाई की अगली तारीख पर एक व्यापक रिपोर्ट पेश करे। ईरानी ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैं अदालत के आदेश का स्वागत करती हूं। संदेशखालि की महिलाओं और खासकर गरीब महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में यह पहला कदम है। तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता शाहजहां शेख संदेशखालि में कथित यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के मामलों में एक प्रमुख आरोपी हैं। उन्हें राशन वितरण घोटाला मामले की जांच के तहत पांच जनवरी को इलाके में छापेमारी कर रहे प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमले के सिलसिले में फरवरी में गिरफ्तार किया गया था।

उच्च न्यायालय ने संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सीबीआई जांच के आदेश दिए

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराध और भूमि पर कब्जा करने के आरोपों की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने के बुधवार को आदेश दिए। हाल में इन आरोपों को लेकर संदेशखालि में व्यापक प्रदर्शन हुए थे। मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवज्ञानम की अगुवाई वाली खंडपीठ ने कहा कि जांच अदालत की निगरानी में की जाएगी। साथ ही, उन्होंने सीबीआई को राजस्व रिकॉर्ड का गहन निरीक्षण और कथित रूप से भू-उपयोग परिवर्तन का निरीक्षण करने के बाद एक व्यापक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

मछली पालन के लिए कृषि भूमि के उपयोग को जल निकायों में अवैध रूप से परिवर्तित किया गया। अदालत ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन हड़पने के आरोपों की जांच करे और सुनवाई की अगली तारीख पर एक व्यापक रिपोर्ट पेश करे। खंडपीठ में न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य भी शामिल थे। पीठ ने निर्देश दिया कि मामले की सुनवाई दो मई को फिर से की जाएगी और इसी दिन सीबीआई को रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा गया है।

ईडी के अधिकारियों पर पांच जनवरी को भीड़ ने उस समय हमला किया था, जब वे राशन वितरण घोटाला मामले में तृणमूल कांग्रेस नेता (अब निलंबित) शाहजहां शेख के परिसर की तलाशी के लिए संदेशखालि गए थे। अदालत ने आदेश सुनाते हुए कहा कि एजेंसी द्वारा निष्पक्ष जांच किए जाने की जरूरत है जिसके पास उस आपराधिक पहलू की जांच करने की शक्ति है ,जैसे आरोप लगाए जा रहे हैं। अदालत ने कहा, न्याय और निष्पक्षता के हित में और विभिन्न शिकायतों और आरोपों पर शीघ्र विचार के लिए निष्पक्ष जांच की जानी आवश्यक है।

राज्य को सीबीआई को उचित मदद मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। अदालत ने इस बात पर गौर कियाा कि याचिकाकर्ताओं ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अगुवाई में एक जांच समिति गठित करने की मांग की है। खंडपीठ ने कहा कि आरोपों की प्रकृति को देखते हुए उसने सीबीआई से जांच कराने का निर्णय लिया है। याचिककार्ता-वकील प्रियंका टिबरेवाल द्वारा हलफनामे के रूप में लगभग 600 शिकायतें अदालत के समक्ष प्रस्तुत की गई थीं, जिनमें कथित तौर पर यौन अत्याचार, भूमि पर कब्जा, हमले और संपत्ति को नष्ट करने जैसे अन्य अपराध शामिल हैं। अदालत ने कहा कि गोपनीयता बनाए रखने के लिए जांच एजेंसी शिकायत दर्ज करने के वास्ते एक पोर्टल अथवा ईमेल आईडी बनाएगी।

क्रिप्टोकरेंसी में आकर्षक लाभ का वादा कर एमबीए के छात्र से की 23 लाख की ठगी

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर के एक कॉलेज से एमबीए कर रहे 28 वर्षीय एक व्यक्ति को क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के बदले आकर्षक लाभ का वादा करने के बाद उससे कथित तौर पर 23 लाख रुपए की ठगी की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। वाठोडा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि एक जालसाज ने खुद को निवेश सलाहकार बताते हुए 17 नवंबर, 2023 को टेलीग्राम मैसेजिंग मंच के जरिए छात्र से संपर्क किया। उस व्यक्ति ने पश्चिम बंगाल के हुगली के रहने वाले छात्र को अच्छा लाभ दिलाने का वादा करते हुए एक क्रिप्टोकरेंसी योजना में निवेश करने को कहा। अधिकारी ने कहा कि छात्र ने शुरू में व्यक्ति द्वारा बताए गए बैंक खाते में 1,000 रुपए जमा किए, जिसके बदले में उसने 1,400 रुपए प्राप्त किए, जिससे योजना में उसका विश्वास मजबूत हुआ। कुछ समय बाद छात्र ने जालसाज द्वारा किए वादे के मुताबिक मुनाफा पाने की उम्मीद में खाते में कुल 23 लाख रुपए जमा कर दिए। अधिकारी ने कहा छात्रा को जालसाज द्वारा किए गए वादे के मुताबिक ना तो लाभ मिला और ना ही निवेश की गई राशि वापस मिली है। छात्र की शिकायत के आधार पर वाठोडा पुलिस ने मंगलवार को भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया और इसकी जांच कर रही है।

पेज 1 का शेष

आप की...

उन्होंने कहा, वे (आप) हर प्रेस कॉन्फ्रेंस, हर सरकारी कार्यालय में बाबासाहेब (अंबेडकर) की तस्वीर लगाते हैं, लेकिन जब उनके आदर्शों का पालन करने की बात आती है आरक्षण कानून द्वारा अनिवार्य है, लेकिन जब वास्तविक प्रतिनिधित्व की बात आती है - हमारे 13 सांसदों में से एक भी दलित या पिछड़े समुदाय से नहीं है। अपने इस्तीफे के समय के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में आनंद ने कहा, यह समय के बारे में नहीं है। कल तक हम यही समझ रहे थे कि हमें फंसाया जा रहा है, लेकिन उच्च न्यायालय के फैसले के बाद ऐसा लगता है कि कुछ गड़बड़ है।

केजरीवाल...

जिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता..। लोकसभा चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल को झटका देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने उनकी उस याचिका को मंगलवार को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी।

दक्षिण में...

के लिए एक युवा आइकन और रोल मॉडल हैं। वह भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी थे। लेकिन द्रमुक नेता को नहीं पता कि अन्नामलाई कौन हैं। मेरे प्यारे दोस्तों, यही असली द्रमुक है। द्रमुक नेता अन्नामलाई को पसंद नहीं करते क्योंकि वह बुद्धिमान, कुशल और लोगों के प्रति समर्पित हैं। द्रमुक को पिछड़े समुदाय के प्रतिनिधि का राजनीतिक और सामाजिक पदानुक्रम में ऊपर उठना पसंद नहीं है। तमिलनाडु में इस तरह का अहंकार अनसुना है। तमिलनाडु के लोग अपने लोगों को इस तरह का और अपमान नहीं करने देंगे। मोदी ने द्रमुक द्वारा अपनाई गई वंशवाद की राजनीति की आलोचना की और इसे वंशवादी पार्टी करार दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, द्रमुक किसी भी युवा को अनुमति नहीं देगी जो उसके वर्चस्व और आधिपत्य को चुनौती दे सकता है। यह एक ऐसी पार्टी है जिसमें पिता अपने बेटे को अपने उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त करता है और पिता अपने बेटे को अपने उत्तराधिकारी के रूप में राज्याभिषेक करता है। कोई आश्चर्य नहीं, द्रमुक को एक भ्रष्ट इकाई और पारिवारिक उद्यम के रूप में दर्जा दिया गया है। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत राज्य के लोगों की वीरता को श्रद्धांजलि देकर की। मोदी ने वेल्लोर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, लोगों का स्नेह अपार है। यह इस बात का संकेत है कि तमिलनाडु की राजनीति किस दिशा में जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि द्रमुक नफरत और विभाजनकारी राजनीति में लिप्त है। यह भ्रष्टाचार का पर्याय है। द्रमुक को राज्य के विकास की कोई चिंता नहीं है। कांग्रेस और द्रमुक दोनों पारिवारिक पार्टियां हैं। भ्रष्टाचार पर पहला कॉपीराइट द्रविड़ पार्टी का है और परिवार राज्य को लूटने पर आमादा है। द्रमुक लोगों को भाषा, क्षेत्र, आस्था और जाति के आधार पर बांटती है। द्रमुक जानती है कि जिस दिन लोग इसे समझ जाएंगे, उसे एक भी वोट नहीं मिलेगा। मैंने द्रमुक द्वारा खेली गई दशकों पुरानी खतरनाक राजनीति को उजागर करने का फैसला किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार राज्य से सक्रिय धार्मिक कट्टरपंथियों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कोयंबटूर में एक मंदिर के बाहर हाल ही में हुए आतंकी हमले का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, द्रमुक भ्रष्टाचार और घोटाले का दूसरा नाम है। आज देश 5जी में विश्व रिकॉर्ड बना रहा है, लेकिन द्रमुक ने 2जी घोटाले के जरिए देश को बदनाम किया।

नवाचार से उद्यमिता की ओर कदम बढ़ा रहे विद्यार्थी

श्रावस्ती। भारत सरकार की संस्था राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद तथा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड एडवांस्ड स्टडीज के सहयोग से विद्यार्थी नवाचार से उद्यमिता की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। जिले के 10 कॉलेजों में विशेषज्ञों से सहयोग से बच्चे नवाचार के द्वारा उद्यम स्थापित करने हेतु अपने को तैयार कर रहे हैं। इसी तरह का पहला नवाचार प्रेरक शिविर राजकीय इंटर कालेज गब्बापुर सिरसिया, श्रावस्ती में आयोजित किया गया। इसमें कालेज के प्राचार्य हरि प्रताप पांडेय के अतिरिक्त आंचलिक विज्ञान नगरी लखनऊ के शिक्षाधिकारी रामकुमार, प्रख्यात विज्ञान संचारक डॉ. वीपी सिंह व अन्य विशेषज्ञों ने वैज्ञानिक व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

आंचलिक विज्ञान नगरी के अभय कृष्ण और अनिल कुमार श्रीवास्तव ने तोड़ फोड़ के जोड़ के अंतर्गत दैनिक जीवन में काम आने वाले उपकरणों की कार्यप्रणाली बहुत ही सरल वैज्ञानिक ढंग से प्रयोग करके दिखाई। उन्होंने इन उपकरणों के पीछे छिपे विज्ञान के बारे में भी बताया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने काफी रुचि ली। इसके साथ ही यहां विद्यार्थियों को समाज के लिए उपयोगी प्रोजेक्ट तैयार करना और विज्ञान के नए-नए मॉडल बनाना भी सिखाया गया। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले के राजकीय इंटर कालेज गब्बापुर सिरसिया, राजकीय हाईस्कूल पिपरहवा सिरसिया, राजकीय हाईस्कूल भचकाही, राजकीय हाईस्कूल सिमरा टिटिहिरिया, राजकीय हाईस्कूल एकघरवा, राजकीय हाईस्कूल टगपसरी, राजकीय हाईस्कूल बालनपुर, तपसी इंटर कालेज सेमरहना, राजेंद्रदास जनजाति इंटर कालेज मसहाकला, अबू आसिम आजमी इंटर कालेज परसोहना, श्री त्रयम्केश्वर इंटर कालेज डगमरामोड सिरसिया में विद्यार्थी नवाचार से उद्यमिता की ओर जाने को तैयार किए जा रहे हैं। उद्यमिता की ओर नवाचार के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में जनजातीय बच्चों को सशक्त बनाने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में संतोष कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एंटनी ने उत्तर प्रदेश की किसी सीट से राहुल या प्रियंका के चुनाव लड़ने के संकेत दिए

भाषा। तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ए. के. एंटनी ने बुधवार को संकेत दिया कि राहुल गांधी या प्रियंका गांधी वाद्रा में से कोई एक उत्तर प्रदेश की किसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। एंटनी ने एशियानेट न्यूज चैनल को एक साक्षात्कार में कहा, आप अमेठी और रायबरेली को लेकर फैसले का इंतजार करें। अटकलें न लगाएं। गांधी परिवार का एक सदस्य उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या रॉबर्ट वाद्रा उम्मीदवार होंगे, तो उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ऐसा नहीं होगा। पूर्व रक्षा मंत्री ने कहा कि देश की धर्मनिरपेक्ष पार्टियों को गांधी परिवार पर पूरा भरोसा है। एंटनी का यह बयान कभी गांधी परिवार का गढ़ माने जाने वाले रायबरेली और अमेठी के लिए कांग्रेस की ओर से उम्मीदवारों की घोषणा में देरी के बीच आया है।

पायनियर
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 11 अप्रैल, 2024

शरणार्थी बेधड़क नागरिकता के लिए आवेदन करें, ममता गुमराह कर रही हैं: अमित शाह

भाषा। बालुरघाट

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) को लेकर लोगों को गुमराह करने और वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों की मदद करने का आरोप लगाया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शरणार्थियों को किसी आशंका बिना के नागरिकता के लिए आवेदन करना चाहिए। लोकसभा चुनाव घोषित होने के बाद पहली बार बंगाल आए शाह ने बालुरघाट में एक चुनावी रैली में शाह ने भूपतिनगर बम विस्फोट मामले में दोषियों को बचाने की कोशिश करने और राष्ट्रीय अन्वेषण अधिकरण (एनआईए) अधिकारियों के खिलाफ मामले दर्ज पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार को आड़े हाथ लिया।

उन्होंने कहाकि ममता दीदी नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के बारे में लोगों को गुमराह कर रही हैं। वह कह रही है कि आपने यद आवेदन पत्र भरा तो आपकी नागरिकता छिन जाएगी। वह शरणार्थियों को नागरिकता देने के विरूद्ध क्यों हैं? मैं आपसे यह कहने के लिए आया हूं कि सभी शरणार्थियों को किसी भय के बिना आवेदन करना चहिए, सभी को नागरिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा, इस देश में आपका भी उतना ही अधिकार है जितना मेरा। शरणार्थियों को नागरिकता देना हमारी प्रतिबद्धता है। केंद्र ने पिछले महीने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 लागू किया था। इसमें 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को शीघ्रता से भारतीय नागरिकता दिए जाने का प्रावधान है।

उत्तर 24 परगना के संदेशखालि में हाल की घटनाओं का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि यह शर्म की बात है कि ममता बनर्जी ने एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद दोषियों को बचाने की कोशिश की। संदेशखालि में तृणमूल नेताओं के खिलाफ यौन शोषण के आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा आप एक महिला मुख्यमंत्री हैं और संदेशखालि में हुई घटनाओं पर राजनीति कर रही हैं। वर्षों तक आपकी नाक के नीचे उत्पीड़न होते रहे और जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) टीएमसी के गुंडों को गिरफ्तार करने गई, तो उन पर पथराव किया गया। तुष्टिकरण के माध्यम से कुछ वोट पाने के लिए आप संदेशखालि के अपराधियों को बचा रही हैं।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने खतरनाक कुत्तों पर पाबंदी लगाने वाले केंद्र के निर्देश को पलटा

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कुत्तों की कुछ नस्लों के आयात, प्रजनन और बिक्री पर प्रतिबंध लगाने वाले केंद्र सरकार के निर्देश को बुधवार को पलट दिया। पशुपालन मंत्रालय के अंतर्गत एक विशेषज्ञ समिति ने कुत्तों की कुछ नस्लों को खतरनाक करार दिया है। अदालत ने इस तरह की पाबंदी लागू करने से पहले पशु पालकों और प्रासंगिक संगठनों से संपर्क करने के महत्व को उजागर किया और पालतू जानवर द्वारा नुकसान पहुंचाने पर उनके मालिकों की जिम्मेदारी और उनके द्वारा खर्च वहन किए जाने पर जोर दिया। पशुपालन मंत्रालय के 13 मार्च के निर्देश में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को संभावित रूप से खतरनाक नस्ल के रूप में चिह्नित कुत्तों की पिटबुल टेरियर, टोसा इनु जैसी अन्य नस्लों से जुड़ी गतिविधियों के लिए लाइसेंस या अनुमति नहीं देने को कहा था। केंद्र ने यह निर्णय कुत्तों के घातक हमलों की कई घटनाओं के कारण लिया।

वैज्ञानिक प्रामाणिकता को बढ़ावा देने से होम्योपैथी में लोगों का विश्वास दृढ़ होगा : द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि होम्योपैथी की स्वीकार्यता एवं लोकप्रियता को और बढ़ाने में अनुसंधान एवं दक्षता की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुर्मू ने विश्व होम्योपैथी दिवस पर यहां केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए कहा कि होम्योपैथी को कई देशों में एक सरल और सुलभ उपचार पद्धति के रूप में अपनाया गया है। भारत में होम्योपैथी के प्रचार-प्रसार में योगदान देने के लिए आयुष मंत्रालय, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान और इस प्रकार के अन्य संस्थानों की सराहना की और कहा कि पूरी दुनिया में कई संस्थान अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर होम्योपैथी को बढ़ावा दे रहे हैं।

मुर्मू ने कहा, 21वीं सदी में अनुसंधान का महत्व लगातार बढ़ रहा है और इसीलिए इस संगोष्ठी का विषय अनुसंधान को सशक्त बनाना, दक्षता बढ़ाना बहुत प्रासंगिक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अनुसंधान और दक्षता होम्योपैथी की स्वीकार्यता और लोकप्रियता को और बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि कई लोग उन लोगों के अनुभवों के बारे में बताते हैं जिन्हें अन्य उपचार पद्धतियों को आजमाने के बाद अंततः होम्योपैथी से लाभ हुआ है। मुर्मू ने कहा, लेकिन ऐसे अनुभवों को वैज्ञानिक समुदाय में तभी मान्यता मिल सकती है जब उन्हें तथ्यों और विश्लेषण के साथ प्रस्तुत किया जाए। बड़े पैमाने पर किए गए ऐसे तथ्यात्मक विश्लेषण को प्रामाणिक चिकित्सकीय अनुसंधान कहा जाता है। वैज्ञानिक तरीकों को प्रोत्साहित करने से इस चिकित्सकीय प्रणाली में लोगों का विश्वास और बढ़ेगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि स्वस्थ लोग स्वस्थ समाज का निर्माण करते हैं और स्वस्थ समाज की नींव पर ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने कहा, वैज्ञानिक वैधता प्रामाणिकता का आधार बनती है। प्रामाणिकता से स्वीकार्यता और लोकप्रियता दोनों बढ़ेगी। अनुसंधान को सशक्त बनाने और दक्षता बढ़ाने के आपके प्रयास होम्योपैथी को बढ़ावा देने में लाभकारी होंगे। इससे चिकित्सकों, रोगियों, दवा निर्माताओं और शोधकर्ताओं सहित होम्योपैथी से जुड़े सभी लोगों को लाभ होगा। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि होम्योपैथी की शिक्षा प्रणाली में निरंतर सुधार से उपचार की यह पद्धति युवा छात्रों के लिए और अधिक आकर्षक हो जाएगी। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी के उज्ज्वल भविष्य के लिए बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी आवश्यक है।

न्यायालय ने इंदौर में ईसाई प्रार्थना सभा का मार्ग प्रशस्त किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कानून एवं व्यवस्था की स्थिति के आधार पर मध्य प्रदेश के इंदौर में ईसाई समुदाय की प्रस्तावित प्रार्थना सभा की अनुमति रद्द करने के प्रशासन के फैसले को अनुचित करार देते हुए बुधवार को उस पर रोक लगा दी। इस आदेश के साथ ही इंदौर में ईसाई प्रार्थना सभा का मार्ग प्रशस्त हो गया है। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई, न्यायमूर्ति सतीशचंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा, प्रथम दृष्टया, हम पाते हैं कि प्रार्थना सभा आयोजित करने के लिए याचिकाकर्ता को दी गई अनुमति रद्द करना उचित नहीं है।

पीठ ने कहा, बाईस मार्च, 2024 के आदेश के तहत जो अनुमति दी गई थी और पांच अप्रैल, 2024 को संशोधित की गई थी, उसमें विभिन्न शर्तों को निर्दिष्ट किया गया था, ताकि सभी हितधारकों के हितों की रक्षा की जा सके और यह भी सुनिश्चित किया जा सके कि कानून और व्यवस्था की कोई स्थिति उत्पन्न न हो। इन परिस्थितियों में अनुमति रद्द करना हमारे विचार में उचित नहीं था।

पीठ ने सुरेश कार्लटन्स की याचिका पर मध्य प्रदेश सरकार और इंदौर प्रशासन को नोटिस भी जारी किए। प्रार्थना सभा आयोजित करने की मंजूरी को रद्द करने के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की गई थी। पीठ ने कहा, यह कहने की जरूरत नहीं है कि याचिकाकर्ता आज यानी 10 अप्रैल, 2024 को शाम 5:00 बजे प्रार्थना सभा आयोजित करने का हकदार होगा, हालांकि, यह निर्णय याचिकाकर्ता द्वारा निर्देशोंाशर्तों के सख्ती से पालन पर निर्भर करेगा। पीठ ने अपनी रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वह आदेश को तुरंत इंदौर स्थित मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (न्यायालय) को सूचित करें, जो इसे जिलाधिकारी, इंदौर को सूचित करेगौ।

प्रह्लाद जोशी के खिलाफ चुनाव लड़ने की घोषणा करने वाले संत का समर्थन करने पर विचार करेगी कांग्रेस

बेंगलुरु। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार ने धारवाड़ लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के खिलाफ चुनाव लड़ने की घोषणा करने वाले प्रमुख संत को पार्टी का समर्थन दिए जाने की संभावना से बुधवार को इनकार नहीं किया। शिवकुमार ने पिछली कांग्रेस-जद(एस) गठबंधन सरकार गिराने के आरोपी भाजपा नेताओं को वोक्कालिगा समुदाय के प्रभावशाली महंत के पास ले जाने के लिए जद (एस) के नेता एच. डी. कुमारस्वामी की आलोचना भी की, जिसपर कुमारस्वामी ने पलटवार किया है।

राज्य के उपमुख्यमंत्री शिवकुमार से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। शिरहट्टी फक्कीरेश्वर मठ के फकीरा दिंगलेश्वर स्वामी ने ब्राह्मण समुदाय के सदस्य जोशी पर निशाना साधते हुए उन पर वीरशैव-लिंगायत व अन्य समुदायों को दबाने और सत्ता में बने रहने के लिए लिंगायत मठों का दुरुपयोग करने एवं उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया था। शिवकुमार ने कहा कि पार्टी ने पहले ही धारवाड़ सीट के लिए अपने उम्मीदवार- विनोद आसुति- की घोषणा कर दी है और वह मुख्यमंत्री सिद्धरमैया से बात करेंगे।

शिवकुमार ने कांग्रेस की ओर से संत को परोक्ष समर्थन दिए जाने के बारे में पूछने पर कहा, कुछ भी परोक्ष नहीं है, अगर हम (संत को समर्थन देना) चाहेंगे तो हम प्रत्यक्ष रूप से ऐसा करेंगे। यह अलग मामला है। हम अपने उम्मीदवार का नाम तय कर चुके हैं। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने (संत) ने पहले कहा होता तो यह अलग बात होती, अब एक प्रस्ताव है। हम युवा कांग्रेस के विनोद (विनोद आसुति) को टिकट दे चुके हैं और वह काम में जुट गए हैं। उन्होंने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, एक अनुरोध किया गया है...हम संत का सम्मान करते हैं, क्योंकि वह धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के साथ काम कर रहे हैं। हमारा उम्मीदवार अच्छा है। मुख्यमंत्री और मैं आज या कल इसपर चर्चा करेंगे।

शिवकुमार ने पिछली कांग्रेस-जद (एस) गठबंधन सरकार गिराने के आरोपी भाजपा नेताओं को वोक्कालिगा समुदाय के प्रभावशाली महंत के पास ले जाने के लिए जद(एस) के नेता एच. डी. कुमारस्वामी की आलोचना भी की। निर्मलानंदनाथ स्वामीजी आदिचुंचनगिरि मठ के प्रमुख हैं, जिसका वोक्कालिगा समुदाय के बीच काफी महत्व है। शिवकुमार और कुमारस्वामी वोक्कालिगा समुदाय से संबंध रखते हैं। कुमारस्वामी ने कहा, मुझे उनके मठ में जाने और स्वामीजी से मिलने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने आज ऐसा किया है, मैंने इसे टीवी पर देखा... वोक्कालिगा और समुदाय के संत मूर्ख नहीं हैं। वे (संत) उनसे मिलने, मालाएं पहनाने के लिए आने वाले लोगों का स्वागत कर सकते हैं। वे (संत) हमारी ओर से या उनकी ओर से कुछ नहीं करते हैं, मुझे पता है...समुदाय के लोग देख रहे हैं।

स्वामीजी को वोक्कालिगा समुदाय के मुख्यमंत्री (जुलाई 2019 में कुमारस्वामी) की सरकार गिराने के बारे में भाजपा से सवाल पूछना चाहिए था। कांग्रेस नेता ने कहा, मुझे नहीं पता कि स्वामीजी में सवाल उठाने की ताकत है या नहीं। जो (भाजपा नेता) आज (मठ में) गए थे, उन्होंने ही वोक्कालिगा मुख्यमंत्री की सरकार गिराई थी, कोई भी सच्चाई नहीं छिपा सकता। दोनों दलों के 17 विधायकों के इस्तीफे के बाद जुलाई 2019 में कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली कांग्रेस-जद(एस) गठबंधन सरकार गिर गई थी। उस समय कुमारस्वामी और कांग्रेस नेताओं ने सरकार गिरने के लिए भाजपा के ऑपरेशन लोटस को जिम्मेदार ठहराया था। कुमारस्वामी ने शिवकुमार के बयानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा, यह ईश्वर का आशीर्वाद है कि मैं कुछ समय के लिए सत्ता में रहा।

उम्मीद है कि भारत व चीन द्विपक्षीय संबंधों के जरिए सीमाओं पर शांति बहाल करने में सक्षम होंगे: मोदी

भाषा। नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच स्थिर और शांतिपूर्ण संबंधों को पूरे क्षेत्र एवं दुनिया के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उम्मीद जताई है कि कूटनीतिक और सैन्य स्तरों पर सकारात्मक और रचनात्मक द्विपक्षीय संबंधों के माध्यम से दोनों देश अपनी सीमाओं पर शांति बहाल करने और उसे बनाए रखने में सक्षम होंगे। अमेरिका की न्यूजवीक पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में मोदी ने कहा कि भारत के लिए चीन के साथ संबंध महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, मेरा यह मानना है कि हमें अपनी सीमाओं पर लंबे समय से बनी स्थिति से तत्काल निपटने की जरूरत है ताकि हमारी द्विपक्षीय बातचीत में असामान्यता को पीछे छोड़ा जा सके। भारत और चीन के बीच स्थिर और शांतिपूर्ण संबंध न केवल हम दोनों देशों के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मोदी ने कहा, मुझे उम्मीद और भरोसा है कि कूटनीतिक एवं सैन्य स्तर पर सकारात्मक एवं रचनात्मक बातचीत के जरिए हम अपनी सीमाओं पर शांति बहाल करने और वहां स्थिरता बनाए रखने में सक्षम होंगे। न्यूयॉर्क स्थित पत्रिका के साथ विस्तृत साक्षात्कार के दौरान, प्रधानमंत्री ने आगामी लोकसभा चुनाव, पाकिस्तान के साथ संबंधों, क्वाड, राम मंदिर और लोकतंत्र सहित विभिन्न मुद्दों पर बात की। पाकिस्तान के साथ रिश्तों के बारे में पूछे जाने पर मोदी ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को पदभार संभालने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा आतंक और हिंसा से मुक्त माहौल में क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समृद्धि की वकालत की है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल भेजे जाने पर मोदी ने कहा, मैं पाकिस्तान के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करूंगा। चीन और क्वाड समूह के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, भारत, चीन कई विभिन्न समूहों के सदस्य हैं।उन्होंने कहा, हम अलग-अलग समूह में अलग-अलग संयोजन में मौजूद हैं। क्वाड किसी भी देश के खिलाफ लक्षित नहीं है। कई अन्य अंतरराष्ट्रीय समूहों, जैसे एससीओ, ब्रिक्स और अन्य की तरह, क्वाड भी समान विचारधारा वाले देशों का एक समूह है जो एक साझा सकारात्मक एजेंडे पर काम कर रहा है। क्वाड समूह में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त करने के फैसले की आलोचनाओं पर मोदी ने कहा, मैं आपको कहूंगा कि आप जमीनी स्तर पर हो रहे व्यापक सकारात्मक बदलावों को प्रत्यक्ष रूप से देखने के लिए जम्मू-कश्मीर की यात्रा करें। जो मैं या दूसरे आपसे कहते हैं, उस पर मत जाइए। मैं पिछले महीने ही जम्मू-कश्मीर गया हूं। पहली बार, लोगों के जीवन में एक नई आशा है। उन्होंने कहा, विकास की प्रक्रिया, सुशासन और लोगों के सशक्तीकरण पर विश्वास किया जाना चाहिए। मोदी ने कहा, लोग शांति का फायदा उठा रहे हैं। 2023 में 2.1 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने जम्मू और कश्मीर का दौरा किया। आतंकी घटनाओं में काफी कमी आई है। संगठित बंदाहड़ताल, पथराव, जो कभी सामान्य जनजीवन को बाधित करते थे, अब बीते दिनों की बात हैं। अयोध्या में राम मंदिर के महत्व पर, मोदी ने कहा कि श्री राम का नाम हमारी राष्ट्रीय चेतना पर अंकित है। उन्होंने कहा, उनके (भगवान राम) जीवन ने हमारी सभ्यता में विचारों और मूल्यों की रूपरेखा तय की है। उनका नाम हमारी पवित्र भूमि के हर कोने में गूंजता है। इसलिए, 11-दिवसीय विशेष अनुष्ठान के दौरान, मैंने उन स्थानों की तीर्थयात्रा की, जहां श्री राम के पैरों के निशान हैं। मोदी ने कहा कि श्रीराम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह राष्ट्र के लिए एकता का एक ऐतिहासिक क्षण था और यह सदियों की दृढ़ता और बलिदान की परिणति थी। उन्होंने कहा, जब मुझे समारोह का हिस्सा बनने के लिए कहा गया तो मुझे पता था कि मैं देश के 1.4 अरब लोगों का प्रतिनिधित्व करूंगा जिन्होंने रामलला की वापसी के लिए सदियों से धैर्यपूर्वक इंतजार किया है।

सीबीएसई छठी, नौवी और 11वी कक्षा के लिए नेशनल क्रडिट फ्रेमवर्क शुरू करेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 2024-25 शैक्षणिक सत्र से प्रायोगिक रूप से कक्षा छठी, नौवीं और 11वीं के लिए नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क शुरू करेगा और उसने अपने संबद्ध स्कूलों को इसमें भागीदारी के लिए आमंत्रित किया है। सरकार ने पिछले साल स्कूल, उच्चतर और व्यावसायिक शिक्षा के निर्बाध एकीकरण को सुनिश्चित करने और छात्रों को पूर्व से अपने क्रेडिट जमा करने की अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के कार्यान्वयन के तहत प्राथमिक से पीएचडी स्तर तक नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) शुरू किया था। इसके बाद, सीबीएसई ने भी इसे लागू करने के लिए अपना मसौदा दिशानिर्देश तैयार किया। सीबीएसई ने स्कूल प्रधानाध्यापकों को लिखे एक पत्र में कहा है, सीबीएसई ने मसौदा एनसीआरएफ कार्यान्वयन दिशानिर्देशों को तैयार कर जारी किया।

आईआईएम अहमदाबाद विश्व के प्रमुख 25 संस्थानों में: क्यूएस रैंकिंग

नई दिल्ली। वैश्विक क्यूएस विश्वविद्यालय रैंकिंग के अनुसार भारतीय प्रबंधन संस्थान (अहमदाबाद) व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन श्रेणी में विश्व के शीर्ष 25 संस्थानों में से एक है जबकि आईआईएम-बेंगलौर और आईआईएम-कलकत्ता शीर्ष 50 संस्थानों में शामिल हैं। क्यूएस रैंकिंग बुधवार को जारी की गई। उच्च शिक्षा विश्लेषण संबंधी कंपनी क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस), लंदन द्वारा घोषित प्रतिष्ठित रैंकिंग में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) भारत में सर्वोच्च रैंक वाला विश्वविद्यालय है। विकास अध्ययन श्रेणी में यह विश्वविद्यालय विश्व स्तर पर 20वें स्थान पर है।

चेन्नई स्थित सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज दंत चिकित्सा अध्ययन श्रेणी में विश्व स्तर पर 24वें स्थान पर है। क्यूएस की मुख्य कार्यकारी (सीईओ) जेसिका टर्नर ने कहा कि भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है। उन्होंने कहा कि 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इसकी पहचान की गई थी जिसमें 2035 तक 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गौर किया है कि भारत के निजी तौर पर संचालित तीन उत्कृष्ठ संस्थानों के कई कार्यक्रमों ने इस साल प्रगति की है जो भारत के उच्च शिक्षा क्षेत्र को आगे बढ़ाने में अच्छी तरह से विनियमित निजी प्रावधान की सकारात्मक भूमिका को प्रदर्शित करता है। हालांकि मानकों में सुधार, उच्च शिक्षा तक पहुंच, विश्वविद्यालयों की डिजिटल तैयारी और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए अब भी बहुत काम किया जाना बाकी है लेकिन यह स्पष्ट है कि भारत सही दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। क्यूएस के अनुसार, भारत दुनिया में सबसे तेजी से विस्तार करने वाले शोध केंद्रों में से एक है।

खरगे का राष्ट्रपति को पत्र: सैनिक स्कूलों का निजीकरण का कदम वापस लिया जाए

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आग्रह किया कि सैनिक स्कूलों के निजीकरण संबंधी कदम को वापस लिया जाए और इस नीति को रद्द किया जाए। उन्होंने दावा किया कि सशस्त्र बलों एवं उससे संबंधित संस्थाओं को हमेशा राजनीतिक विचारधाराओं की छाया से दूर रखा गया, लेकिन अब इसके उलट प्रयास हो रहा है। खरगे ने पत्र में कहा, आप जानती हैं कि भारतीय लोकतंत्र ने पारंपरिक रूप से हमारे सशस्त्र बलों को किसी भी दलीय राजनीति से दूर रखा है। अतीत में सरकारों ने सशस्त्र बलों और उसके सहयोगी संस्थानों को विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं की छाया से दूर रखा।

उनका कहना है, आप इस व्यापक रूप से स्वीकृत तथ्य की सराहना करेंगी कि यह जानबूझकर किया गया स्पष्ट विभाजन उच्चतम लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप था और अंतरराष्ट्रीय अनुभवों पर आधारित था। इसने वास्तव में हमारे लोकतंत्र को मजबूती से फलने-फूलने दिया, भले ही दुनिया भर में शासन व्यवस्थाएं सैन्य हस्तक्षेप, लोकतंत्र को नष्ट करने और मार्शल लॉ का शिकार हुईं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैं आपके ध्यान में एक आरटीआई (सूचना के अधिकार) उत्तर पर आधारित एक जांच रिपोर्ट को लाना चाहता हूं, जिसमें बताया गया है कि सरकार द्वारा शुरू किए गए नए पीपीपी मॉडल का उपयोग करके सैनिक स्कूलों का निजीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा, अब इनमें से 62 प्रतिशत स्कूलों को लेकर बताया जाता है कि उनका स्वामित्व भाजपा-आरएसएस नेताओं के पास है।

देश में 33 सैनिक स्कूल हैं तथा ए पूरी तरह से सरकारी वित्त पोषित संस्थान थे जो रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के तहत एक स्वायत्त निकाय, सैनिक स्कूल सोसाइटी (एसएसएस) के तत्वावधान में संचालित थे। खरगे ने दावा किया, रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि जिन 40 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनमें से 62 प्रतिशत आरएसएस-भाजपा-संघ परिवार से संबंधित व्यक्तियों और संगठनों के साथ हस्ताक्षरित किए गए हैं। इसमें एक मुख्यमंत्री का परिवार, कई विधायक, भाजपा पदाधिकारी और आरएसएस नेता शामिल हैं।

मैं पूछता हूं कि क्या इसे प्रवेश स्तर पर सशस्त्र बलों को वैचारिक रूप से प्रेरित करने के लिए प्रभावी बनाया गया है? किसी भी राजनीतिक दल ने कभी ऐसा नहीं किया, क्योंकि हमारे सशस्त्र बलों की वीरता और साहस को दलगत राजनीति से दूर रखने के लिए आम राष्ट्रीय सहमति है। खरगे ने आग्रह किया कि राष्ट्रीय हित में इस निजीकरण नीति को पूरी तरह से वापस लिया जाए और रद्द किया जाए ताकि सशस्त्र बल स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे राष्ट्र की सेवा के लिए आवश्यक वांछित चरित्र, दृष्टि और सम्मान बरकरार रख सकें।

लोगों के बीच इतिहास के समान बोध, भविष्य की समान दृष्टि से पैदा होती है राष्ट्रीयता: डोभाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने कहा कि अपने इतिहास का समान बोध तथा अपने भविष्य की समान दृष्टि रखने वाले लोग राष्ट्रीयता का निर्माण करते हैं। डोभाल ने प्राचीन भारत और उसकी उपलब्धियों के इतिहास के विभिन्न चरणों को समाहित करने वाली 11 खंडों की एक पुस्तक श्रृंखला का विमोचन किया। विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए डोभाल ने कहा, जिन लोगों के इतिहास का बोध अलग है यानि कि मेरा नायक आपका खलनायक है तो मैं और आप एक राष्ट्र नहीं बना सकते। उन्होंने भारत को हजारों वर्ष पुरानी प्राचीन सभ्यता और सतत सभ्यता के रूप में वर्णित किया और कहा कि यह विरोधाभास है कि ऐसा विमर्श लाया जा रहा है कि पश्चिम में भारत के इतिहास पर पहला अध्याय अलेक्जैंडर से शुरू होता है..।

विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन (वीआईएफ) और आर्यन बुक्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक श्रृंखला प्राचीन भारत का इतिहास का विमोचन करने के बाद उन्होंने कहा कि इसमें विद्वानों के एक बड़े समूह के अध्ययन पत्र शामिल हैं। इस श्रृंखला की पहली पुस्तक में विभिन्न विषयों पर बातचीत की गई है और इसका शीर्षक है प्रीहिस्टॉरिक रूट्स वहीं इस श्रृंखला की नौंवी पुस्तक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दवा पर है। डोभाल ने कहा कि जब इस पुस्तक श्रृंखला के शुरू होने से पहले कई वर्ष पूर्व वीआईएफ के अध्यक्ष एस गुरूमूर्ति से चर्चा हो रही थी तब उन्होंने ऐसे नए विचार और नई सोच साझा की जो न केवल देशवासियों को बल्कि आने वाली पीढ़ियों को नई पहचान का बोध कराने और उनमें गर्व की भावना भरने में भी मदद करेगी।

एनएसए ने कहा, हमारी छवि,हमारी पहचान इतिहास को लेकर आपकी अपनी सोच....आप क्या हैं इस सोच से गहराई से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि शोधपत्र गुणवत्तापरक हैं और इसमें संदर्भों का जिक्र है।

उन्होंने कहा कि इसमें भारतीय इतिहास के कुछ ऐसे पहलू भी हैं जिस पर कोई प्रश्न नहीं उठाता, यहां तक कि हमारे आलोचक भी नहीं। सिकंदर के भारत से संबंध पर डोभाल ने विलियम जोन्स का जिक्र किया और कहा कि वह संस्कृत का प्रकांड़ विद्वान था जिसने कहा था, संस्कृत,पाली,साहित्य अथवा स्थानीय भाषाओं में कहीं भी हमें सिकंदर का जिक्र नहीं मिलता। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा, यह न के बराबर घटना है। यह इतिहास की बहुत छोटी सी घटना है। लेकिन आप इसे इतना बढ़ा-चढ़ा कर पेश करते हैं कि मानो सिकंदर के साथ दुनिया का इतिहास ही बदल गया।

पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र में सीएए एक प्रमुख चुनावी मुद्दा

पीलीभीत (उप्र)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत संसदीय क्षेत्र में बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थियों की बड़ी आबादी होने की वजह से नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में यहां एक चुनावी रैली में अपने संबोधन में इसका (सीएए) उल्लेख भी किया था। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में अनुमानित दो लाख बंगाली हिंदू शरणार्थियों ने अपना ठिकाना बनाया हुआ है और सीएए का उन पर सीधा प्रभाव पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां एक रैली में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) समेत विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे तुष्टिकरण के दबाव के कारण सीएए का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि हिंदू और सिख अपने खिलाफ हुए अत्याचारों के कारण विदेशी धरती से भागने को मजबूर हैं। उन्होंने पूछा था, यदि भारत उन्हें नागरिकता नहीं देगा तो कौन उन्हें नागरिकता देगा? उन्होंने पीलीभीत में रहने वाले हिंदू शरणार्थियों से नागरिकता के लिए आवेदन करने को कहा था और गारंटी दी कि थी उन्हें उनकी समस्याओं से स्थाई रूप से मुक्ति मिल जाएगी।

मोदी ने कहा था, आप गर्व से भारत के नागरिक के रूप में रह सकेंगे। पीलीभीत में लगभग 18 लाख मतदाता हैं। पीलीभीत सीट पर 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान होगा। उत्तर प्रदेश सरकार के लोक निर्माण मंत्री एवं भाजपा उम्मीदवार जितिन प्रसाद का मुकाबला समाजवादी पार्टी (सपा) सरकार में मंत्री रह चुके भगवत सरन गंगवार और बहुजन समाज पार्टी के नेता अनीस अहमद खान उर्फ फूल बाबू से है।

कुछ स्थानीय कार्यकर्ताओं ने बताया कि भाजपा कार्यकर्ता सीएए के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए पोर्टल पर बंगाली शरणार्थियों को पंजीकृत करने में भी मदद कर रहे हैं। गरीबों को मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने वाले एक गैर सरकारी संगठन से जुड़े हिंदू शरणार्थी विपिन कुमार बाउली ने पीटीआई-भाषा से कहा, यहां के बंगाली 60 और 70 के दशक के अंत में बांग्लादेश, तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान से आए थे। यह प्रवास विशेष रूप से 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के आसपास हुआ था जब हिंदुओं पर, जो वहां अल्पसंख्यक थे, गंभीर अत्याचार किए जा रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में बांग्लादेश से आए प्रवासियों की दूसरी और तीसरी पीढ़ी पूरे पीलीभीत में फैली हुई है। जिला प्रशासन के अनुसार, ए प्रवासी जिले के न्यूरिया, माला और कालीनगर क्षेत्रों में बंगाली कॉलोनियों में केंद्रित हैं। जहां कुछ निवासियों के निकट मतदाता पहचान पत्र है, वहीं बहुत कम के पास अपना निवास साबित करने के लिए पहचान पत्र है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 11 मार्च को नागरिकता संशोधन नियमों को अधिसूचित किया था जिससे सीएए का कार्यान्वयन हो सकेगा। यह अधिनियम 2019 में संसद द्वारा पारित किया गया था। सीएए के तहत, 31 दिसंबर 2014 तक बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत आए प्रताड़ित हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और इसाइयों को नागरिकता दी जाएगी। कालीनगर तहसील के महाराजपुर गांव के निवासी कदम दास ने कहा, मेरे माता-पिता 70 के दशक की शुरुआत में बांग्लादेश से भागकर यहां आए थे। जब वे यहां आए थे तब मैं मुश्किल से पांच साल का था।

चार बच्चों के पिता, दास ने कहा कि उनके माता-पिता का प्रयास भारतीय नागरिकता प्राप्त करना था और सीएए से उन्हें नई उम्मीद मिली है। दास ने एक प्लास्टिक का फोल्डर पकड़ा हुआ था जिसमें तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में जारी परिवार की आईडी और भारतीय नागरिकता के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखे गए पत्र जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज थे।

दास ने कहा, इसे मेरे माता-पिता ने वर्षों तक संरक्षित करके रखा था। इस क्षेत्र के लगभग हर परिवार के पास ऐसा फोल्डर है। स्थानीय निजी स्कूल में गणित के शिक्षक एवं न्यूरिया में बंगाली कॉलोनी के निवासी प्रमोद दास ने कहा, मेरे माता-पिता बांग्लादेश से थे लेकिन मेरा जन्म यहीं हुआ। मैं बड़ा हुआ, यहीं पढ़ाई की, मेरे स्थानीय दोस्त हैं और यहां तक कि मैंने यहीं नौकरी भी की। उन्होंने कहा, फिर भी, मैं एक स्थानीय नागरिक के बराबर नहीं हूं क्योंकि मेरे पास यह साबित करने के लिए कुछ भी नहीं है कि मैं भारतीय हूं। यह अनुचित लगता है और मैं किसी ऐसे व्यक्ति का समर्थन करने के पक्ष में हूं जो हमारे दर्द को समझता है। राजनीतिक दलों के आंतरिक सर्वेक्षणों के अनुसार, बंगाली मतदाताओं ने पारंपरिक रूप से भाजपा नेता मेनका गांधी और उनके बेटे वरुण गांधी का समर्थन किया है जो इस सीट से कई बार चुने गए हैं।

अमेरिकी सरकार से भारतीय मूल के छात्रों की मौतों में वृद्धि पर अंकुश लगाने का आग्रह

भाषा। वाशिंगटन

प्रवासी भारतीयों के एक प्रमुख संगठन ने अमेरिकी सरकार की विभिन्न एजेंसियों, विश्वविद्यालयों और छात्र संघों से हाल के महीनों में भारतीय मूल के छात्रों की मौत की घटनाओं में वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए काम करने का आग्रह किया है।

फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) के एक विश्लेषण में पाया गया कि इन घटनाओं के कारणों में संदिग्ध गोलीबारीअपहरण, सुरक्षा जानकारी के अभाव में पर्यावरण संबंधी मौतें (मोनोऑक्साइड विषाक्तता, हाइपोथर्मिया), आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाले मानसिक मुद्दे और संदिग्ध दुर्घटनाओं से लेकर हिंसक अपराध तक शामिल हैं।

एफआईआईडीएस ने कहा कि अधिकारियों को सुरक्षा शिक्षा बढ़ानी चाहिए, खोज और बचाव प्रक्रियाओं में सुधार करना चाहिए, भारतीय विद्यार्थियों के साथ रैगिंग के खिलाफ सख्त नियम लागू करना चाहिएअ जोखिमों और सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना तथा मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करनी चाहिए।

वर्ष 2024 की शुरुआत से अब तक भारत से अमेरिका आए और भारतीय-मूल के कम से कम छह छात्रों की मौत हो चुकी है।

पिछले महीने से लापता एक 25-वर्षीय भारतीय छात्र इस सप्ताह अमेरिकी शहर क्लीवलैंड में मृत पाया गया था।

पिछले हफ्ते ओहायो में एक भारतीय छात्र उमा सत्य साई गड्डे की मौत हो गई और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिछले महीने, भारत के 34-वर्षीय प्रशिक्षित शास्त्रीय नर्तक अमरनाथ घोष की मिसौरी के सेंट लुइस में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पिछले महीने, वाणिज्य दूतावास ने बोस्टन में 20-वर्षीय भारतीय छात्र अभिजीत पारुचुरू की मौत के बारे में सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया था। कनेक्टिकट में रहने वाले पारुचुरू के माता-पिता जांचकर्ताओं के सीधे संपर्क में थे और उनकी मौत की शुरुआती जांच में किसी भी तरह की साजिश से इनकार किया गया था।

पर्ड्यू विश्वविद्यालय में 23-वर्षीय भारतीय-अमेरिकी छात्र समीर कामथ पांच फरवरी को इंडियाना में एक संरक्षित क्षेत्र में मृत पाया गया था।

दो फरवरी को, भारतीय मूल के आईटी कार्यकारी विवेक तनेजा (41) को वाशिंगटन में एक रेस्तरां के बाहर हमले के दौरान जानलेवा चोटें आईं।

एक अन्य त्रासदी में, 25-वर्षीय भारतीय छात्र विवेक सैनी को जॉर्जिया में एक बेघर नशेड़ी ने पीट-पीटकर मार डाला।

अमेरिका में भारतीय छात्रों की दुखद मौतों में बढ़ोतरी ने भारत-अमेरिकी समुदाय के साथ-साथ भारतीय आबादी के बीच महत्वपूर्ण चिंताएं बढ़ा दी हैं।

दस से अधिक विद्यार्थियों की मौत से संबंधित डेटा इकट्ठा करने वाली बोस्टन की डॉ. लक्ष्मी थलांकी ने कहा, भारतीय छात्रों की मौत की घटनाओं में अचानक वृद्धि चिंताजनक और संदिग्ध है।

एफआईआईडीएस ने विदेश विभाग, न्याय विभाग, शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालयों, छात्र संगठनों के साथ-साथ भारत-अमेरिकी समुदाय को विभिन्न सिफारिशें सौंपीं।

एफआईआईडीएस में नीतियों और रणनीति मामलों के प्रमुख खांडेराव कांड ने कहा, हालांकि उनकी (भारतीय विद्यार्थियों की) मौतों में हालिया वृद्धि चिंताजनक है और अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो अमेरिकी विश्वविद्यालयों की सुरक्षा को लेकर भारतीयों का भरोसा डगमगाएगा, जिससे छात्रों की आमद पर और असर पड़ सकता है।

संरा के कई अहम निकायों में चुना गया भारत

अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड में फिर निर्वाचित

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड समेत संयुक्त राष्ट्र के कई प्रमुख निकायों के लिए भारत का चयन किया गया है।

भारत की जगजीत पवाडिया ने अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड में तीसरी बार निर्वाचित होकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्हें संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) द्वारा आयोजित अत्यधिक प्रतिस्पर्धी चुनाव में सबसे अधिक वोट प्राप्त हुए हैं।

पवाडिया को गुप्त मतदान के जरिए मार्च 2025 से 2030 तक पांच साल के तीसरे कार्यकाल के लिए आईएनसीबी में फिर से चुना गया।

भारत को 2025 से 2029 तक की अवधि के लिए कमीशन ऑन स्टेटस ऑफ विमेन (महिलाओं की स्थिति पर आयोग) के लिए भी चुना गया। 2025-2027 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र बाल कोष के कार्यकारी बोर्ड, 2025-2027 के लिए परियोजना सेवाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम एवं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के कार्यकारी बोर्ड में भी भारत को चुना गया है।

इसके अलावा भारत को 2025 से 2027 तक के कार्यकाल के लिए लैंगिक समानता एवं महिला सशक्तीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र इकाई के कार्यकारी बोर्ड और 2025-2027 कार्यकाल के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी बोर्ड के लिए भी चुना गया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत वसुधैव कुटुंबकम - दुनिया एक परिवार है के सिद्धांत को कायम रखते हुए इन संयुक्त राष्ट्र निकायों के भीतर विमर्श में सक्रिय रूप से शामिल होने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है।

उन्होंने कहा कि मार्गदर्शन करने वाला यह दर्शन वैश्विक विचार-विमर्श में रचनात्मक और सहयोगात्मक योगदान देने, एकता की भावना को बढ़ावा देने और सभी की भलाई के लिए साझा जिम्मेदारी के प्रति हमारे समर्पण को रेखांकित करता है।

संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) ने अपने 17 सहायक निकायों में रिक्तियों को भरने के लिए मंगलवार को चुनाव कराए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन ने एक्स पर कहा, संयुक्त राष्ट्र में भारत ने महत्वपूर्ण जीत हासिल की। भारत ने 2025-2030 के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड का प्रतिष्ठित चुनाव पुन: जीता और कई प्रमुख संयुक्त राष्ट्र निकायों में सीट हासिल कीं।

भारतीय मिशन ने कहा, भारत हमेशा की तरह वसुधैव कुटुंबकम के हमारे समग्र दर्शन को ध्यान में रखते हुए इन निकायों में विचार-विमर्श में सक्रिय रूप से योगदान देना जारी रखेगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज (मंगलवार), भारत की उम्मीदवार जगजीत पवाडिया को न्यूयॉर्क में हुए चुनावों में 2025 से 2030 की अवधि के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड के लिए फिर से चुना गया।

उन्होंने कहा कि भारत ने बोर्ड के सभी निर्वाचित सदस्य देशों के बीच सबसे अधिक वोट हासिल किए।

विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन और विदेश मंत्रालय की टीम की सराहना की और कहा कि उन्होंने अच्छा काम किया।

भारत को ईसीओएसओसी के मतदान करने वाले 53 सदस्यों में से 41 के वोट मिले, जो सभी विजेता सदस्य देशों में सबसे अधिक हैं। पवाडिया ने 41 वोट के साथ कठिन चुनाव में शानदार जीत हासिल की, जबकि दूसरे स्थान पर रहे उम्मीदवार को 30 वोट मिले।

बोर्ड की पांच सीट के लिए 24 उम्मीदवार थे, जिस कारण चुनाव अत्यधिक प्रतिस्पर्धी था।

पवाडिया 2015 से अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड की सदस्य हैं। उन्हें मई 2019 में 2020 से 2025 के पांच साल के कार्यकाल के लिए परिषद द्वारा फिर से चुना गया था। उन्होंने 2021 से 2022 तक बोर्ड अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था।

मोदी भारत का चेहरा, देश का विकास एवं अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ: अमेरिकी सांसद

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने भारत में 2014 से हुई आर्थिक प्रगति एवं विकासात्मक कार्यों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भारत का चेहरा बन गए हैं। अमेरिकी संसद में भारत के बड़े समर्थकों में से एक माने जाने वाले ब्रैड शरमन ने कहा कि भारत और अमेरिका ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत होते देखा है। उन्होंने साथ ही कहा कि रूस के साथ भारत के रक्षा संबंध, भारत और अमेरिका के संबंधों के लिए एक चुनौती हैं।

शरमन ने पीटीआई से साक्षात्कार के दौरान मंगलवार को कहा, वह (मोदी) भारत का चेहरा बन गए हैं और हमने बहुत महत्वपूर्ण आर्थिक प्रगति देखी है। बेशक, हर देश की अपनी चुनौतियां होती हैं, हर नेता की अपनी चुनौतियां होती हैं। मैं किसी देश की सफलता का श्रेय केवल एक नेता को नहीं देता। मेरा मतलब है कि आपके पास 1.3 अरब से अधिक लोग हैं और वे सभी भारत को और अधिक सफल देश बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

शरमन (68) अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के डेमोक्रेटिक सदस्य हैं और पिछले 28 साल से भारत और अमेरिका के संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका और भारत के संबंध काफी मजबूत हुए हैं। मैं यह जानता हूं क्योंकि मैं यहां प्रतिनिधि सभा में यूएस इंडिया कॉकस का पूर्व अध्यक्ष हूं, जो सबसे बड़ा है। हमने इसे सभी द्विदलीय कॉकस में सबसे बड़ा बनाया। शरमन ने कहा कि विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र में भारत और अमेरिका के संबंध मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका और भारत के बीच व्यापार तेजी से बढ़ा है। निस्संदेह, भारतीय-अमेरिकी सबसे अधिक शिक्षित हैं और अमेरिका में सभी जातीय समूहों की तुलना में उनकी आय सबसे अधिक है। शरमन ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों का और विस्तार होते देखना चाहेंगे।

उन्होंने कहा, मैंने कई व्यवसायियों से इस बारे में बात की है कि कैसे भारत निवेश के लिए उत्कृष्ट स्थान है और उन देशों की तुलना में व्यापार करने के लिए एक बेहतर जगह है जो लोकतांत्रिक नहीं हैं और जहां कानून का स्थापित नियम नहीं है। विशेष रूप से जो लोग चीन में निर्माण करते हैं, उन्हें इस तथ्य पर विचार करना चाहिए कि वह लोकतांत्रिक देश नहीं है और वह ऐसा देश नहीं है जिसके कानून के शासन की प्रणाली पर भरोसा किया जा सके।

बाइडन ने कहा कि युद्ध के प्रति नेतन्याहू का रवैया एक गलती है

एपी। तेल अवीव (इजराइल)

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने गाजा में युद्ध से निपटने के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के रवैए को एक गलती करार देते हुए उनकी सरकार से गाजा में बड़ी मात्रा में राहत सामग्री पहुंचाने का आह्वान किया। बाइडन के इस रुख से इजरायल पर संघर्ष विराम के लिए दबाव बढ़ने के साथ ही एक-दूसरे के कट्टर समर्थक दोनों सहयोगियों के बीच दरार बढ़ गई है।

युद्ध लंबा खिंचने के कारण हालात बदतर हो गए हैं। इजराइल पर गत सात अक्टूबर को किए गए घातक आतंकी हमले के बाद से बाइडन हमास के खिलाफ इजराइल द्वारा युद्ध छेड़ने के समर्थक रहे हैं। लेकिन हाल के सप्ताह में नेतन्याहू को लेकर उनका धैर्य टूटता दिखाई दिखा और अमेरिकी प्रशासन ने इजराइल के प्रति कठोर रुख अपनाया है। इससे दोनों देशों के बीच दशकों पुराने सहयोग को झटका लगा है और युद्ध को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजराइल को अलग-थलग पड़ने का खतरा बढ़ गया है।

सबसे गंभीर असहमति दक्षिणी गाजा शहर रफह में इजराइल के हमले की योजना पर है और उसके बाद से दरार और बढ़ गई है। यह दरार पिछले सप्ताह एक सहायता काफिले पर इजरायली हवाई हमले के कारण और गहरा गई, जिसमें फूड चैरिटी वर्ल्ड सेंट्रल किचन (डब्ल्यूसीके) के सात कर्मचारी मारे गए जिनमें से अधिकतर विदेशी हैं। इजराइल ने कहा कि मौतें अनजाने में हुईं, लेकिन बाइडन रुष्ट हो गए।

बाइडन का पूर्व में रिकॉर्ड किया गया एक साक्षात्कार मंगलवार देर रात को प्रसारित किया गया जिसमें उनकी टिप्पणियां गाजा में लोगों तक मानवीय सहायता पहुंचाने को लेकर इजराइल और अमेरिका के बीच मतभेदों को उजागर करती हैं। बाइडन ने डब्ल्यूसीके हमले के दो दिन बाद यह साक्षात्कार दिया था।

गाजा में एक महीने से चल रहे युद्ध के कारण आसन्न अकाल की चेतावनी दी गई है। बाइडन ने स्पेनिश भाषा के प्रसारक यूनीविजन से कहा, वह जो कर रहे हैं वह एक गलती है। मैं उनके रवैए से सहमत नहीं हूं।

वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या नेतन्याहू राष्ट्रीय हित के बजाय अपने राजनीतिक अस्तित्व को बनाए रखने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बाइडन ने कहा कि इजराइल को संघर्ष विराम के लिए सहमत होना चाहिए और संकटग्रस्त गाजा में छह से आठ महीने में राहत सामग्री की बड़ी मात्रा में आपूर्ति करने के साथ अन्य देशों को क्षेत्र में पहुंचकर राहत सामग्री वितरित करने की अनुमति दे। उन्होंने कहा कि इसे अभी किया जाना चाहिए। इजराइल और हमास वर्तमान में हमास और अन्य लोगों द्वारा पकड़े गए बंधकों की रिहाई के बदले में संघर्षविराम के लिए बातचीत कर रहे हैं। लेकिन सर्वाधिक प्रभावित उत्तरी गाजा में फलस्तीनियों की वापसी सहित प्रमुख मुद्दों से दोनों पक्ष अभी बहुत दूर हैं। नेतन्याहू ने युद्ध में संपूर्ण जीत हासिल करने का संकल्प लिया है। उन्होंने हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं को नष्ट करने का वादा किया है। उन्होंने सात अक्टूबर के हमले की पुनरावृत्ति को रोकने और बंधकों को वापस लाने का वादा किया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, लगातार लड़ाई में 33,200 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं जो अपनी गणना में नागरिकों और लड़ाकों के बीच अंतर नहीं करता है। उसका कहना है कि मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। इजराइल ने बिना कोई सबूत दिए कहा है कि उसने लगभग 12,000 आतंकवादियों को मार गिराया है।

ईरान ने हम पर हमला किया तो हम उसे सीधे निशाना बनाएंगे: इजराइल

एपी। यरुशलम

इजराइल के विदेश मंत्री ने बुधवार को धमकी दी कि अगर ईरान अपनी जमीन से इजराइल पर हमला करेगा तो उनके देश की सेना भी सीधे इस्लामिक गणराज्य को निशाना बनाएगी।

इजराइल का यह बयान ऐसे समय आया है जब सीरिया स्थित ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले में उसके जनरल की मौत के बाद दोनों पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों में तनाव बढ़ गया है।

इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर हिब्रू और फारसी भाषा में किए गए पोस्ट में कहा, अगर ईरान से उसके क्षेत्र पर हमले हुए तो इजराइल भी जवाब देगा और ईरान पर हमला करेगा।

उनकी टिप्पणी ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के बुधवार को आए बयान के बाद आई। खामेनेई ने दोहराया कि इस महीने के शुरुआत में दमिश्क स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास पर किए गए हमले का जवाब इजराइल को दिया जाएगा।

ईरान, दमिश्क में हुए हमले के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहरा रहा है। इस हमले में वाणिज्य दूतावास की इमारत जमींदोज हो गई और 12 लोग मारे गए।

इजराइल ने इस हमले में अपनी संलिप्तता स्वीकार नहीं की है, हालांकि वह हमले के लिए ईरानी प्रतिक्रिया से निपटने की तैयारी कर रहा है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से छद्म युद्ध चल रहा है और इस घटना के बाद दोनों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

शरीफ को लेकर जा रहे विमान को लाहौर की तरफ मोड़ा, अन्य यात्रियों को असुविधा हुई

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज और एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल को सऊदी अरब से वापस इस्लामाबाद लाने वाली पीआईए की उड़ान को लाहौर हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया, जिससे सैकड़ों अन्य यात्रियों को असुविधा हुई। मीडिया में आई खबर में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

दिलचस्प है कि यह घटना हाल में प्रधानमंत्री शरीफ द्वारा उनके कार्यक्रमों में उनके लिए लाल कालीन बिछाने पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा के बाद हुई है। वीआईपी संस्कृति को खत्म करने और जन सेवा के दायरे में विनम्रता की संस्कृति को प्रोत्साहित करने का संकेत देने वाली प्रधानमंत्री की घोषणा ने काफी प्रशंसा अर्जित की थी। पीआईए प्रवक्ता के हवाले से डॉन अखबार ने खबर दी कि जेद्दा से इस्लामाबाद के लिए रवाना पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) की उड़ान को सोमवार को लाहौर हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया और इस विमान से शरीफ और उनकी बेटी मरियम सऊदी अरब की यात्रा से वापस आ रही थीं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 393 यात्रियों को ले जा रही उड़ान संख्या पीके 842 को सोमवार रात साढ़े 10 बजे इस्लामाबाद में उतरना था, लेकिन इसे यहां अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की तरफ मोड़ दिया गया और विमान यहां रात 09:25 बजे उतरा।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और देश की प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडन ने जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और उनकी पत्नी युको किशिदा का मंगलवार शाम व्हाइट हाउस में स्वागत किया और शहर के एक रेस्तरां में उनके साथ रात्रि भोज किया। हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों के तहत बाइडन ने बुधवार को जापान के प्रधानमंत्री को राजकीय रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया है।

मेक्सिको ने जारी किया अपने दूतावास में इक्वाडोर के अधिकारियों के जबरन घुसने का वीडियो

एपी। मेक्सिको सिटी

मेक्सिको ने मंगलवार को अपने दूतावास में इक्वाडोर के अधिकारियों के जबरन घुसने की घटना का वीडियो जारी किया। वीडियो में मेक्सिको के एक राजनयिक को इक्वाडोर की पुलिस ने धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और वहां छिपे हुए इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति को बाहर निकाला।

दोनों देशों के बीच, एक सजायाफ्ता अपराधी और भगोड़े पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास के दिसंबर में मैक्सिको के दूतावास में शरण लेने के बाद से तनाव था, जो शुक्रवार रात की कार्वाई से बहुत बढ़ गया है।

इक्वाडोर की पुलिस शुक्रवार को दूतावास की दीवारें फांद कर अंदर घुसी। मेक्सिको के दूतावास संबंधी मामलों के प्रमुख और इक्वाडोर द्वारा सप्ताह की शुरुआत में राजदूत को निष्कासित करने के बाद से वर्तमान में सर्वोच्च पदस्थ राजनयिक रॉबर्टो कैंसेको ने उन्हें दूतावास में घुसने से रोकने की कोशिश की, लेकिन इक्वाडोर की पुलिस ने उसे रोका और धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया।

मेक्सिको के साथ-साथ विशेषज्ञों का भी कहना है कि यह अंतरराष्ट्रीय समझौतों का खुला उल्लंघन प्रतीत होता है। प्रतिक्रिया में मेक्सिको ने देश के साथ राजनयिक संबंध तोड़ दिए है। दैनिक संवादाता सम्मेलन में मेक्सिको के राष्ट्रपति आंद्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर ने घटना का वीडियो दिखाया और कहा कि यह दिखाता है कि पुलिस ने दूतावास पर किस तरह से सत्तावादी और घृणित तरीके से छापा मारा था। लोपेज़ ओब्रेडोर ने कनाडा और अमेरिका की इस बात के लिए आलोचना की कि उन्होंने छापे के ख़िलाफ़ पर्याप्त रूप से ज़ोरदार ढंग से बात नहीं की।

चीन के बाद हेपेटाइटिस बी और सी के सबसे अधिक मामले भारत में : डब्ल्यूएचओ

भाषा। जिनेवा

भारत में 2022 में हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण के कुल 3.50 करोड़ मामले सामने आए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक हेपेटाइटिस बी और सी के संक्रमण की संख्या के मामले में भारत चीन के बाद दूसरे स्थान पर है।

हेपेटाइटिस यकृत की सूजन होती है, जिसके कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं और यह जानलेवा भी हो सकती है।

डब्ल्यूएचओ की ओर से मंगलवार को जारी वैश्विक हेपेटाइटिस रिपोर्ट-2024 के अनुसार 2022 में दुनिया भर में 25.40 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी से पीड़ित हुए जबकि हेपेटाइटिस सी से पीड़ित होने वाले लोगों की संख्या पांच करोड़ रही।

डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार भारत में 2022 में हेपेटाइटिस बी के 2.98 करोड़ मामले सामने आए जबकि हेपेटाइटिस सी से संक्रमित होने वालों की संख्या 55 लाख रही।

चीन में हेपेटाइटिस बी और सी के मामलों की कुल संख्या 8.3 करोड़ रही जो विश्व भर में सामने आए कुल मामलों का 27.5 प्रतिशत है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हेपेटाइटिस बी और सी के कुल 3.5 करोड़ मामले सामने आए जो दुनियाभर में सामने आए कुल मामलों का 11.6 प्रतिशत है।

हेपेटाइटिस वायरस के पांच मुख्य प्रकार हैं, जिन्हें प्रकार ए, बी, सी, डी और ई कहा जाता है। हालांकि, वे सभी यकृत रोग का कारण बनते हैं, वे संचरण के तरीकों, बीमारी की गंभीरता, भौगोलिक वितरण और रोकथाम के तरीकों सहित महत्वपूर्ण तरीकों से भिन्न होते हैं।

डब्ल्यूएचओ ने मंगलवार को बताया कि विश्व में हेपेटाइटिस के कारण जान गंवाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है और यह बीमारी वैश्विक स्तर पर मौत का दूसरा प्रमुख संक्रामक कारण है। दुनिया भर में हेपेटाइटिस के संक्रमण के कारण प्रत्एक वर्ष करीब 13 लाख लोगों की मौत होती है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के 187 देशों के नए आंकड़ों से पता चलता है कि हेपेटाइटिस से होने वाली मौतों की अनुमानित संख्या 2019 में 11 लाख से बढ़कर 2022 में 13 लाख हो गई है। इनमें से 83 प्रतिशत मौतें हेपेटाइटिस बी के कारण जबकि 17 प्रतिशत मौतें हेपेटाइटिस सी के कारण होती हैं।

डब्ल्यूएचओ ने विश्व हेपेटाइटिस शिखर सम्मेलन में जारी इस रिपोर्ट में कहा, प्रतिदिन, हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण के कारण दुनिया में 3,500 लोगों की मौत हो रही है।

नेपाल में राजशाही बहाल करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों के साथ पुलिस की झड़प

एपी। काठमांडू

नेपाल में राजशाही बहाल करने की मांग कर रहे सैकड़ों प्रदर्शनकारियों की मंगलवार को काठमांडू में पुलिस के साथ झड़प हो गई। वर्ष 2008 में सत्ता से हटाए गए पूर्व राजा ज्ञानेंद्र के समर्थकों ने प्रधानमंत्री और अन्य प्रमुख सरकारी विभागों के कार्यालयों तक पहुंचने के लिए अवरोधकों को तोड़ने का प्रयास किया।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठियां चलाई और पानी की बौछार की। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

विरोध प्रदर्शन का आह्वान ज्ञानेंद्र का समर्थन करने वाली राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने किया था।

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनोम घेब्रेएसस ने कहा, यह रिपोर्ट एक परेशान करने वाली तस्वीर पेश करती है: हेपेटाइटिस संक्रमण को रोकने में विश्व स्तर पर प्रगति के बावजूद, मौतें बढ़ रही हैं क्योंकि हेपेटाइटिस से पीड़ित बहुत कम लोगों का निदान और उपचार किया जा रहा है।

इटली में जलविद्युत संयंत्र में विस्फोट तीन लोगों की मौत, चार लापता

एपी। मिलान

उत्तरी इटली में दशकों पुराने एक जलविद्युत संयंत्र में मंगलवार को हुए विस्फोट में कम से कम तीन श्रमिकों की मौत हो गई और पांच श्रमिक घायल हो गए तथा चार अन्य लोग लापता हैं। क्षेत्रीय अग्निशमन प्रमुख ने यह जानकारी दी। क्षेत्रीय अग्निशमन प्रमुख फ्रांसेस्को नोटारो ने स्काई टीजी24 को बताया कि बोलोग्ना के दक्षिण में बिजली कंपनी एनेल के बर्गी संयंत्र में रखरखाव के काम के दौरान हुए विस्फोट से नौ मंजिला भूमिगत संरचना का एक हिस्सा ढह गया, जिससे आग लग गई और 60 मीटर (200 फुट) की गहराई में बाढ़ आ गई। इमारत की हालत को देखते हुए लापता लोगों को तलाश में बहुत सावधानी बरती जा रही है। गोताखोर उन्हें खोजने में मदद कर रहे हैं। बचाव अभियान के रात तक चलने की संभावना है।

अग्निशामकों द्वारा उपलब्ध कराए गए वीडियो में झील के किनारे स्थित बिजली संयंत्र में जमीन के नीचे से धुआं उठता दिखाई दे रहा है।

निकटवर्ती शहर कैमुग्नानो के मेयर मार्को मासिनारा ने स्काई से कहा, यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक बिजली संयंत्र है। एनेल कंपनी 50 साल से इसका प्रबंधन कर रही है। इससे कई परिवारों को रोजगार मिला है। यहां आज तक कभी कुछ नहीं हुआ। ...हमारी दुनिया ढह गई। उन्होंने बताया कि अस्पताल में भर्ती तीन लोगों की हालत गंभीर है, जबकि अन्य दो को कम चोटें आई हैं।

कृत्रिम सुवियाना झील का निर्माण 1928-32 में एक बांध के निर्माण से हुआ था और यह बोलोग्ना से लगभग 70 किलोमीटर (40 मील) दक्षिण पश्चिम में 500 मीटर (1,640 फुट) की ऊंचाई पर एक क्षेत्रीय उद्यान में स्थित है।

बल्लेबाजों ने टाइटंस को दिलाई जीत

आखिरी ओवर में गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को तीन विकेट से हराया तेवतिया.राशिद ने 2 ओवर में 35 रन बनाए, गिल की दूसरी फिफ्टी

भाषा। जयपुर

कप्तान शुभमन गिल के अर्धशतक के बाद राशिद खान और राहुल तेवतिया की ताबड़तोड़ पारियों से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को यहां बेहद रोमांचक मुकाबले में अंतिम गेंद पर राजस्थान रायल्स को तीन विकेट से हराकर उसके लगातार चार जीत के क्रम को तोड़ दिया।रॉयल्स के 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस की टीम ने राशिद (11 गेंद में नाबाद 24) और तेवतिया (11 गेंद में 21 रन, तीन चौके) के बीच सातवें विकेट की 14 गेंद में 36 रन की साझेदारी से 20 ओवर में सात विकेट पर 199 रन बनाकर जीत दर्ज की। कप्तान शुभमन गिल (72) और साई सुदर्शन (35) ने पहले विकेट के लिए 64 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। रॉयल्स के लिए कुलदीप सेन (41 रन पर तीन विकेट) और युजवेंद्र चहल (43 रन पर दो विकेट) ने विकेट चटकाए लेकिन उसके सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए। रियान पराग (48 गेंद में 76 रन, पांच छक्के, तीन चौके) और कप्तान संजू सैमसन (38 गेंद में नाबाद 68 रन, दो छक्के, सात चौके) ने इससे पहले अर्धशतक जड़ने के अलावा तीसरे विकेट के लिए 78 गेंद में 130 रन की साझेदारी की जिससे रॉयल्स ने तीन विकेट पर 196 रन बनाए। टीम अंतिम आठ ओवर में 108 रन जोड़े में सफल रही।लक्ष्य का पीछा करने उतरे टाइटंस को गिल और सुदर्शन की जोड़ी ने सतर्क शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 44 रन जोड़े। सुदर्शन ने ट्रेंट बोल्ट पर चौके से खाता खोलने के बाद आवेश खान की गेंद को दर्शकों के बीच पहुंचाया। गिल ने भी केशव महराज और आवेश पर छक्के जड़े। सुदर्शन ने युजवेंद्र चहल का स्वागत लगातार दो चौकों के साथ किया। चहल ने एक गेंद बाद सुदर्शन का बेहद आसान कैच भी टपका दिया। तेज गेंदबाज सेन ने सुदर्शन को पगबधा करके इस साझेदारी को तोड़ा। मैदानी अंपायर ने बल्लेबाज को नॉट आउट दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें अपना फैसला बदलना पड़ा। उन्होंने 29 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और एक छक्का मारा।

इसके बाद बारिश के कारण कुछ मिनटों के लिए खेल रुका और ब्रेक के बाद सेन की पहली ही गेंद को मैथ्यू वेड (04) विकेटों पर खेल गए।सेन ने दो गेंद बाद अभिनव मनोहर (01) को भी बोल्ड करके गुजरात का स्कोर तीन विकेट पर 79 रन किया।गिल ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने चहल की गेंद पर दो रन के साथ 35 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। टाइटंस का शतक 13वें ओवर में पूरा हुआ।विजय शंकर (16) ने चहल पर चौका मारा लेकिन इसी लेग स्पिनर की गेंद पर बोल्ड हो गए।

पंद्रह साल की आनंदी ने यूरोचैलेंज सेलिंग स्पर्धा में कांस्य जीता

मुंबई। भारत की 15 वर्षीय आनंदी नंदन चंदावरकर ने इटली में आयोजित ओपन स्किफ यूरोचैलेंज सेलिंग (नौकायन) प्रतियोगिता मिश्रित वर्ग में कांस्य पदक जीतने के साथ लड़कियों की अंडर-17 वर्ग की स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में अंडर-15 और अंडर-17 आयु वर्ग में 130 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता का आयोजन पांच से सात अप्रैल तक सिरकोलो वेला अरको के गार्डा ट्रेनटिनो में हुआ था। इसमें 10 देशों से लगभग 200 नौकायन खिलाड़ियों ने भाग लिया। आनंदी ने यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति में कहा, यह जीत इस खेल में मेरी कड़ी मेहनत को दर्शाती है। यह खेल के प्रति मेरी उत्साह को दिखाता है।

एशियाई चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी सरिता मोर

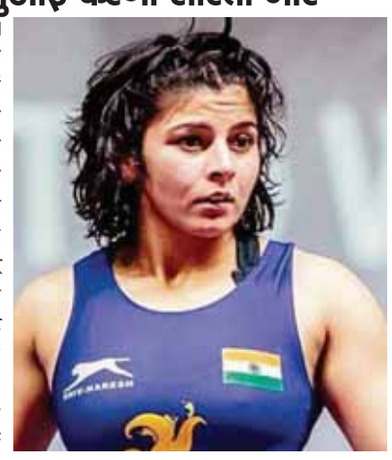

बिश्केक (किर्गिस्तान)। भारत के स्टार पहलवानों की गैरमौजूदगी में गुरुवार से यहां शुरू हो रही एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में देश की अगली पीढ़ी के खिलाड़ी खुद को बड़े मंच पर साबित करने की कोशिश करेंगे जबकि अनुभवी सरिता मोर पर भी नजरें होंगी। इक्कीस मार्च को ट्रायल के दौरान यह निर्णय लिया गया था कि 17 ओलंपिक भार वर्ग के विजेता 19 अप्रैल से बिश्केक में एशियाई क्वालीफायर के जरिए पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने का प्रयास करेंगे जबकि इन वर्गों के उप विजेता को एशियाई चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा का अवसर दिया जाएगा। ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली अंतिम पंघाल को चैंपियनशिप में सीधे प्रवेश दिया गया था लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है और अंजू महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। अंजू ने 53 किग्रा का ट्रायल जीता था जहां विनेश फोगाट भी शीर्ष चार में रहते हुए इस वर्ग में दावेदार बनी हुई हैं। पुरुषों के फ्री स्टाइल 74 किग्रा वर्ग में सुशील कुमार के जाने के बाद से भारत को कोई मजबूत विकल्प नहीं मिला है। नरसिंह पंचम यादव की आयु अधिक हो गई हे और जितेंद्र कुमार क्षमता होने के बावजूद इस श्रेणी में दबदबा बनाने में असफल रहे हैं।

तीन अलग चोट के कारण खेल से दूर था, खुद को बेहतर बनाने के लिए करनी पड़ी कड़ी मेहनत: सूर्यकुमार

मुंबई। भारत और मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को बताया कि वह पिछले तीन महीनों में तीन अलग-अलग चोट से जूझ रहे हैं लेकिन उबाऊरिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के बाद उन्होंने खुद को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज ने पिछले सप्ताह चोट से उबर कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वापसी की थी। उन्होंने बताया कि वह स्पोर्ट्स हर्निया के अलावा टखने और दाहिने घुटने में चोट की समस्या का भी सामना कर रहे थे। स्पोर्ट्स हार्निया से उबरने के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी। यादव ने आईपीएल की ओर से जारी एक वीडियो साक्षात्कार में कहा, मुझे एक साथ दो-तीन अलग-अलग चोट का सामना करना पड़ा। स्पोर्ट्स हर्निया, टखना और फिर दायां घुटना। मुझे एक समय में एक कदम उठाना था, छोटी-छोटी चीजों का पालन करना था और आज मैं मैदान पर आकर वास्तव में खुश हूं। इस 33 साल के बल्लेबाज ने कहा कि उनके लिए चोट से उबरने की प्रक्रिया काफी उबाऊ थी लेकिन उन्होंने इस समय का पूरा फायदा उठाने की सोची। उन्होंने कहा, मेरे लिए पिछले तीन या साढ़े तीन महीने के बारे में बात करना काफी मुश्किल है। शुरुआती दो तीन सप्ताह में यह परेशान करने वाला था क्योंकि मुझे लगता था कि रिहैबिलिटेशन में एक ही चीज बार-बार कर रहा हूं। सूर्यकुमार यादव ने कहा, चौथे-पांचवें सप्ताह से मुझे लगा कि भविष्य के लिए यह जरूरी है।

आत्मविश्वास, घरेलू स्तर पर कड़ी मेहनत मायने रखती है : शशांक सिंह

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स की नई खोज शशांक सिंह ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में नए खिलाड़ियों को मिल रही सफलता के पीछे उनका आत्मविश्वास और घरेलू क्रिकेट में की गई अपार मेहनत है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के लिए 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शशांक ने 25 गेंद में 46 रन बनाए और आशुतोष शर्मा ने 15 गेंद में 33 रन की पारी खेली लेकिन उनकी टीम दो रन से चूक गई। शशांक ने इससे पहले गुजरात टाइटंस के खिलाफ नाबाद 61 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी। हार के बावजूद प्रशंसा के पात्र बने शशांक ने कहा , आत्मविश्वास सबसे जरूरी है। जिस तरह से हम घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। सनराइजर्स के नीतिश रेड्डी को देखिए जो घरेलू क्रिकेट में हर प्रारूप में रन बनाता और विकेट लेता है। रेड्डी ने सनराइजर्स के लिए 37 गेंद में 64 रन बनाए। केकेआर के अंगकृष रघुवंशी भी अच्छी पारियां खेलने में कामयाब रहे हैं। शशांक ने कहा , हम जिस तरह से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। नीतिश , अंगकृष और आशुतोष ने मुश्ताक अली, विजय हजारे और रणजी ट्रॉफी में रन बनाए हैं। उन्होंने कहा , आप इन खिलाड़ियों को गुमनाम कह सकते हैं लेकिन घरेलू सर्किट में ए जाने माने नाम हैं। इन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा खेला है और आईपीएल में उनका प्रदर्शन उसका ईनाम है। इस स्तर पर क्रिकेट आत्मविश्वास का ही खेल है। हार से निराश शशांक ने कहा , हम दो रन से हार गए और हार सबसे दर्दनाक होती है क्योंकि हम जीतने के लिए खेलते हैं।

खराब फॉर्म से जूझ रही टीमों के मुकाबले में आरसीबी और मुंबई इंडियंस आमने सामने

मुंबई। खराब फॉर्म से जूझ रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में बृहस्पतिवार को मुंबई इंडियंस से खेलेगी जिस पर खुद अच्छे प्रदर्शन का भारी दबाव है। पांच में से चार मैच हार चुकी आरसीबी ने टीम चुनने में गलतियां की और मैदान पर भी प्रदर्शन से उसकी भरपाई नहीं कर सकी। अंकतालिका में वह मुंबई से एक ही पायदान नीचे है। मुंबई चार में से एक मैच जीतकर नौवे स्थान पर है। उसने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराया था। विराट कोहली के शानदार प्रदर्शन के बावजूद आरसीबी के अभियान की बेहद खराब शुरूआत हुई है। अब आईपीएल के आधे मैच जल्दी ही खत्म होने को है और ऐसे में आरसीबी के विदेशी खिलाड़ियों को लय तलाशनी होगी जिनमें कप्तान फाफ डु प्लेसी (109 रन), ग्लेन मैक्सवेल (32) और कैमरन ग्रीन (68 रन) शामिल हैं। कोहली अभी तक एक शतक और दो अर्धशतक समेत 316 रन बना चुके हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिल सका। पांच महीने पहले विश्व कप सेमीफाइनल में वानखेड़े स्टेडियम पर शतक जमाने वाले कोहली एक बार फिर उसी मैदान पर अपने बल्ले का जलवा बिखेरना चाहेंगे। गेंदबाजी में मैक्सवेल चार विकेट ले चुके हैं लेकिन मुख्य गेंदबाज प्रभावहीन रहे हैं। मुंबई के खिलाफ उन्होंने हालांकि पिछले पांच में से चार मैच जीते हैं। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 32 मुकाबलों में से 18 मुंबई ने और 14 आरसीबी ने जीते हैं। आम तौर पर आईपीएल में धीमी शुरूआत करने वाली मुंबई टीम को पता है कि अब देर करने से परिणाम प्रतिकूल हो सकते हैं। आरसीबी को हराकर उसका इरादा लगातार दूसरी जीत दर्ज करने का होगा ताकि टीम का मनोबल बढ सके चूंकि अगले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से खेलना है। शीर्षक्रम पर ईशान किशन और रोहित शर्मा ने रन बनाए हैं लेकिन मध्यक्रम नाकाम रहा है जिसके लिए कप्तान हार्दिक पंड्या को जवाब देना होगा।

बिली जीन किंग कप टेनिस: भारत चीन से 0-3 से हारा

चांगशा (चीन)। भारतीय महिला टेनिस टीम को बुधवार को यहां बिली जीन किंग कप के ग्रुप चरण मैच में चीन से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। सहजा यमलापल्ली को एक घंटे और 33 मिनट तक चले शुरुआती मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज जिन्यू वांग से 2-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। एकल वर्ग के दूसरे मैच में अंकिता रैना को दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी क्विनवेन झेंग ने 6-0, 6-0 से मात दी। भारतीय खिलाड़ी इस दौरान एक भी गेम जीतने में असफल रही। स्तुजा भोसले और प्रार्थना थेंबारे की जोड़ी को हानयू गो और शियू वांग की जोड़ी ने 56 मिनट तक चले एकतरफा मुकाबले में 6-।, 6-। से हराया। इस करारी शिकस्त के बाद भारत पूल की तालिका में चौथे स्थान पर है। भारतीय टीम ने इससे पहले पैसिफिक ओसियानिया को 3-0 से हराया। टीम का अगला मुकाबला गुरुवार को चीनी ताइपे से होगा।

फार्मूला ई को भारत के लिए नया मीडिया साझेदार मिला

लंदन। फार्मूला ई ने बुधवार को भारतीय उपमहाद्वीप मे इलेक्ट्रिक रेसिंग श्रृंखला के सभी दौर प्रसारित करने के लिए सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) के साथ तीन साल की मीडिया साझेदारी की घोषणा की। एसपीएनआई चैंपियनशिप के 10वे सत्र की सभी रेस को अपने टेलीविजन चैनलो के नेटवर्क पर प्रसारित करेगा और प्रशंसक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर भी इसे देख सकेंगे। ।र्मूला ई ने एक बयान मे कहा, फार्मूला ई के 10वे रेसिंग सत्र का सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर पूरे भारत मे सीधा प्रसारण किया जाएगा जिसकी कवरेज अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका तक होगी। एसपीएनआई इससे पहले फार्मूला ई के चौथे, पांचवे और छठे सत्र की रेसो का प्रसारण कर चुका है।अगरकर ने कोहली के फिटनेस मानदंडो पर कहा, इसने पूरे पारिस्थितिकी तंत्र मे प्रगति की हैमुंबई। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने कहा कि विराट कोहली द्वारा डिजाइन किए गए फिटनेस ब्लूप्रिंट का पूरे भारतीय क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव पड़ा है। अगरकर ने महेंद्र सिंह धोनी को विशुद्ध रूप से मन की सुनने वाला व्यक्ति करार दिया जिसने बहुत पहले ही डाटा और अंतर्दृष्टि को अपनाया।कोहली भले ही 35 साल के हो लेकिन सबसे कठिन फिटनेस ड्रिल करने के मामले मे वह किसी से पीछे नही है

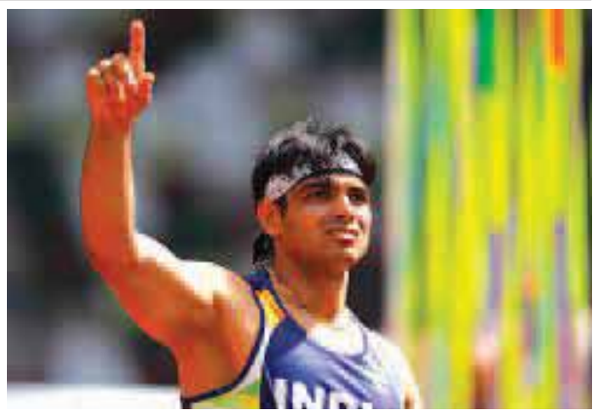

नीरज फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में भाग लेंगे

नई दिल्ली। सुपरस्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 18 जून को फिनलैंड के तुर्कू में प्रतिष्ठित पावो नूरमी खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जहां उन्हें जर्मनी के 19 वर्षीय मैक्स डेहिंग से कड़ी चुनौती मिल सकती है। यह जानकारी पावो नूरमी खेलों के आयोजकों ने दी। डेहिंग हाल ही में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं। छब्बीस साल के चोपड़ा 10 मई को दोहा डायमंड लीग मीट से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। उन्होंने पावो नूरमी खेलों के 2022 सत्र में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। यह उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। उन्होंने 2023 में चोटिल होने के कारण इस स्पर्धा से अपना नाम वापस ले लिया था। चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर है।पावो नूरमी खेलों का नाम फिनलैंड के मध्य और लंबी दूरी के धावक के नाम पर रखा गया है। यह विश्व एथलेटिक्स की कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड सीरीज स्तर की प्रतियोगिता है। यह डायमंड लीग मीट सीरीज के बाहर सबसे प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिताओं में से एक है। टूर्नामेंट के आधिकारिक वेबसाइट पर खिलाड़ियों से करार के लिए जिम्मेदार आर्टटू सलोनेन ने कहा, भाला फेंक ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा जून में तुर्कू लौटेंगे। चोपड़ा एक साल के ब्रेक के बाद पावो नूरमी खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे जहां उनका सामना बेहतरीन प्रतियोगियों के समूह से होगा। प्रतियोगिता 18 जून को तुर्कू में होगी।

श्रीजेश के शानदार खेल के बावजूद भारत ऑस्ट्रेलिया से।-2 से हार गया

पर्थ। अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के शानदार खेल के बावजूद भारत बुधवार को यहां तीसरे पुरुष हॉकी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक गोल की बढ़त गंवाकर।-2 से हार गया।इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त मिल गई।पहले दो टेस्ट में।-5 और 2-4 से हारने वाली भारतीय टीम की रक्षापंक्ति और अग्रिम पंक्ति ने बेहतर प्रदर्शन किया। यह भारतीय रक्षापंक्ति के विरुद्ध लगातार आक्रमण करने वाले ऑस्ट्रेलिया की अग्रिम पंक्ति के बीच पारंपरिक मुकाबले की तरह था जिसमें आखिरकार भारतीय रक्षापंक्ति हार गई। जुगराज सिंह ने मैच के 41वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिलाई लेकिन जेरेमी हेवर्ड (44वें और 49वें) ने दो गोल करके मेहमान टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और ऑस्ट्रेलिया को लगातार तीसरी जीत दिला दी।

सिंधू जीती, सेन और श्रीकांत बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के पहले दौर में हारे

निंगबो। अनुभवी भारतीय खिलाड़ी पीवी सिंधू मुश्किल परिस्थितियों से पार पाकर बुधवार को यहां बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रही तो वही पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत का सफर हार के साथ खत्म हो गया। दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी एचएस प्रणय ने भी चीन के ल्यु गुआंग झू के खिलाफ तीन गेम में मनोबल बढ़ाने वाली जीत दर्ज की। भारतीय खिलाड़ी ने 90 मिनट चले मुकाबले में दुनिया के 16वें नंबर के खिलाड़ी ल्यू को 17-21 23-21 23-21 से हराया। वह पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीनी ताइपे के लिन चुन ई से भिड़ेंगे दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू पेरिस खेलों से पहले लय हासिल करने के लिए आतुर है। सिंधू ने मलेशिया की दुनिया की 33वें नंबर की खिलाड़ी गोह जिन वेई के खिलाफ निर्णायक गेम में पांच अंको की बढ़त को लगभग गंवाने के बाद 18-21, 21-14, 21-19 से जीत दर्ज की। सिंधू इस खिलाड़ी के खिलाफ सुदीरमन कप में खेले गए पिछले मुकाबले को हार गई थी लेकिन इस जीत के बाद उनका रिकॉर्ड 4-। हो गया है। सिंधू का अगला मुकाबला चीन की हान यू से है, जिनके खिलाफ भारतीय खिलाड़ी का रिकॉर्ड 5-0 का है।भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सेन पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शि यू कि से हारकर बाहर हो गए। विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता सेन को 53 मिनट तक चले मुकाबले में 19- 21, 15-21 से पराजय झेलनी पड़ी। श्रीकांत के सफर को शुरूआती दौर में इंडोनेशिया के एंथोनी गिनटिंग ने 21-14, 21-13 से हराकर खत्म किया।

हालेप ने कहा, डोपिंग प्रतिबंध के खिलाफ अपील के बाद वापसी को लेकर नर्वस थी

बुकारेस्ट। डोपिंग प्रतिबंध के खिलाफ अपील करने के बाद प्रतिबंध घटने पर सिमोना हालेप डेढ़ साल बाद मियामी ओपन में पेशेवर टेनिस मैच खेलने के लिए फ्लोरिडा जा रही हैं। दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ने हालांकि कहा कि वह नर्वस हैं।हालेप ने बताया कि उन्होंने अपनी मां से कहा, मैं बहुत घबराई हुई हूं। हालेप निश्चित नहीं है कि कोर्ट पर और इसके बाहर क्या होगा। वह अपने करियर के दूसरे भाग को शुरू करने की तैयारी कर रही हैं। इस दिग्गज खिलाड़ी ने रोमानिया के बुकारेस्ट में अपने घर से एसोसिएटेड प्रेस के साथ एक वीडियो साक्षात्कार में यह बात कही। हालेप अपने परिवेश के साथ अधिक सहज हैं लेकिन यह निश्चित नहीं है कि वह उस खिलाड़ी के कितना करीब पहुंचेंगी जो वह रह चुकी हैं।उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लगता है जैसे मुझे नहीं पता कि (मियामी में) लोगों से क्या उम्मीद की जाए। यह कैसा होने वाला है - फिर से लॉकर रूम में होना। खिलाड़ियों का भोजन (क्षेत्र)। यह सब दिनचर्या जो मैंने लगभग दो वर्षों तक नहीं की, यह मेरे लिए नई लग रही है।

बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी मोंटे कार्लो में हारी

मोंटे कार्लो। भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन बुधवार को यहां मोंटे कार्लो मास्टर्स में पुरुष युगल के अंतिम-16 दौर के मैच में क्रोएशिया के मेट पाविक और अल साल्वाडोर के मार्सेलो ऐवलो से हार गए। बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी को 3-6, 6-7 (6-8) से हार का सामना करना पड़ा। बोपन्ना और एबडेन पहले सेट में जल्दी पिछड़ गए और फिर उबर नहीं पाए। दूसरे सेट में भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की जोड़ी वापसी करती दिखी लेकिन प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने टाई-ब्रेकर में बेहतर खेल के दम पर उन्हें वापसी का मौका नहीं दिया। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल पुरुषो के दूसरे दौर के मुकाबले को बारिश के कारण रोके जाते समय डेनमार्क के होल्गर रूणे के खिलाफ पिछड़ रहे थे। गैर वरीयता प्राप्त नागल पहला सेट 3-6 से हार गए और जब बारिश शुरू हुई तो वह सातवीं वरीयता प्राप्त रूणे के खिलाफ।-2 से पिछड़ रहे थे।नागल सोमवार को एटीपी मास्टर्स क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में मुख्य ड्रॉ का एकल मैच जीतने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बने थे। उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी मात्तेओ अर्नाल्डी को हराया था। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी नागल ने क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के जरिए इस एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में प्रवेश किया था। उन्होंने इटली के प्रतिद्वंद्वी को 5-7, 6- 2, 6-4 से हराया। एटीपी मास्टर्स 1000 की तीन स्पर्धाएं होती है जिसे क्ले कोर्ट पर खेला जाता है। मोंटे कार्लो मास्टर्स इसी का हिस्सा है। इसकी शुरुआत 1990 में हुई थी।

अगरकर ने कोहली के फिटनेस मानदंडों पर कहा

इसने पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में प्रगति की है

मुंबई (भाषा) चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने कहा कि विराट कोहली द्वारा डिजाइन किए गए फिटनेस ब्लूप्रिंट का पूरे भारतीय क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव पड़ा है। अगरकर ने महेंद्र सिंह धोनी को विशुद्ध रूप से मन की सुनने वाला व्यक्ति करार दिया जिसने बहुत पहले ही डाटा और अंतर्दृष्टि को अपनाया। कोहली भले ही 35 साल के हों लेकिन सबसे कठिन फिटनेस ड्रिल करने के मामले में वह किसी से पीछे नहीं हैं। अगरकर ने स्पोर्टिफाई विद पीआरजी से कहा, आप विराट (कोहली) जैसे लोगों को देखें, वह उन लोगों में से एक हैं जो मानक स्थापित करते हैं। अपने करियर में 10-15 वर्षों में वह और भी फिट हो गए हैं और आप परिणाम देख सकते हैं। यदि उनके जैसा कोई व्यक्ति उदाहरण स्थापित करता है और कुछ चीजें जिनकी आपको आवश्यकता है या कुछ फिटनेस स्तर जिनकी आपको आवश्यकता है, उन्हें सामने रखता है तो धीरे-धीरे यह पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में प्रगति करता है। उन्होंने कहा, धीरे-धीरे यह (युवा पीढ़ी तक) आगे बढ़ा है। पिछले 15-20 वर्षों में आपने जो एक अंतर देखा है वह खिलाड़ियों का फिटनेस स्तर है। कोहली आईपीएल के मौजूदा सत्र में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए आठवां आईपीएल शतक जड़ा और अब तक पांच मैचों में 316 के साथ सबसे सफल बल्लेबाज हैं।धोनी की सहज प्रवृत्ति ने उन्हें पांच आईपीएल खिताब दिलाए हैं। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स में कप्तान का पद छोड़ दिया है लेकिन मैदान पर उनकी उपस्थिति उनकी टीम में आत्मविश्वास भरने के लिए पर्याप्त है। इस पूर्व भारतीय क्रिकेटर का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता धोनी जैसे किसी व्यक्ति का विकल्प नहीं हो सकती जिनकी कप्तानी की प्रवृत्ति अविश्वसनीय है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 ,बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।